विक्रम संवत् 2081 ▪ वैशाख/ज्येष्ठ मास(03) ▪ 01 मई 2024 ▪ मूल्य : 23 रु.

आर.एन.आई. पंजीयन क्र.017261/69, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/297/2024-26, पृष्ठ संख्या-44, प्रकाशन दिनांक प्रत्येक माह की 10 तारीख, मॉर्निंग प्रत्येक माह की 15 एवं 20 तारीख

चैतेति

" भाजपा का संकल्प - मोदी की गारंटी 2024 "

140 करोड़ देशवासियों का सपना
' मोदी का संकल्प है '

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अयोध्या में श्रीराम नवमी के अवसर पर श्री रामलला का सूर्य तिलक देखा।

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भाजपा का संकल्प पत्र 2024 जारी किया।

» भाजपा अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने भाजपा स्थापना दिवस पर श्रद्धेय श्री दीनदयाल जी व श्रद्धेय श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित की।

» केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने गुना में विशाल रैली को सम्बोधित किया।

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

» भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा जी ने महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना की।

» भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा जी ने माया देवी मंदिर में संत आशीर्वाद समारोह में भाग लिया।

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वीरांगना रानी दुर्गावती जी की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित की।

अनुक्रमणिका

संपादकीय • संजय गोविन्द खोचे 04

- देशवासियों का सपना - मोदी जी का संकल्प

कवर स्टोरी 05

- 140 करोड़ देशवासियों का सपना " मोदी का संकल्प है "

- **कवर स्टोरी** 09-14
  - » विकसित भारत की ओर लंबी छलांग... 09
  - » विकसित भारत की संकल्पना पूरी होगी... 11
  - » संकल्प पत्र-मध्यप्रदेश के विकास को गति देगा-डॉ. मोहन यादव... 13
  - » संकल्प पत्र में भारत को श्रेष्ठ बनाने का दृढ़ निश्चय... 14
- **मोदी की गारंटी है** 15-23
  - » संसाधनों पर पहला हक गरीबों, पिछड़ों और आदिवासियों का... 15
  - » 'मोदी की गारंटी"से परिवारवादी और भ्रष्टाचारी बेचैन... 18
  - » संकल्प पत्र युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान... 21
- **विकास की राजनीति** 24
  - » मोदी जी ने विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया...
- **मोदीजी का संकल्प :** 26
  - » भाजपा ने आदिवासियों को अधिकार दिलाया - डॉ. मोहन यादव...
- **अबकी बार 400 पार :** 27
  - » भाजपा कार्यकर्ताओं में जीत का आत्मविश्वास...
- **विकसित भारत का संकल्प :** 29
  - » 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करेंगे...
- **विकास भी विरासत भी :** 31
  - » श्रीरामलला के गर्भगृह में मुस्कुराने का चुनाव है...
- **देश का मूड - अबकी बार 400 पार :** 33
  - » जनता ने ठाना- एक बार फिर मोदी सरकार...
- **फिर एक बार, मोदी सरकार** 35
  - » विकास का रॉकेट और ऊंचाई पर ले जाना है...
- **जयंती** 37-40
  - » मेवाड़ के अपराजित योद्धा महाराणा प्रताप
  - » वीर योद्धा छत्रसाल
  - » लोकमाता महारानी अहिल्याबाई
  - » सच्चे राष्ट्रवाद की ज्योति प्रज्जवलित की महान वीर सावरकर ने
- **विचार प्रवाह : पं. दीनदयाल उपाध्याय** 41
  - » संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है...

• मुख्य व्रत-त्यौहार

4. वरूथिनी एकादशी व्रत 5. प्रदोष व्रत 6. शिव चतुर्दशी व्रत 7. श्राद्ध अमावस्या 8. स्नानदान, सतुवाई अमावस्या 9. चन्द्रदर्शन 10. अक्षय तृतीया, रोहिणी व्रत, वर्षी तप पारणा 11. विनायक चतुर्थी व्रत 14. गंगा सप्तमी, गंगोत्पत्ति 16. जानकी जयंती, सीता नवमी 19. मोहिनी एकादशी व्रत 20. प्रदोष व्रत 22. नृसिंह चतुर्दशी 23. स्नानदान व्रत पूर्णिमा, बुद्ध, वैशाखी पूर्णिमा 26. गणेश चतुर्थी व्रत

• मुख्य जयंती-दिवस

1. महाराष्ट्र, गुजरात स्थापना दिवस 3. अं. पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस 8. विश्व रेडक्रास दिवस 12. संत सूरदास ज., एकात्मता दिवस 15. विश्व परिवार दिवस 17. विश्व दूरसंचार दिवस 22. राजा राममोहन राय जयंती 23. गुरू गोरखनाथ प्रगटन दिवस, महर्षि भृगु एवं टेकचंद म. जयंती 28. वीर सावरकर जयंती 31. विश्व धूम्रपान निरोधक दिवस

वर्ष-56, अंक : 03, भोपाल, मई 2024

हमारे प्रेरणास्रोत

पं. दीनदयाल उपाध्याय

ध्येय बोध

हमने धर्म के आधार पर लोक पालन और राज्य की व्यवस्था का विधान किया। केवल सत्ता भोग के लिए राज स्थापना अपने जीवन का लक्ष्य नहीं। धर्म के लिए राज्य की आवश्यकता हुई इसलिए धर्म से प्रेरणा जरूरी है। राजा धर्म रक्षण के लिए उत्तरदायी है।

- पं. दीनदयाल उपाध्याय

सचिव, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
संजय गोविंद खोचे*

सहायक सम्पादक
पं. सलिल मालवीय

व्यवस्थापक
योगेन्द्रनाथ बरतरिया
मोबा. नं. 09425303801

पं. दीनदयाल विचार प्रकाशन म.प्र. के लिये मुद्रक एवं प्रकाशक संजय गोविंद खोचे द्वारा पं. दीनदयाल परिसर, ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल-462016 से प्रकाशित

एवं एम. पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेस-II, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा - 201 305 से मुद्रित.

संपादकीय पता
पं. दीनदयाल परिसर,
ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल- 462016
e-mail:charevetibpl@gmail.com
web site:www.charaiveti.org

मूल्य- तेईस रुपये
*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार

2024 के चुनाव के लिए भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र कहा और कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के सपने-मोदी जी का संकल्प है। जनता ने संकल्प पत्र को मोदी की गारंटी- मोदी का संकल्प मानकर सहज भाव से स्वीकार कर लिया क्योंकि जनता को भरोसा हो गया है की मोदी की गारंटी-गारंटी पूरा होने की भी गारंटी है।

देशवासियों का सपना - मोदी जी का संकल्प

लोकसभा चुनाव 2024 शनैः शनैः कदम दर कदम बढ़ता जा रहा है। लोकसभा चुनाव के प्रथम दो चरणों का मतदाताओं का निर्णय वोट के माध्यम से व्यक्त किया जा चुका है। देश के युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों ने बढ़-चढ़ कर मतदान में भाग लिया। देश में मतदान के प्रति गजब का उत्साह था, और उत्साह होता भी क्यों नहीं? मतदाता को आखिर देश के भविष्य का निर्णय करना था। जनता में उत्साह देखते ही बनता है। संसदीय इतिहास में शायद यह पहली बार है कि देश के नेता के प्रति जनता का उत्साह चरम पर है और इस उत्साह के परिणाम स्वरूप विपक्ष पूरी तरह हतोत्साहित हो गया है और विपक्ष के हतोत्साहित होने के कारण विपक्ष के समर्थक वोट, अब वोट में परिवर्तित नहीं हो पा रहे हैं, या अब उनमें वोट डालने का उत्साह भी नहीं है।

यह सही है कि किसी राजनीतिक दल की पहचान उसके नेता या नेतृत्व से होती है। विपक्ष ने सरकार के खिलाफ गठबंधन तो बनाया पर गठबंधन चुनाव आते-आते तार-तार हो गया और जनता को कोई संदेश देने में सफल नहीं हो पाया। दूसरी तरफ भाजपा नेतृत्व में एनडीए गठबंधन एकजुट होकर मजबूती के साथ चुनाव में उतरा। एनडीए गठबंधन ने जनता के समक्ष अपने 10 वर्षों के कार्यकाल का हिसाब किताब पेश किया।

2014 व 2019 में किए गए वादों को पूर्ण करके दिखाया और जो वादे नहीं भी किए थे पर जनता के हित में जरूरी थे वह भी पूरे करके दिखाए। जब करोना की विभिषिका से पूरा विश्व स्तब्ध था तब भारत ने नारा दिया था ''जान है तो जहान है'' फिर हालात सुधारते ही ''जान भी जहान भी''। करोना के संकट से उभरते ही भारत का पहिया फिर तेजी से घूमने लगा। 80 करोड़ लोगों को जिनको संकट से उभरने के लिए सहारे की आवश्यकता थी, सरकार ने न सिर्फ मदद की, सहारा दिया बल्कि फिर कहीं वापस पीछे ना चले जाएं सहारा, मदद व चिंता जारी रखी। उसी का परिणाम है आज 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आ चुके हैं। पूरे विश्व के लिए आश्चर्य का विषय है। मोदी जी ने जितने लोगों को गरीबी से रेखा से बाहर निकाला है उतनी तो कई देशों की कुल जनसंख्या भी नहीं है। इसी कारण मोदी जी जब कुछ कहते हैं, तो जनता उस पर विश्वास करती है, भरोसा करती है और इसे मोदी की गारंटी मानती है।

2024 के चुनाव के लिए भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र कहा और कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के सपने-मोदी जी का संकल्प है। जनता ने संकल्प पत्र को मोदी की गारंटी- मोदी का संकल्प मानकर सहज भाव से स्वीकार कर लिया क्योंकि जनता को भरोसा हो गया है की मोदी की गारंटी-गारंटी पूरा होने की भी गारंटी है। संकल्प पत्र के माध्यम से जनता अपने उज्जवल भविष्य को देख रही है। देश के उज्जवल भविष्य के प्रति विश्वास व्यक्त कर रही है। विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत के लिए आश्वस्त है। संसद में, विधानसभा में एक तिहाई महिलाओं की स्थिति सुनिश्चित हो रही है। तेजी से बढ़ता इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से, गति से बढ़ते भारत को सुनिश्चित कर रहा है। स्टार्टअप्स, यूनिकॉर्न की संख्या नई पीढ़ी के जोश तथा भविष्य के प्रति आश्वस्त दिखाई दे रहा है। डिजिटल अर्थव्यवस्था सिस्टम पर भरोसा दिख रहा है। भ्रष्टाचारियों पर नकेल, ईमानदार टैक्स पेयर, गरीब, किसान व महिलाओं के हक को वापस दिलवा रही है। सेना की वर्षों से लंबित मांग ''वन रैंक-वन पेंशन'' का समाधान हो चुका है। आतंकवाद, नक्सलवाद अंतिम सांसें गिन रहा है। छोटे-छोटे किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री स्वयं श्री अन्न को विश्व मंच पर स्थापित कर रहे हैं। अब वह दिन दूर नहीं जब छोटे-छोटे किसानों की फसलें विश्व के बाजारों में श्री अन्न के रूप में निर्यात होने लगेंगी। महिलाओं को चूल्हे के धुएं से मुक्ति मिल चुकी है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। घर-घर पीने का पानी नल से स्वच्छ जल के रूप में पहुंच रहा है। आज देश का एक भी कोना ऐसा नहीं है जहां बिजली ना पहुंची हो। सारांश में कहा जाए तो देश में लगभग हर क्षेत्र में असाधारण प्रगति हुई है और अब देश मोदी जी के नेतृत्व में 2047 तक विकसित भारत के लिए तैयार हो रहा है।

मोदी जी का नारा अबकी बार 400 पार यथार्थ में बदलता दिखाई दे रहा है। मतदाता मोदी सरकार से संतुष्ट हैं। देश में सभी नागरिकों के साथ एक समान व्यवहार हो रहा है। मुस्लिम माताओं-बहनों को जिन्हें वोट बैंक मानकर रखा जाता था पर कभी उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार की तरफ से कभी कोई प्रयास नहीं किया गया था। आज मुस्लिम महिलाओं की गर्दन पर तीन तलाक की लटकती तलवार को मोदी जी ने एक ही झटके में हमेशा-हमेशा के लिए दफन कर दिया है। मुस्लिम महिलाओं के सम्मान की, भविष्य की अगर किसी ने चिंता की है तो मोदी जी ने की है। जम्मू-कश्मीर के निवासियों को अगर देश की मुख्य धारा में अगर किसी ने जोड़ा है तो मोदी जी ने जोड़ा है। जम्मू कश्मीर में विकास अगर किसी ने पहुंचाया है तो मोदी जी ने पहुंचाया है। बीमारू प्रदेशों को अगर विकासशील प्रदेशों की श्रेणी में कोई खींच कर लाया है तो मोदी जी लाए हैं। सेना के साजो सामान को अगर आयात की जगह निर्यात तक किसी ने पहुंचाया है तो मोदी जी ने पहुंचाया है। सेना को सक्षम, समृद्ध व आधुनिक अगर किसी ने करा है तो मोदी जी ने किया है। भारत के बैंकों की बैलेंस शीट को अगर किसी ने सुधारा है तो मोदी जी ने सुधारा है। महंगाई दर को अगर किसी ने नियंत्रित किया है तो मोदी जी ने किया है।

जिधर नजर डालो उधर परिवर्तन ही परिवर्तन है। बिना किसी निजी स्वार्थ के। जमीन के नीचे से, समुद्र की तली से आकाश तक प्रगति ही प्रगति है। देश का हर नागरिक मोदी जी के प्रति आश्वस्त है, आशावान है, मोदी जी को दिया हर वोट देश के नव निर्माण की ताकत बनने जा रहा है। देश के कोने-कोने से एक ही आवाज आ रही है - मोदी जी 400 क्या? 400 से ज्यादा सीट भी मांगते तो जनता खुशी-खुशी दे देती। और देती भी क्यों नहीं? मोदी जी जनता के दिलों पर राज करते हैं। जनता अपना भविष्य मोदी जी के हाथों में सुरक्षित मान चुकी है। देश का भविष्य मोदी जी के हाथों में सुरक्षित है और मोदी जी ''वसुधैव कुटुंबकम'' का पालन करते हैं अतः मोदी जी भारत के तो हैं ही पूरी धरा के, पूरे विश्व के सर्वमान्य नेता हैं। ▪

(संजय गोविन्द खोचे)
सम्पादक

"भाजपा का संकल्प - मोदी की गारंटी 2024"

140 करोड़ देशवासियों का सपना "मोदी का संकल्प है"

- भाजपा का संकल्प पत्र एनडीए सरकार की उपलब्धियों का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करता है और 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण का दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

- संकल्प पत्र विकसित भारत के 4 मजबूत स्तंभ- युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान और गरीब, सभी को सशक्त करता है। हमारा फोकस Dignity of Life पर है, Quality of Life पर है, निवेश से नौकरी पर है।

- इस संकल्प पत्र में Quantity of Opportunities और Quality of Opportunities दोनों पर बहुत जोर दिया गया है। एक तरफ हमने कई सारे इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण से बड़ी संख्या में रोजगार बनाने की बात की है। दूसरी तरफ हम स्टार्टअप और ग्लोबल सेंटर्स को बढ़ावा देकर हाई वैल्यू सर्विसेज पर भी ध्यान देने जा रहे हैं।

भाजपा सरकार ने अब तक गरीबों को 4 करोड़ पक्के घर बनाकर दिए हैं और इस योजना का विस्तार करते हुए भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 3 करोड़ पक्के घर और बनाने का संकल्प लिया है।

अभी तक भाजपा सरकार ने सस्ते सिलेंडर घर-घर पहुंचाए हैं लेकिन अब भाजपा घर-घर पाइप से सस्ती रसोई गैस पहुंचाने का काम भी तेजी से पूरा करेगी। भाजपा सरकार ने करोड़ों गरीब परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए हैं और अब भाजपा सरकार करोड़ों परिवारों का बिजली बिल शून्य करने और बिजली से कमाई का अवसर पैदा करने की दिशा में काम कर रही है।

- हम ये सुनिश्चित करेंगे कि गरीब के भोजन की थाली पोषण युक्त हो, उसके मन को संतोष देने वाली हो और अफोर्डेबल हो-सस्ती हो। मोदी की गारंटी है कि मुफ्त राशन की योजना आने वाले 5 साल तक जारी रहेगी।

- भाजपा ने संकल्प लिया है कि 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जाएगा। 70 साल के ऊपर के हर बुजुर्ग, चाहे वो गरीब हों, मध्यम वर्ग के हों या फिर उच्च मध्यम वर्ग ही क्यों ना हों, उन्हें 5 लाख रुपए

तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी।

- जिनको किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी पूजता है। यही सबका साथ, सबका विकास का भाव है और यही भाजपा के संकल्प पत्र की आत्मा भी है।

- भारत आज Women Led Development में दुनिया को दिशा दिखा रहा है। पिछले 10 वर्ष नारी गरिमा, नारी को नए अवसरों को समर्पित रहे हैं। आने वाले 5 वर्ष नारी शक्ति की नई भागीदारी के होंगे।

- भाजपा का संकल्प, भारत को फूड प्रोसेसिंग हब बनाने का है। इससे वैल्यू एडीशन होगा, किसान का फायदा बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। ये फूड प्रोसेसिंग प्लांट्स, रूरल इकॉनॉमी के नए ग्रोथ इंजन बनेंगे।

- भाजपा, विकास भी और विरासत भी के मंत्र पर विश्वास करती है। हम पूरी दुनिया में तिरुवल्लूर कल्चरल सेंटर्स का निर्माण करेंगे। दुनिया की सबसे पुरानी भाषा तमिल हमारा गौरव है। तमिल भाषा की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए भाजपा हर प्रयत्न करेगी।

- हमारे देश में टूरिज्म के पोटेंशियल को अनलॉक किया जाना बाकी है। भाजपा द्वारा विश्व प्रवासी-ग्लोबल टूरिस्ट्स को हमारी विरासत से जोड़ा जाएगा और इस विरासत को हम वर्ल्ड हेरिटेज से जोड़ेंगे।

- 21वीं सदी के भारत की बुनियाद, भाजपा तीन तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रही है। पहला है- सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर। दूसरा है- फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर। तीसरा है- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर।

- हमारे देश में अर्बनाइजेशन को पहले की सरकारें चुनौती माना करती थीं। भाजपा इसे अवसर के रूप में देखती है। हम देश में नए-नए सैटलाइट टाउन्स बनाएंगे जो देश के विकास का ग्रोथ सेंटर बनेंगे, रोजगार के नए अवसर बनाएंगे।

- भारतीय जनता पार्टी देशहित में बड़े और कड़े निर्णय लेने से कभी पीछे नहीं हटती। हमारे लिए दल से बड़ा देश है। नारीशक्ति वंदन अधिनियम अब कानून बन चुका है। हमारी सरकार ने धारा 370 हटाया और हम CAA लेकर आए। हम Reform-Perform- Transform के मंत्र पर चल रहे हैं।

पूरा देश भाजपा के संकल्प पत्र की प्रतीक्षा करता है क्योंकि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में अपने संकल्प पत्र के हर बिन्दु को गारंटी के रूप में धरातल पर उतारा है और घोषणा पत्र की शुचिता को पुनः स्थापित किया है। संकल्प पत्र विकसित भारत के 4 मजबूत स्तंभ (GYAN) गरीब, युवा शक्ति, अन्नदाता और नारी शक्ति को सशक्त करता है। भाजपा सरकार का ध्यान डिग्निटी ऑफ लाइफ, क्वालिटी ऑफ लाइफ और निवेश से नौकरी पर भी है। इस संकल्प पत्र में क्वांटिटी ऑफ ऑपर्चुनिटी (Quantity of Opportunity) और क्वालिटी ऑफ ऑपर्चुनिटी (Quality of Opportunity) दोनों पर जोर दिया गया है।

एक तरफ भाजपा सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण से बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करने की बात की है और अब दूसरी तरफ भाजपा स्टार्टअप और वैश्विक केन्द्रों को बढ़ावा देकर हाईवैल्यूज सर्विसिंग पर भी जोर देने जा रही है। भाजपा के इस संकल्प पत्र में युवा भारत की युवा आकांक्षाओं का भी प्रतिबिंब है। भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्ष में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालकर यह सिद्ध किया कि भाजपा सरकार परिणाम लेकर आती है लेकिन काम यहां पर ही नहीं रुकता क्योंकि जो लोग गरीबी से बाहर आए हैं उनको लंबे अरसे तक संबल की आवश्यकता होती है क्योंकि गरीबी से बाहर निकलते व्यक्ति को एक छोटी सी कठिनाई भी फिर से गरीबी में धकेल सकती है। इसी सोच के साथ भाजपा ने गरीब कल्याण की कई योजनाओं के विस्तार का संकल्प लिया है। मोदी की गारंटी है कि मुफ्त राशन की योजना आने वाले 5 वर्षों तक जारी रहेगी। भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि गरीब के भोजन की थाली पोषणयुक्त और सस्ती होने के साथ मन को संतोष देने वाली हो, जिससे गरीब का पेट भी भरे, मन भी भरे और जेब भी भरी रहे। मोदी की गारंटी है कि सभी जनऔषधि केंद्रों पर 80 प्रतिशत छूट के साथ सस्ती दवाईयां मिलती रहेंगी और जनऔषधि केंद्रों का विस्तार भी किया जाएगा। मोदी की गारंटी है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलता रहेगा। मोदी की गारंटी के इसी क्रम में भाजपा ने 70 वर्ष की आयु के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के दायरे नें लाने का बड़ा निर्णय लिया है। 70 साल का हर एक बुजुर्ग चाहे वह गरीब हो, मध्यम वर्ग का हो या फिर उच्च मध्यम वर्ग का सभी को हमारी सरकार 5 लाख तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा देगी।

भाजपा सरकार ने अब तक गरीबों को 4 करोड़ पक्के घर बनाकर दिए हैं और इस योजना का विस्तार करते हुए भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 3 करोड़ पक्के घर और बनाने का संकल्प लिया है। अभी तक भाजपा सरकार ने सस्ते सिलेंडर घर-घर पहुंचाए हैं लेकिन अब भाजपा घर-घर पाइप से सस्ती रसोई गैस पहुंचाने का काम भी तेजी से पूरा करेगी। भाजपा सरकार ने करोड़ों गरीब परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए हैं और अब भाजपा सरकार करोड़ों परिवारों का बिजली बिल शून्य करने और बिजली से कमाई का अवसर पैदा करने की दिशा में काम कर रही है। इसी को लेकर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लागू की गई है और 1 करोड़ लोग इस योजना के तहत पंजीकरण करा चुके हैं। भाजपा का संकल्प है कि इस योजना पर अधिक तेजी से काम किया जाएगा क्योंकि इससे घर में बिजली तो मुफ्त होगी ही होगी और अतिरिक्त बिजली बेचकर कमाई भी होगी साथ-साथ अगर इलेक्ट्रिक व्हीकल इस्तेमाल करने पर जनता का ट्रांसपोर्टेशन का खर्च भी बचेगा।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से मिले लाभ के कारण बीते वर्षों में करोड़ों लोग उद्यमी बने हैं। इस योजना से करोड़ों रोजगार सृजित हुए हैं और लाखों लोग रोजगार सृजक बने हैं। योजना की इस सफलता को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने संकल्प लिया है कि अब मुद्रा योजना के तहत ऋण सीमा को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए किया जाएगा। भाजपा के इस निर्णय से उद्योग 4.0 की जरूरतें पूरी होंगी और युवाओं को नई ताकत मिलेगी। इस योजना से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के युवाओं को अपनी रुचि का काम करने के लिए अधिक धनराशि और अधिक संसाधन मुहैया होंगे। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने आजादी के बाद पहली बार रेहड़ी, पटरी, ठेले वालों की गरिमा को सुरक्षित रखते हुए उन्हें ब्याज के चक्कर से मुक्ति दिलाई है। आज इन लोगों को बैंक में बिना कोई गारंटी दिए ऋण मिल जाता है क्योंकि मोदी ने इनकी गारंटी ली है। इस योजना की ऋण सीमा को 50 हजार रुपए से बढ़ाया जाएगा और इसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी पहुंचाया जाएगा। जिनको किसी ने नहीं पूछा उनको मोदी पूजता है। यही सबका साथ सबका विकास का भाव है और यही भाजपा के संकल्प पत्र की आत्मा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में दिव्यांगजनों को प्राथमिकता दी जाएगी। उनकी विशेष जरूरतों के अनुसार उन्हें विशेष आवास सुनिश्चित किए जाएंगे। भाजपा ने ट्रांसजेंडरों को पहचान-प्रतिष्ठा दी है और अब उन्हें आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा जिससे उन्हें भी इसका लाभ मिल सके। नारी केन्द्रित विकास करते हुए भारत आज पूरे विश्व को दिशा दिखा रहा है। पिछले दस वर्ष नारी गरिमा और नारी को नए अवसर देने को समर्पित रहे हैं और आने वाले पांच वर्ष नारी शक्ति की नई भागीदारी के होंगे। बीते दस वर्षों में 10 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, भाजपा इन सहायता समूहों को अब आईटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, खुदरा और पर्यटन जैसी सेवाओं के लिए प्रशिक्षित करेगी। अब तक 1 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं और भाजपा अब 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाएगी, ये मोदी की गारंटी है। नमो ड्रोन दीदी योजना से गांव-गांव में महिलाएं ड्रोन पायलट बनेंगी। इस योजना से ग्रामीण महिलाओं का सम्मान और कमाई बढ़ी है और ये महिलाएं खेती के क्षेत्र में एक बहुत बड़ी क्रांति लेकर आई हैं। इसी प्रकार महिला खिलाड़ियों को खेलों मे आगे बढ़ाने के लिए विशेष सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। भाजपा महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य को बेहतर बनाने को अपने संकल्प का पालन करते हुए अब सर्वाइकल कैंसर से मुक्ति के लिए अभियान चलाएगी।

भारतीय जनता पार्टी गांव की पूरी अर्थव्यवस्था को संपूर्णता में देखती है इसीलिए खेती, पशुपालन और मछली पालन सहित सभी क्षेत्र के लोगों को सशक्त किया जा रहा है। भाजपा ने पशुपालकों और मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड के दायरे में जोड़ा है। देश के 10 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिलना जारी रहेगा। भाजपा सरकार सहकारिता से समृद्धि के विजन पर चलते हुए राष्ट्रीय सहकारिता नीति लेकर आएगी जिसके अंतर्गत देश भर में डेयरी सहकारी समितियों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। भाजपा सरकार ने हाल ही विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना शुरू की है। भारत को ग्लोबल न्यूट्रिशन हब बनाने के लिए भाजपा सरकार सुपर फूड पर अधिक बल देने वाली है। श्री अन्न पैदा करने वाले दो करोड़ से अधिक किसानों को दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर प्रकार की मदद की जाएगी। भाजपा सब्जी उत्पादन और स्टोरेज के नए क्लस्टर्स का गठन करेगी, मछलीपालन क्षेत्र के लिए भी नए उत्पादन क्लस्टर बनाएगी और मछुआरों को सीविड एवं मोती की खेती के लिए भी प्रोत्साहित करेगी। इसके अलावा प्राकृतिक खेती और नैनो यूरिया के अधिकतम प्रयोग पर भी जोर दिया जाएगा। भाजपा ने किसान समृद्धि केन्द्रों के विस्तार का भी संकल्प लिया है। भाजपा का संकल्प भारत को फूड प्रोसेसिंग हब बनाने का है और ये फूड प्रोसेसिंग प्लांट ग्रामीण क्षेत्र के लिए नए ग्रोथ इंजन बनेंगे।

भाजपा सरकार ने जनजातीय समाज के गौरव को मान्यता देते हुए देश में जनजातीय गौरव दिवस मनाना शुरू किया है। 2025 में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाएगा और जनजातीय गौरव अभियान को राष्ट्रभर में गति दी जाएगी। भाजपा जनजातीय विरासत पर अनुसंधान को भी प्रोत्साहित करेगी, डिजिटल जनजातीय कला अकादमी की स्थापना करेगी, वन उपज आधारित स्टार्ट अप एवं स्वयं सहायता समूहों को भी बढ़ावा देगी और 700 से ज्यादा एकलव्य स्कूलों के निर्माण के लक्ष्य को भी पूरा करेगी। भाजपा विकास भी और विरासत भी के मंत्र में विश्वास करती है। भाजपा पूरे विश्व में थिरूवल्लुवर सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना करेगी। विश्व की सबसे पुरानी भाषा और देश का गौरव तमिल भाषा की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए भाजपा हर प्रकार के नए उपक्रम शुरू करेगी। भाजपा पूरे विश्व के पर्यटकों को देश की विरासत से जोड़ेगी और नालंदा सहित देश की विरासतों को वर्ल्ड हेरिटेज के साथ जोड़ेगी। टूरिज्म डेस्टिनेशन रैंकिंग के आधार पर पर्यटक स्थलों का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। भाजपा ईकोटूरिज्म के नए केन्द्र स्थापित करेगी।

भाजपा तीन तरह के इन्फ्रास्ट्रक्चर से 21वीं सदी के भारत की बुनियाद मजबूत करने जा रही है। जिसमें सोशल इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। भाजपा सोशल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए नए-नए शिक्षण संस्थान एवं विश्वविद्यालय स्थापित कर रही है और दुर्घटनाएं कम करने हेतु ट्रक ड्राइवरों के लिए हाइवे के पास एक बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास कर रही है। फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए देश में हाइवे, रेलवे, वाटरवे और एयरवेज को आधुनिक बनाया जा रहा है। डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 5-जी का विस्तार किया जा रहा है, 6-जी पर काम किया जा रहा है और उद्योग 4.0 को केन्द्र रखकर नीतियां बनाई जा रही हैं। सरकार की ज्यादा से ज्यादा सेवाओं को ऑनलाइन बनाया जा रहा है, कॉमन सर्विस सेंटर्स की संख्या को बढ़ाया जा रहा है तथा ओएनडीसी और टेलीमेडिसिन का विस्तार किया जा रहा है। इन तीनों इन्फ्रास्ट्रक्चर्स की गति और स्केल इतना तेजी से बढ़ेगा कि इससे स्कोप भी बढ़ जाएगा। ये भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। देश की पूर्व सरकारें शहरीकरण को चुनौती मानती थीं लेकिन भाजपा उसे अवसर के रूप में देखती है। भाजपा सरकार देश में नए-नए सैटेलाइट टाउन बनाएगी जो देश के विकास का ग्रोथ सेंटर बनेंगे। देश के एविएशन सेक्टर के विस्तार पर भी भाजपा खास ध्यान दे रही है। देश ने हाल ही 1000 से अधिक विमानों की डील की है, ये विमान अपने साथ रोजगार के नए अवसर भी लेकर आएंगे। ये सेक्टर देश के छोटे शहरों में रहने वाले युवाओं के लिए भी ड्रीम सेंटर बनने जा रहे हैं। भाजपा देश के कोने-कोने में वंदे भारत ट्रेन का विस्तार करेगी और देश में वंदे भारत के तीन मॉडल संचालित होंगे - वंदे भारत स्लीपर, वंदे भारत चेयर कार और वंदे भारत मेट्रो। अहमदाबाद - मुंबई बुलेट ट्रेन का काम पूरा होने वाला है। भाजपा का संकल्प है कि आने वाले समय में भारत की चारों दिशाओं में एक-एक बुलेट ट्रेन चलाई जाएगी। भाजपा का संकल्प पत्र देश को आत्मनिर्भरता की तरफ ले जाने वाला है। रक्षा, खाद्य तेल और ऊर्जा आयात सहित हर क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ाना भाजपा का संकल्प है। ये परियोजनाएं देश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही देश के पर्यावरण की भी सुरक्षा करेंगी। इससे देश में बड़ी संख्या में हरित रोजगार पैदा होंगी।

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है। 10 वर्ष पहले एक साल में मात्र 2000 EV की बिक्री हुई थी लेकिन आज जबकी पिछले ही वर्ष देश में 17 लाख से अधिक EV बिके हैं। पूरे देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन और आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा है। भाजपा सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पीएम सूर्य के माध्यम से घरों में निःशुल्क चार्जिंग की शुरुआत कर निःशुल्क यात्रा की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इलेक्ट्रिक के उभरते हुए क्षेत्र के कारण देश भर में रोजगार की अनेक नई संभावनाएं बनने जा रही हैं। भाजपा का संकल्प भारत को दुनिया भर के उभरते क्षेत्रों का ग्लोबल हब बनाने का है। वह समय ज्यादा दूर नहीं जब भारत दुनिया का ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक, फार्मा, ऑटोमोबाईल, सेमीकंडक्टर, इनोवेशन, लीगल इन्श्योरेन्स और कान्ट्रैक्टिंग एण्ड कमर्शियल जैसे क्षेत्रों का ग्लोबल हब बन जाएगा। वह दिन भी दूर नहीं जब दुनिया भर के बड़े-बड़े इकोनॉमिक केंद्र भारत में होंगे और देश ग्लोबल कैपबिलिटी सेंटर, ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर और ग्लोबल इंजीनियरिंग सेंटर का बहुत बड़ा हब बनेगा।

भारत स्पेस विज्ञान के क्षेत्र में भी दुनिया की बहुत बड़ी ताकत बनकर उभरेगा और यह क्षेत्र देश को कल्पना से परे अवसर प्रदान करेगा।

आज विश्व में अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं और युद्ध की स्थिति के बीच तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। तनावपूर्ण क्षेत्रों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा भाजपा के लिए प्राथमिकता है। जब दुनिया भर में ऐसा तनावग्रस्त माहौल बना हो तो भारत में पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार की आवश्यकता अनेक गुना बढ़ जाती है। एक ऐसी सरकार जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर, विकास की ओर आगे ले जाए, जिसके लिए भाजपा संकल्पबद्ध है। भाजपा का यह संकल्प पत्र ऐसी ही सरकार की गारंटी देता है।

भारत मानवता के कल्याण के लिए विश्व बन्धु के तौर पर निरंतर प्रयासरत रहेगा। भारतीय जनता पार्टी देशहित में बड़े और कड़े निर्णय लेने से पीछे नहीं हटती, भाजपा के लिए देश दल से बड़ा है। भाजपा ने नारी शक्ति अधिनियम को कानून बनाया, धारा 370 को हटाया और सीएए को देश में लागू किया। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांस्फॉर्म के मंत्र पर चलते हुए भारत और तेजी से आगे बढ़ेगा। गुड गवर्नेंस, डिजिटल गवर्नेंस और डेटा गवर्नेंस के लिए देश में आवश्यक इकोसिस्टम तैयार किए जाएंगे। भाजपा एक देश, एक चुनाव के सपने को लेकर आगे बढ़ रही है और देशहित के लिए यूसीसी को भी आवश्यक मानती है।

भ्रष्टाचार गरीब और मध्यम परिवार के अधिकार को छीनता है भाजपा सरकार ने पिछले 10 साल में भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की है। राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले हजारों करोड़ के घोटाले अब बंद हो गए हैं। गरीब को उसका हक मिल रहा है और गरीब को लूटने वाले जेल जा रहे हैं। भ्रष्टाचारियों पर निरतंर सख्त कार्रवाई मोदी की गारंटी है।

मैंने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि यही समय है, सही समय है। आने वाले 1 हजार वर्षों के लिए, भारत के भविष्य को तय करने वाला यह उत्तम समय और अवसर है। भाजपा के संकल्प पत्र पर 4 जून के बाद तेजी के कार्य शुरू हो जाएगा। भाजपा सरकार ने पहले से ही प्रारम्भिक 100 दिनों के एक्शन प्लान पर काम करना शुरू कर दिया है। देश के 140 करोड़ देशवासियों का ऐम्बिशन 'मोदी का मिशन है'। देश ने चंद्रयान की सफलता देखी है और अब गगनयान का गौरव भी अनुभव करेगा। अभी देश ने जी20 में भारत का स्वागत देखा और अब ओलम्पिक की मेजबानी में भी पूरी ताकत लगा देंगे। नया भारत रफ्तार पकड़ चुका है और अब इसको रोकना असंभव है। मैं इस संकल्प पत्र को मोदी के गारंटी के रूप में 140 करोड़ देशवासियों के समक्ष रख रहा हूं। 140 करोड़ देशवासियों के सपनों को हकीकत में बुनने के लिए भाजपा यह संकल्प पत्र लेकर आई है। मां भारती के कोटि-कोटि जनों के कल्याण के लिए और विकसित भारत के संकल्प के लिए देश की जनता भाजपा की ताकत बढ़ाए और अपना आशीर्वाद प्रदान करें। ▪

370 नये वोट बढ़ायेंगे- हितानंद जी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमें हर बूथ पर 370 नए वोट बढ़ाने का लक्ष्य दिया है। श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए आंदोलन किया और अपना बलिदान दे दिया। इसलिए हम सभी कार्यकताओं को हर बूथ पर 370 नये वोट बढ़ाकर डॉ. मुखर्जी जी को सच्ची श्रद्धांजलि देना है। भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ता कमर कस कर अपने-अपने बूथों में 370 नये वोट बढ़ाने के लक्ष्य को पूरा करें।

पार्टी ने हमें हर बूथ पर 13 करणीय कार्य दिए हैं। कार्यकर्ता गांव-गांव, घर-घर संपर्क कर भाजपा सरकार की उपलब्धियां जनता को बताकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का आह्वान करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व मे महिलाओं को सशक्त, सक्षम और सामर्थ्यवान बनाने के लिए केन्द्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। उज्जवला योजना के जरिये ग्रामीण महिलाओं को धुएँ से मुक्ति मिली है तो वहीं पीएम स्वनिधि और ड्रोन दीदी योजना के जरिये महिलाएँ आत्मनिर्भर होकर सम्मानपूर्वक जीवन जी रही हैं। ▪

परिणाम से पहले ही विरोधी भाजपा की जीत मान चुके हैं - प्रहलाद पटेल

देश की आजादी के बाद यह पहला ऐसा आम चुनाव है, जिसका परिणाम आने से पहले ही विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी की जीत मान चुके हैं। राजनीति के क्षेत्र में और दुनिया की राजनीति में यह बहुत महत्वपूर्ण समय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में किए जा रहे देश के विकास और गरीब कल्याण के कार्यों से जनता का उन पर अटूट विश्वास है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति जनता के विश्वास से अबकी बार 400 पार का लक्ष्य प्राप्त होगा। देश की जनता श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा को अपना आशीर्वाद देने जा रही है।

वर्ष 1962 के चुनाव से कांग्रेस को चुनौती मिलने लगी थी। भारत के लोकतंत्र में स्वतंत्रता के बाद कोई दशक ऐसा नहीं रहा होगा जब दो बार सरकार बनाने के बाद तीसरी बार आप सरकार बनाने जाएं तो कोई खिलाफ में वातावरण न हो। लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार दस वर्ष का कार्यकाल पूरा करने जा रही है, देश विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और जनता श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने लिए भाजपा को अपना आशीर्वाद देने जा रही है।

2013 में भाजपा ने 200 पार का नारा दिया था और भाजपा को 272 से ज्यादा सीटों पर जीत मिली थी। 2019 में हमने कहा था 300 पार और हमारी 300 से अधिक सीट आ गई थीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस चुनाव में 370 भाजपा और 400 पार एनडीए जीतेगी कहा है तो हम विश्वास कर रहे है कि लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा। ▪

"भाजपा का संकल्प - मोदी की गारंटी 2024"

विकसित भारत की ओर लंबी छलांग

भारतीय जनता पार्टी ने अपने जनसंघ काल से ही अपने वैचारिक अधिष्ठान होने के कारण हर चुनाव में अपनी वैचारिक यात्रा को आगे बढ़ाया है। 1952 में जिस विचार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने साझा किया और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी ने आगे बढ़ाया, भाजपा उस विचार को आगे बढ़ाने के लिए आज भी भरसक प्रयास कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र इसी वैचारिक अधिष्ठान का पर्याय है। भारतीय जनसंघ ने एकात्म मानववाद के विचार को रखा और भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता में आने के बाद इसी विचार को अंत्योदय के रूप में स्थापित किया।

- **पूरे देश ने इस बात को माना है कि ''मोदी की गारंटी, यानी गारंटी के पूरे होने की गारंटी।''** भाजपा जो कहती है, उसे तो पूरा करती ही है, और जो नहीं भी कहती है लेकिन जनता के हित में यदि वे जरूरी होते हैं, तो उसे भी पूरा करके दिखाती है।

- आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पेश किए जाने वाला संकल्प पत्र विकसित भारत की ओर लंबी छलांग लगाने वाला है। **आज देश की जनता को विश्वास है कि यदि मोदी की गारंटी है तो यह पूरा होकर रहेगा।**

- आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2014 और 2019 में प्राप्त पूर्ण बहुमत को गांव, गरीब, वंचित, दलित, महिला, युवा और किसान को समर्पित किया। उनके शरीर का कण-कण और जीवन का क्षण-क्षण राष्ट्र का विकास और गरीब कल्याण के प्रति समर्पित है।

- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1952 में

जिस विचार को साझा किया और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी ने आगे बढ़ाया, भारतीय जनता पार्टी का 'संकल्प पत्र' उसी वैचारिक अधिष्ठान का पर्याय है।

- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' की नीति से सर्वस्पर्शी और सर्व समावेश विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।

- 2014 में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था - ''हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को समर्पित है''। विगत 10 वर्षों में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने इन सारे आयामों को आगे बढ़ाया है।

- श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में पीएम आवास योजना के अंतर्गत 4 करोड़ पक्के घर बने और 50 करोड़ से ज्यादा जनधन खाते खुले जिसमें से 55.5 प्रतिशत जनधन खाते महिलाओं के नाम पर खोले गए।

- श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन दिए और स्वच्छ भारत योजना के तहत 11 करोड़ से अधिक इज्जत घर का निर्माण करवाया।

भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा द्वारा देश की सेवा का मार्ग प्रशस्त करेगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधान प्रशासक होने के नाते अपनी सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं और पार्टी को प्राथमिकता देते हुए सभी कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए सदैव ही अपना महत्वपूर्ण समय पार्टी को देते हैं।

डॉ अंबेडकर जी ने अपना सारा सामाजिक जीवन न्याय की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। भारतीय जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी ने बाबा साहब अंबेडकर के विचार पर चलते हुए सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाया है।

भारतीय जनता पार्टी ने अपने जनसंघ काल से ही अपनी वैचारिक अधिष्ठान होने के कारण हर चुनाव में अपनी वैचारिक यात्रा को आगे बढ़ाया है। 1952 में जिस विचार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने साझा किया और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी ने आगे बढ़ाया, भाजपा उस विचार को आगे बढ़ाने के लिए आज भी भरसक प्रयास कर रही है। भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र इसी वैचारिक अधिष्ठान का पर्याय है। भारतीय जनसंघ ने एकात्म मानववाद के विचार को रखा और भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता में आने के बाद इसी विचार को अंत्योदय के रूप में स्थापित किया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसी विचार को समाहित करते हुए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र के साथ काम किया। 2014 में संसदीय दल के नेता चुने जाने के बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था कि भाजपा की सरकार गरीब, गांव के विकास और अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को समर्पित सरकार है। विगत 10 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने बखूबी गांव और गरीब की चिंता करते हुए, इन सारे आयामों को आगे बढ़ाया है।

देश की जनता जब पूर्ण बहुमत की सरकार चुनती है, तो उस सरकार के कार्य परिणाम भी बहुत स्पष्ट होते हैं। 2014 में भाजपा का वोट प्रतिशत 31 प्रतिशत तक पहुंचा था और लोकसभा में भाजपा ने 282 सीटों पर विजय प्राप्त की थी। 2019 में भाजपा ने अपने ही रिकार्ड को तोड़ते हुए, अपना वोट प्रतिशत 37 प्रतिशत तक पहुंचाया और 303 लोकसभा की सीटों पर जीत दर्ज की। इस स्पष्ट बहुमत को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गांव, गरीब, वंचित, दलित, महिला, युवा और किसान को समर्पित किया।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में ग्रामीण सड़क योजना के तहत 3 लाख 80 हजार किलोमीटर पक्की सड़कों का निर्माण किया गया और 60 हजार गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा गया। पहले गांव के सशक्तीकरण का विचार भी कल्पना के समान था, लेकिन आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 2 लाख पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा गया है और दूरगामी क्षेत्रों तक इंटरनेट सेवा पहुंच रही है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को 5 किलो गेहूं/चावल और 1 किलो दाल निःशुल्क प्रदान की गई, जिसके कारण आज के समय में देश की 25 करोड़ आबादी गरीबी की रेखा से बाहर आ गयी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार भारत में अतिगरीबी 1 प्रतिशत से भी कम रह गई है। कांग्रेस के शासन में इंदिरा आवास योजना के तहत एक ब्लॉक में 2 घर आवंटित किए जाते थे, लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ पक्के घरों का निर्माण किए गए है। महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से 50 करोड़ जनधन खाते खुले, जिसमें से 55.5 प्रतिशत जनधन खाते महिलाओं के नाम पर खोले गए हैं। उज्ज्वला योजना के तहत माताओं और बहनों को लगभग 10 करोड़ गैस कनेक्शन दिए गए हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नारी शक्ति को सम्मान देते हुए लगभग 11 करोड़ इज्जतघर का निर्माण करवाया है।

जनता ने देश में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनायी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 5 अगस्त 2019 को धारा 370 को समाप्त कर दिया गया। कई दशकों तक राम मंदिर का मुद्दा अधर में लटका हुआ था, लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का उद्घाटन हुआ और रामलला को टेंट से निकालकर भव्य राम मंदिर में विराजमान किया गया। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दृढ़ इच्छा शक्ति और जनता के पूर्ण बहुमत के आशीर्वाद से तीन तलाक जैसी कुप्रथा से मुस्लिम बहनों को आजादी मिली। 30 वर्षों तक महिला आरक्षण को लेकर राजनीति होती रही है, लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित करवाकर, लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं का 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया। कोविड महामारी के समय भी आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'जान है तो जहान है' के मंत्र पर काम करते हुए लॉकडाउन लगाकर 2 महीनों के भीतर देश को महामारी से लड़ने के लिए तैयार किया और उसके बाद प्रधानमंत्री जी ने 'जान भी है, जहान भी है' के मंत्र को सिद्ध कर के दिखाया। पूरा विश्व इस बात का लोहा मानता है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की कोरोना से लड़ने की रणनीति सबसे मजबूत और कारगर थी। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 9 महीने के अंदर देश को कोरोना की 2 वैक्सीन देकर जनता को महामारी के भय से मुक्त करवाया और दुनिया भर के 100 से अधिक देशों को भारत में बनी वैक्सीन मुहैया करवाई गई। पिछले 10 वर्ष इस बात का प्रमाण है और पूरे देश ने भी इस बात को माना है कि मोदी की गारंटी, गारंटी पूरी होने की गारंटी है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पेश किए जाने वाला संकल्प पत्र विकसित भारत की ओर लंबी छलांग लगाने वाला है। ▪

'भाजपा का संकल्प - मोदी की गारंटी 2024'

विकसित भारत की संकल्पना पूरी होगी

- आज भारतीय राजनीति में मोदी की गारंटी 24 कैरेट सोने जितनी खरी मानी जाती है, इसीलिए भाजपा का संकल्प पत्र देश ही नहीं दुनिया के राजनीतिक दलों के संकल्प पत्र के लिए गोल्ड स्टैंडर्ड है।
- आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 5 वर्षों में ''संकल्पित भारत- सशक्त भारत'' के संकल्प को सफलता पूर्वक पूरा किया है।
- भाजपा के संकल्प पत्र बनाने के लिए 4 लाख सुझाव नामो एप के माध्यम से, लगभग 10 लाख सुझाव वीडियो के माध्यम से और कु ल 15 लाख सुझाव समिति के पास अलग-अलग माध्यमों से आए हैं।
- भाजपा के संकल्प पत्र को 24 वर्गों में बांटा गया है, जिसमें 10 सामाजिक वर्ग बनाए गए हैं जिनमें गरीब, युवा, मध्यम वर्ग, नारी शक्ति, किसान, मछुआरे, वंचित वर्ग, अन्य पिछड़े व कमजोर वर्ग शामिल हैं।
- आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने 2014 और 2019 के संकल्प पत्रों में देश से किए गए सारे वादे को पूरे किए हैं।
- 2019 में ''संकल्पित भारत- सशक्त भारत'' के उद्घोष के साथ जो संकल्प पत्र लेकर आए थे, उसमें आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर भारत की एक संकल्पना के साथ-साथ 2047 के भारत की रूपरेखा भी रखी थी।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा जब 2014 का चुनाव लड़ रही थी। उस समय, मैं पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष था और डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष थे। उस समय जो संकल्प पत्र तैयार हुआ था, उसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि जो संकल्प देश के सामने रखेंगे, उसे निश्चित रूप से पूरा भी करें।

वर्ष 2019 के सभी संकल्पों को 2024 तक पूरा किया गया है। भाजपा जो कहती है, वह करती है। आज देश के नागरिक भी भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास जता रहे हैं, यही विश्वसनीयता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गरिमामय उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय विस्तार में लोक सभा चुनाव 2024 हेतु भाजपा के संकल्प पत्र ''भाजपा का संकल्प-मोदी की गारंटी 2024'' का लोकार्पण किया गया।

भाजपा के संकल्प पत्र का हर संकल्प मोदी की गारंटी से युक्त है। आज भारतीय राजनीति में मोदी की गारंटी 24 कैरेट सोने जितनी खरी मानी जाती है, इसीलिए भाजपा का संकल्प पत्र भारत ही नहीं दुनिया के राजनीतिक दलों के संकल्प पत्र के लिए गोल्ड स्टैंडर्ड है। आगामी वर्षों में देश को विकसित और सशक्त बनाने के लिए भाजपा के संकल्पों को लोकसभा चुनाव 2024 के संकल्प पत्र के रूप में पेश किया।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 2014 और 2019 के संकल्प पत्रों में देश से किए गए सारे वादे भारतीय जनता पार्टी ने पूरे किए हैं। भाजपा अपने संकल्प पत्रों के माध्यम से स्वाभिमानी और सशक्त भारत के निर्माण का रोड मैप पेश करने के साथ समाज के हर वर्ग के विकास और कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता भी जताती है। 5 वर्ष पूर्व 2019 में ''संकल्पित भारत-सशक्त भारत'' के उद्घोष के साथ जो घोषणा पत्र भाजपा ने पेश किया था, उसमें आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर भारत की संकल्पना के साथ 2047 के भारत की रूप रेखा को भी देश के सामने रखा गया था, उसी भावना के अनुरूप भाजपा शासन में कार्य किए गए और वर्ष 2019 के सभी संकल्पों को 2024 तक पूरा किया गया है। भाजपा जो कहती है, वह करती है। आज देश के नागरिक भी भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास जता रहे हैं, यही विश्वसनीयता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।

भाजपा ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 को समाप्त कर अपना वादा पूरा किया है। महिलाओं को विधायिका में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया था, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नए संसद भवन का उद्घाटन होते ही सबसे पहले नारी वंदन अधिनियम

को पेश किया गया और उसे पारित कराया गया। संकल्प पत्र में शामिल अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के वादे को भी पूरा किया गया है। आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भाजपा समावेशी विकास और गरीब कल्याण की बात करती है, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गरीब कल्याण के प्रति संवेदनशीलता है कि आज 80 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से निःशुल्क राशन दिया जा रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने बीते 5 वर्षों में ''संकल्पित और सशक्त भारत'' के संकल्प को पूरा करने के लिए सफलतापूर्वक कार्य किए हैं।

इस संकल्प पत्र को बनाने 4 लाख सुझाव नमो एप के माध्यम से, लगभग 10 लाख सुझाव वीडियो के माध्यम से, और कुल 15 लाख सुझाव समिति के पास अलग-अलग माध्यमों से आए हैं। इनमें से मुख्य मुद्दों को छांटकर उन पर चर्चा की गई है। इस संकल्प पत्र को 24 वर्गों में बांटा गया है, जिसमें 10 सामाजिक वर्ग बनाए गए हैं जिनमें गरीब, युवा, मध्यम वर्ग, नारी शक्ति, किसान, मछुआरे, वंचित वर्ग, अन्य पिछड़े व कमजोर वर्ग शामिल हैं। भाजपा के संकल्प पत्र में प्रशासनिक मुद्दों को 14 क्षेत्रों में बांटा गया है, जिसमें

1 **विश्वबन्धुत्व** : भारत से अन्य देशों के साथ संबंध की बात की गई है।
2 **सुरक्षित भारत** : भारत की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा।
3 **समृद्ध भारत**।
4 **वैश्विक विनिर्माण केंद्र**।
5 **विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा**।
6 **जीवन जीने में आसानी**।
7 **विरासत का विकास**।
8 **सुशासन**।
9 **स्वस्थ भारत**।
10 **गुणवत्तापूर्वक शिक्षा**।
11 **खेल का विकास**।
12 **सभी क्षेत्रों का विकास करना**।
13 **नवाचार और प्रौद्योगिकी और**
14 **सतत भारत जहां पर्यावरण से जुड़ी हुई बात है**।

आज भाजपा संकल्पना प्रस्तुत कर रही हैं, वह 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की संकल्पना है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प के आकार और विस्तार को दर्शाता है।

इस संकल्प पत्र को तैयार करने में प्रतिदिन व्यस्तताओं के बावजूद आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लंबे समय तक संकल्प पत्र के लिए मार्गदर्शन दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आत्मविश्वास से विकसित भारत की संकल्पना पूरी होगी। ▪

एमपी के मन में मोदी और मोदी के मन में एमपी

कांग्रेस चारों खाने चित्त-डॉ. मोहन यादव

श्री नरेंद्र मोदी जी का प्रधानमंत्री बनना इसलिए जरूरी है क्योंकि देश के अंदर आदिवासी समाज का मान-सम्मान अगर किसी ने बढ़ाया तो श्री नरेंद्र मोदी जी ने बढ़ाया है। कांग्रेस ने 70 सालों तक देश में सरकार चलाई लेकिन आदिवासी समाज के किसी भाई-बहन को न मान दिया, न सम्मान दिया। भारतीय जनता पार्टी और श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश को आदिवासी परिवार से राष्ट्रपति मिला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी एक स्कूल में शिक्षिका थीं वो आज दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में सबसे बड़े पद पर सुशोभित हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व का कमाल है जो सबका साथ सबका विकास के मंत्र को सार्थक कर रहे हैं।

यह चुनाव साधारण नहीं है यह पूरे देश का मान और सम्मान बढ़ाने वाला चुनाव है। पिछली विधानसभा चुनाव के समय भी जब मोदी जी ने कहा, 'एमपी के मन में मोदी और मोदी के मन में एमपी'। ये नारा ऐसा चला की कांग्रेस चारों खाने चित्त हो गई। इस नारे को स्वीकार करते हुए 163 से ज्यादा सीट मिली और प्रचंड बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी। केवल मध्यप्रदेश ही नहीं, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जहां-जहां प्रचार किया चाहे वह छत्तीसगढ़ हो या राजस्थान, एक ही फूल खिला, उसका नाम है कमल का फूल।

लोकतंत्र में पहला अधिकार गरीबों, आदिवासियों का है। मरीज को भर्ती होने के बाद अगर कहीं दूसरे अस्पताल में ले जाना है या किसी बड़ी जगह ले जाना है अथवा आयुष्मान कार्ड के माध्यम से किसी का भी कोई मरीज भर्ती रहेगा तो हेलीकॉप्टर से बड़े अस्पताल में ले जाने का निर्णय हमारी सरकार ने किया। हमारे बच्चे डॉक्टर, वकील इंजीनियर बनना चाहते हैं तो कोई भी अपने परिवार का बच्चा अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ना चाहता है तो ऐसे प्रत्येक बच्चे की विशेष कोचिंग क्लास चलाकर डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की जवाबदारी हमारी सरकार ने ली है।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने गरीबी देखी है वह लगातार समाज के बीच में रहकर अपना सारा जीवन समाज सेवा के लिए दे चुके हैं। क्या कभी किसी सरकार ने सोचा था की हमारी माता बहनों को बाहर जानें में कितनी शर्मिंदगी होती होगी। मोदी जी ने हर घर शौचालय देने का अभियान चलाया। मोदी सरकार ने बड़ी संख्या में बड़े पैमाने पर गरीबों को मकान देने का काम किया। नल जल योजना के माध्यम से छोटी से छोटी जगह पर भी पीने के लिए पानी का प्रबंधन हमने किया है। एक तरफ विकास और दूसरी तरफ जब से मोदी जी की सरकार बनी पूरा देश सुरक्षित है।

विकास हो रहा है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार है। सीएम राइज स्कूल, नए आईटीआई और तो और मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम के माध्यम से राशन भी गांव में मिलने लगा है। देश के अंदर 80 करोड़ से ज्यादा गरीब भाई बहनों के लिए नि:शुल्क राशन की व्यवस्था नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने की है। कांग्रेस की सरकार में 2013 तक मध्य प्रदेश में केवल डेढ़ सौ करोड़ रेल की सुविधा के लिए मिलते थे। मोदी जी की सरकार में आज की स्थिति में 15 हजार करोड़ से ज्यादा की रेल की परियोजनाएं हमारे क्षेत्र में चल रही है।

दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जो अपनी संस्कृति को माता संस्कृति से जोड़ते हैं। हमने तो संपूर्ण वसुधा को माता माना है। देश के अंदर माताओं-बहनों को सम्मान देना हमारी संस्कृति ने हर कदम पर सिखाया है। इसलिए बहनों के लिए हमने लगातार योजना बनाई। अब सिलाई कारखाने डाले जा रहे हैं, उन कारखानों में 4 हजार बहनों को रेडीमेड गारमेंट्स की फैक्ट्री में भी काम मिलेगा।

सरकार ने निर्णय किया है आने वाले समय में जिनके पास गाय-भैंस है उनको और जिनके पास गाय-भैंस नहीं है उन्हें भी गाय-भैंस देकर पशुपालन के माध्यम से मदद करेंगे। कोदो कुटकी पर 1 हजार रू प्रति क्विंटल का बोनस मिल रहा है। दूध के उत्पादन पर भी प्रति लीटर बोनस देने का काम हमारी सरकार करेगी। ▪

संकल्प पत्र-मध्यप्रदेश के विकास को गति देगा - डॉ. मोहन यादव

संकल्प पत्र में बड़े पैमाने पर ग्रामीण रोजगार आधारित संभावनाएं जोड़ी गई हैं। देश के साथ ही मध्यप्रदेश में भी ग्रामीण रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश में खेती के साथ पशुपालन, मछली पालन में भी बड़ी संभावनाएं हैं।

भाजपा का संकल्प पत्र प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी की भी गारंटी है। पहले घोषणा पत्र आते थे, लेकिन अब मोदी जी ने इसे संकल्प पत्र नाम दिया है। घोषणा कभी-कभी पूरी नहीं होती थी, लेकिन जिस चीज का संकल्प ले लिया उसे हर हाल में पूरा करना ही है। भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव में भी संकल्प पत्र जारी किया था और उन संकल्पों को पूरा करने का काम प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में प्रदेश की सरकार ने किया है। अब लोकसभा चुनाव में भी भाजपा ने संकल्प पत्र जारी किया है और इन संकल्पों को भी पूरा किया जाएगा। मोदी जी बोलते हैं ''यही समय है सही समय है''। निश्चित रूप से यह भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर आगे बढ़ने का सही समय है और हम इस समय का सद्उपयोग करेंगे। पिछले 10 वर्षों में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश और देशवासियों का विश्वास जीता है, अपनी साख बनाई है। इस संकल्प पत्र से मध्यप्रदेश में भी टूरिज्म, मेडिकल, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में अपार संभावनाएं बढ़ेंगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जो भी कहा उसे हर हाल में पूरा किया। उन्होंने कहा था कि देश-प्रदेश के प्रत्येक गरीब को मकान दिया जाएगा। उनके कार्यकाल में 4 करोड़ से अधिक लोगों को पक्के मकान दिए गए हैं। शहरी क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र हर जगह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को पक्की छत उपलब्ध करवाई गई है। मध्यप्रदेश में भी सबसे ज्यादा शहरी क्षेत्र के मकान उज्जैन जिले को दिए हैं।

पार्टी के संकल्प पत्र ने यह बता दिया है कि हमारे लिए प्राचीन ज्ञान, आधुनिक विज्ञान और रोजगार का भी महत्व है और विकास का संकल्प भी पूरा है। हमने देश में चंद्रयान की सफलता भी देखी है और अब गगनयान का गौरव भी हासिल करेंगे। संकल्प पत्र में पर्यटन के विस्तार के लिए कई कदम उठाए गए हैं। वर्तमान में देश सहित मध्यप्रदेश में भी पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन को लेकर मध्यप्रदेश की सरकार चीता प्रोजेक्ट और हेरीटैज पर काम कर रही है। प्रदेश के उज्जैन महाकाल लोक, देवी लोक के निर्माण के बाद यहां पर धार्मिक पर्यटन ने भी बहुत बड़ी झलांग लगाई है। हमारे यहां सभी प्रकार के टूरिज्म में खूब संभावनाएं हैं।

दुनिया के 60 से अधिक देशों की वित्त व्यवस्था टूरिज्म के माध्यम से ही चलती है। हमारे देश के भी कई राज्य हैं, जहां का अर्थतंत्र टूरिज्म पर निर्भर है।

मध्यप्रदेश में मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में भी रास्ता खुला है। आने वाले दो सालों में मध्यप्रदेश के हर लोकसभा क्षेत्र में एक मेडिकल कॉलेज की सौगात दी जाएगी। मेडिकल फैसिलिटी से हम रोजगार भी देंगे और जीवन भी देंगे, इसीलिए आयुष्मान योजना के माध्यम से एयर एंबुलेस की सुविधा दी गई है। मध्यप्रदेश में साढ़े 8 करोड़ की जनता में साढ़े 4 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाये गये। अभी तक गरीबी रेखा वालों को आयुष्मान कार्ड मिलता है, अब 70 साल से ऊपर के हर व्यक्ति को इसका लाभ मिलेगा। इसके अलावा मोदी जी ने गरीबी रेखा, मध्यम वर्ग और अन्य लोगों को भी आयुष्मान कार्ड से जोड़ने का संकल्प लिया है। आज के इस मशीनी युग में स्माल स्केल के उद्योगों के साथ ही फूड प्रोसेसिंग सहित अन्य क्षेत्रों में अपार संभावनाएं बढ़ी हैं। एक दौर था जब हमारे घरों में विराजमान होने वाली गणेश प्रतिमाएं भी चीन बनाता था, लेकिन अब वह दौर चला गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में अब देश ने कई क्षेत्रों में तरक्की की है। भाजपा ने संकल्प पत्र के माध्यम से देश के स्वाभिमान के साथ ही युवाओं को रोजगार, गरीबों को काम सहित अन्य क्षेत्रों का भी ध्यान रखा है।

संकल्प पत्र में गरीबों की झुग्गी-झोपड़ियों का भी निदान खोजा गया है। अब सैटेलाइट टाउन का संकल्प लिया गया है। आमतौर पर शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है। शहरों के लिए बनने वाले मास्टर प्लान भी 25 साल को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं, लेकिन अब सैटेलाइट टाउन के जरिए शहर के साथ ही उसके आसपास वाले शहर का भी विकास होगा। जैसे भोपाल के विकास के साथ सीहोर का विकास होगा, इंदौर के साथ देवास, उज्जैन का विकास होगा। वंदे भारत ट्रेन सेवा से खजुराहो में पर्यटन को बल मिला है। संकल्प पत्र में प्रदेश में रेल सुविधाओं के विस्तार की बात भी कही गई है।

2014 से पहले मध्यप्रदेश को रेल सुदृढ़ीकरण के लिए डेढ़ सौ करोड़ रुपये मिलता था, अब मोदी जी के नेतृत्व में एक साल में ही साढ़े 15 हजार करोड़ रुपये रेल के लिए मिला है। सड़क निर्माण के क्षेत्र में भी हमने बहुत काम किया है तथा आने वाले समय में सड़क नेटवर्क को और बेहतर करेंगे। संकल्प पत्र में बड़े पैमाने पर ग्रामीण रोजगार आधारित संभावनाएं जोड़ी गई हैं। देश के साथ ही मध्यप्रदेश में भी ग्रामीण रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

प्रदेश में खेती के साथ पशुपालन, मछली पालन में भी बड़ी संभावनाएं हैं। किसान अपनी खेती के साथ में दूध डेयरी, मछली पालन जैसे रोजगार भी शुरू कर सकते हैं। भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों को गेहूं पर प्रोत्साहन राशि दे रही है तो वहीं अब दूध उत्पादक किसानों को भी बोनस देंगे, ताकि वह इस क्षेत्र में बेहतर कार्य कर सकें। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में जनजातीय गौरव, आदिवासी अंचल, विभिन्न भाषाओं, बोलियों को संरक्षित करने, नई-नई रेलगाड़ियां चलाकर टूरिज्म को बढ़ावा देने, विज्ञान के क्षेत्र में काम करने सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी काम करने का संकल्प लिया है। यह सब भाजपा के संकल्प हैं और इन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा किया जाएगा। ▪

संकल्प पत्र में भारत को श्रेष्ठ बनाने का दृढ़ निश्चय : विष्णुदत्त शर्मा

समाज के जिन वर्गों को अभी तक किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी जी ने भाजपा के संकल्प-पत्र के माध्यम से पूजने का निश्चय व्यक्त किया है।

मुद्रा लोन में 20 लाख रुपये तक की लिमिट तय की गई है। सीएए और वन नेशन-वन इलेक्शन जैसे कानूनों को लागू करने की बात कही गई है, जिनका लाभ पूरे देश को मिलेगा।

भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के समय जो संकल्प लिए थे, उन्हें पूरा किया है और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भी केंद्रीय नेतृत्व ने जो संकल्प पत्र जारी किया है, उसका भी पूरी तरह पालन किया जाएगा, यह प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की गारंटी का पत्र है। पार्टी के संकल्प पत्र में भारत को श्रेष्ठ बनाने का निश्चय है, तो 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोड मैप भी है। **मोदी जी ने देश में सिर्फ चार जातियां बताई हैं, युवा, गरीब, किसान और महिलाएं**। पार्टी का संकल्प पत्र इन सभी के विकास को समर्पित है। पार्टी का संकल्प पत्र सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के अगले पांच वर्षों का मार्ग प्रशस्त करेगा। भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र के लिए लोगों से सुझाव लिए थे। इसके लिए सुझाव पेटियां लगाई गई थीं और नमो एप के माध्यम से ऑनलाइन भी सुझाव लिए गए थे। देशभर से 15 लाख सुझाव मिले और चार लाख सुझाव ऑनलाइन भी मिले। मध्यप्रदेश में इसके लिए 1100 स्थानों पर पेटियां लगाई गई थीं। मध्यप्रदेश में भी पार्टी के संकल्प पत्र के लिए 26000 नागरिकों ने अपने मूल्यवान सुझाव दिये थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्रदेश की जनता मोदी की गारंटी पर कितना विश्वास करती है। प्रदेश से मिले अनेक उपयोगी सुझावों को भी पार्टी के संकल्प पत्र में शामिल किया गया है। वैसे तो पार्टी का संकल्प पत्र अत्यंत व्यापक है, लेकिन उसके 10 प्रमुख प्रावधान ऐसे हैं, जो प्रदेश के लोगों के जीवन को भी प्रभावित करेंगे। इसमें देश के विकास का जो ताना-बाना बुना गया है, उसमें मध्यप्रदेश की भी बड़ी भूमिका रहने वाली है। प्रदेश में बुजुर्ग नागरिकों की संख्या काफी है और संकल्प पत्र में 70 साल से ऊपर के प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने का प्रावधान है। कोरोना संकट के समय से गरीबों को मुफ्त राशन की जो योजना शुरू की गई थी, उसे आगे भी जारी रखा जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पहली बार शपथ लेने के बाद ही कहा था कि मेरी सरकार गरीबों को समर्पित होगी और अंत्योदय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पार्टी के संकल्प पत्र में 3 करोड़ प्रधानमंत्री आवास देने का लक्ष्य रखा गया है। समाज के जिन वर्गों को अभी तक किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी जी ने भाजपा के संकल्प-पत्र के माध्यम से पूजने का निश्चय व्यक्त किया है। मुद्रा लोन में 20 लाख रुपये तक की लिमिट तय की गई है। सीएए और वन नेशन-वन इलेक्शन जैसे कानूनों को लागू करने की बात कही गई है, जिनका लाभ पूरे देश को मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने संकल्प पत्र में सूर्यघर योजना की बात कही है, जिसमें लोगों को सोलर पैनल के माध्यम से मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इससे देश ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर होगा। किसानों की बेहतरी के लिए संकल्प पत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसान सम्मान निधि योजना को जारी रखने की बात कही गई है। इसके साथ ही रेल सुविधाओं के विकास के लिए बुलेट ट्रेन और वंदे भारत के विस्तार की बात भी कही गई है।

बीते 10 सालों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने जो काम किए हैं, उनसे सारी दुनिया में भारत के प्रति भरोसा बढ़ा है। विदेशों में रहने वाले भारतीय आज गौरव की अनुभूति कर रहे हैं और भारत सारी दुनिया में लोकतंत्र की जननी के रूप में स्थापित हुआ है। चाहे राम मंदिर का निर्माण हो, धारा 370 हटाना हो, ट्रिपल तलाक विरोधी कानून या नागरिकता संशोधन कानून हो या फिर महिला आरक्षण बिल हो, मोदी सरकार के इन ऐतिहासिक कामों से भारत विश्व में मानवता की प्रबल पक्षधर शक्ति के रूप में उभरा है। मोदी सरकार के इन कामों ने सारी दुनिया में एक अमिट छाप छोड़ी है। ▪

संसाधनों पर पहला हक गरीबों, पिछड़ों और आदिवासियों का

आजादी के समय काँग्रेस ने धर्म के नाम पर देश का विभाजन स्वीकार किया था। मां भारती के हाथों की जंजीरें काटने के बजाय कांग्रेस ने मां भारती की भुजाएं ही काट दी थी।

देश के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे, लेकिन कांग्रेस सुधरने को तैयार नहीं है।

लोग जानते हैं कि समस्या से एक बार पीछा छूट जाए तो फिर उस समस्या से उससे दूर ही रहना चाहिए। काँग्रेस पार्टी ऐसी ही विकास-विरोधी एक बहुत बड़ी समस्या है। कांग्रेस ने एमपी को देश के बीमारू राज्यों की लाइन में खड़ा कर दिया था।

भाजपा के लिए देश से बड़ा और कुछ नहीं है और कांग्रेस के लिए अपना परिवार ही सब कुछ है। काँग्रेस की पॉलिसी है- जो देश के लिए सबसे ज्यादा योगदान करे, सबसे ज्यादा मेहनत करे, सबसे ज्यादा समर्पण करे, उसे सबसे पीछे रखो। इसीलिए, काँग्रेस सरकार ने इतने वर्षों तक सेना के जवानों की वन रैंक, वन पेंशन जैसी मांग नहीं पूरी होने दी। हमने सरकार बनते ही OROP को लागू किया। हमने सीमा पर खड़े जवानों की सुविधा की भी चिंता की। काँग्रेस सरकार ने जवानों के जो हाथ बांध रखे थे, हमने उन्हें भी खुली छूट दी। हमने कहा अगर एक गोली आती है तो 10 गोली चलनी चाहिए, अगर एक गोला फेंकते हैं तो 10 तोपें चल जानी चाहिए।

आज हम देश में लाखों स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाओं की मदद कर रहे हैं। मोदी ने गांव-गांव में शौचालय बनवाकर माताओं-बहनों के सम्मान की रक्षा की है। अब अगले 5 वर्षों के लिए मोदी ने 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की गारंटी दी है। 3 करोड़ महिलाएं जब लखपति दीदी बनती है तो उस परिवार की, उस गांव की सारी अर्थव्यवस्था तेज गति से दौड़ने लग जाती है।

आप सब जानते हैं, आजादी के समय काँग्रेस ने धर्म के नाम पर देश का विभाजन स्वीकार किया था। मां भारती के हाथों की जंजीरें काटने के बजाय कांग्रेस ने मां भारती की भुजाएं ही काट दी थी। देश के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे, लेकिन कांग्रेस सुधरने को तैयार नहीं है। कांग्रेस को लगता है कि यही उसके फायदे का रास्ता है, यही उसके फायदे का सरल रास्ता है। आज एक बार फिर काँग्रेस कुर्सी के लिए छटपटा रही है, भांति-भांति के खेल-खेल रही है। देश के कोटि-कोटि नागरिकों की आंखों में धूल झोंककर आपके भविष्य को बर्बाद करने पर तुली हुई है। ये लोग फिर से धार्मिक तुष्टीकरण को मोहरा बना रहे हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का राज है और उन्होंने क्या पाप किया है? आप हैरान हो जाओगे। मुझे बताइए कि आपके गांव में कोई आकर के कह दे कि भाई इस गांव में सारे लोग अब ये नहीं, ये हो गए हैं। तो आपको मंजूर होगा क्या? कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक में जितने भी मुस्लिम समाज के लोग हैं, उच्च वर्ग के होंगे, धनी होंगे, व्यापारी होंगे, उद्योगपति होंगे, न्यायमूर्ति होंगे, कोई भी होंगे, बस सिर्फ वो मुसलमान होना चाहिए। अगर वो मुसलमान

है तो उन्होंने रातों-रात एक कागज निकालकर हस्ताक्षर कर के उन सबको ओबीसी घोषित कर दिया। अब ओबीसी घोषित कर दिया तो बहुत बड़ा तूफान हो गया। यानि वहां कांग्रेस ने शिक्षा और सरकारी नौकरी में पहले जिन ओबीसी वर्गों को आरक्षण मिलता था। उस ओबीसी समाज में इतने सारे नए डाल दिए कि ओबीसी समाज को

जो आरक्षण मिलता था, वो उनसे छीन लिया, चोरी-छीपे से छीन लिया। जिन मुसलमानों को नया ओबीसी बना दिया था, गैरकानूनी तरीके से बना दिया था। संविधान के विपरीत बना दिया था। बाबासाहेब अम्बेडकर की भावना के विरुद्ध बना दिया था। उस मुस्लिम समाज को, ओबीसी को जो मिलता था वो लूटकर के उनको दे दिया। आप सबको मालूम है कि जब देश का संविधान बना तो महीनों तक माथापच्ची हुई, चर्चाएं हुईं, देश के गणमान्य लोगों ने इस पर चर्चा की। बाबासाहेब अम्बेडकर ने इन चर्चाओं के आधार पर संविधान को लिखा। और सबने सोच-समझकर तय किया कि देश की एकता और अखंडता के लिए देश का संविधान किसी भी सूरत में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देगा। बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। और इसलिए कांग्रेस ने ये धोखेबाजी की, पिछले दरवाजे से किया। खुद बाबासाहेब अम्बेडकर की पीठ में छुरा भोंक दिया। लेकिन वोट बैंक और तुष्टिकरण में डूबी कांग्रेस कर्नाटक का यही मॉडल पूरे देश में लागू करना चाहती है।

कांग्रेस दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का हक छीनने का षडयंत्र लंबे समय से कर रही है। 19 दिसंबर 2011 को, तबकी काँग्रेस की केंद्र सरकार धर्म के नाम पर आरक्षण देने का कैबिनेट नोट लेकर आई थी। इस कैबिनेट नोट में ये कहा गया था कि OBC समाज को जो 27 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, मंडल कमीशन के अनुसार जो आरक्षण मिलता है। 27 परसेंट में से एक हिस्सा काटकर मजहब के नाम पर दिया जाएगा। सिर्फ दो दिन बाद, 22 दिसम्बर 2011 को इसका आदेश भी निकाल दिया गया। बाद में आंध्र प्रदेश के हाइकोर्ट ने काँग्रेस सरकार के इस आदेश को रद्द कर दिया। ये सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन राहत नहीं मिली। तब 2014 में कांग्रेस ने घोषणापत्र में लिखा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देने के लिए कानून भी बनाना पड़े तो बनाएंगे। 2014 में ओबीसी और दलित समाज जग गया, आदिवासी समाज जग गया, तो उन्होंने तय किया कि अगर ये तो यह करेंगे तो हमारी आने वाली पीढ़ियां बर्बाद हो जाएंगी। हमारे सपने चूर चूर हो जाएंगे। उसके बाद इन समाजों ने एक होकर के कांग्रेस के सपनों को मिट्टी में मिला दिया, सत्ता से बाहर कर दिया, फिर भी सुधरने को तैयार नहीं हैं। अब वो अधूरा काम पूरा करने के लिए फिर से नई चाल चलने लगे हैं। कांग्रेस की चली तो जो हमारे कुशवाहा, गुर्जर, यादव, गड़रिया, धाकड़ प्रजापति समाज को जो आरक्षण मिलता है, हमारे कुम्हार, तेली, मांझी, नाई, सुनार समाज को जो आरक्षण मिलता है, काँग्रेस इन सभी OBC जातियों से उनका हिस्सा छीनकर अपने चहेते वोट बैंक को मजबूत करने के लिए उनके चरणों में देने का मन बना कर बैठी है। मुझे बताइए, आप ऐसा पाप होने देंगे। क्या ऐसा होने देंगे? ओबीसी का हक छीनने वालों को पूरी तरह से साफ कर देंगे चुन-चुन कर साफ कर देंगे। हर पोलिंग बूथ में साफ कर देंगें।

भाजपा, सबका साथ-सबका विकास के मंत्र पर चलने वाली पार्टी है। भाजपा सरकार अगर जरुरतमंदों को कोविड के समय अगर राशन की जरूरत है तो कोई भेदभाव नहीं। ना जाति का भेदभाव, ना धर्म का भेदभाव, जरूरतमंद 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलता रहा है, क्या आपने कभी शिकायत सुनी है। क्या आपने सुना है कि हमारे गांव में वो मुसलमान भाई है, उसको मिलता नहीं है, सुना है!

भाजपा सरकार ने 4 करोड़ गरीबों को पक्के मकान दिये हैं। ये घर बिना भेदभाव, हर धर्म के लोगों को मिले हैं। क्या किसी गांव में शिकायत सुनी है क्या कि धर्म के आधार पर मकान नहीं मिला ऐसा सुना है क्या। यहां भाजपा सरकार है कि नहीं है, दिल्ली में भाजपा सरकार है कि नहीं है, कोई भेदभाव की खबर सुनी है क्या। भाजपा सरकार ने 11 करोड़ घरों तक पानी का कनेक्शन पहुंचाया है। कोई जातिवाद नहीं होने दिया, कोई धर्म के नाम पर भेदभाव नहीं होने दिया। क्योंकि सबका साथ सबका विकास ये हमारा मंत्र है। हर धर्म को हर समाज को ये लाभ समान रूप से मिलना चाहिए। समान रूप से मिलना चाहिए कि नहीं मिलाना चाहिए, अगर सबको समान रूप से मिलता है तो आपकी कोई शिकायत होती है क्या। लेकिन, अगर काँग्रेस आती तो ये सारी सुविधाएं दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और सामान्य वर्ग के गरीबों को नहीं मिलतीं। कांग्रेस की चले तो वो गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ भी धर्म के आधार पर देती। क्योंकि कांग्रेस तो डंके की चोट पर यही कहती है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। **मोदी कहता है कि देश के संसाधनों पर पहला हक इस देश के गरीबों का है, पिछड़ों का है, इस देश के आदिवासियों का है।**

काँग्रेस, एक के बाद एक ऐसी घोषणाऐं कर रही है, जो देश को भी कमजोर करेगी और आपके परिवार को भी कमजोर करेगी। आपने सुना होगा, इन दिनों कांग्रेस के शहजादे आजकल वो जरा चिंतित हैं। आए दिन उनको मोदी के अपमान में मजा आता है। मोदी के लिए भला-बुरा कहना उनको मजा आ रहा है, कुछ भी बोलते जा रहे हैं, और मैं देख रहा हूं, सोशल मीडिया टीवी पर कई लोग चिंता जताते हैं कि ये भाषा अच्छी नहीं है, ऐसी भाषा देश के प्रधानमंत्री के लिए बोलना ठीक नहीं है। ऐसा लोग सोशल मीडिया में कहते हैं, कुछ लोग बहुत दुखी हो जाते हैं कि मोदी जी को ऐसा क्यों बोला।

देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसी भाषा का प्रयोग क्यों किया, देश के प्रधानमंत्री को कोई ऐसा बोलता है क्या। मेरी सबसे विनती है की कृपा करके आप दुखी मत होईए, गुस्सा मत कीजिए। आपको पता है वे नामदार हैं, हम तो कामदार हैं। नामदार तो कामदार को सदियों से ऐसे गाली-गलौज करते हुए आए हुए हैं। ऐसे ठोकर मारते हुए आए हुए हैं। भाई मैं तो आपमें से आता हूं। गरीबी से निकला हूं। 5-50 गालियां पड़ जाएंगी तो पड़ जाएंगी। आप गुस्सा

ये एक्स रे करके आपको लूटने की योजना बना रहे हैं। क्या आप उनको अपनी संपत्ति छीनने का अधिकार देंगे क्या। इनको चुनाव में जीतने देंगे क्या। इतना ही नहीं ये इससे भी संतुष्ट नहीं है।...

वो जीते जी तो छोड़िए, स्वर्गवास के बाद भी, मृत्यु के बाद भी आपकी जो बची हुई संपत्ति है, जो स्वाभाविक रूप से आपके बेटे-बेटी को मिलनी चाहिए। वो भी आप नहीं दे पाओगे। आपने कितनी ही मेहनत करके इकट्ठा किया होगा। कांग्रेस वाले कहते हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वो भी डिब्बे में से गुल कर दिया जाएगा।

मत होईए, मैं सबको कहता हूं कि आप लोग नाराजगी मत व्यक्त कीजिए। वे इतने निराश हैं कि आगे-आगे अभी बहुत कुछ बोलेंगे आप अपना समय खराब मत कीजिए। सोशल मीडिया और टीवी पर बहुत लोग नाराजगी से बहुत कुछ कहते रहते हैं। उनसे मेरी करबद्ध प्रार्थना है कि इन नामदारों को कुछ मत कहो, हम कामदार सहन करने के लिए पैदा हुए हैं। हम सहन भी करेंगे और मां भारती की सेवा भी करेंगे, हम जरा भी पीछे नहीं हटेंगे, जरा भी रूकेंगे नहीं। ये मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं। इस शाही परिवार के शहजादे पूरे देश में बढ़-चढ़ के कह रहे हैं कि आप की संपत्ति का एक्स रे होगा, एक्स रे। और आपकी अलमारी में क्या पड़ा है। किसी माता बहन ने कुछ बचत अनाज के डिब्बे में दबा करके रखी है। एक्स रे करके खोजा जाएगा। लॉकर में क्या पड़ा है, एक्स रे करके खोजा जाएगा। आप जो कमाई करते हैं, हमारी माताओं बहनों के पास जो स्त्री धन होता है। जो बहुत पवित्र होता है, कोई हाथ नहीं लगाता है। कोई उसको छूता नहीं है। मंगलसूत्र हो, छोटा मोटा गहना हो, इसे पवित्र माना जाता है। कांग्रेस उसे जब्त करके अपनी वोट बैंक मजबूत करने के लिए उसे बांटने की सार्वजनिक घोषणा कर रही है। मेनिफेस्टो में बता रही है। और मैंने तो पहले दिन ही कहा था कि इनका मेनिफेस्टो पूरी तरह मुस्लिम लीग की सोच का ही प्रतिबिम्ब है।

ये एक्स रे करके आपको लूटने की योजना बना रहे हैं। क्या आप उनको अपनी संपत्ति छीनने का अधिकार देंगे क्या। इनको चुनाव में जीतने देंगे क्या। इतना ही नहीं ये इससे भी संतुष्ट नहीं है। वो जीते जी तो छोड़िए, स्वर्गवास के बाद भी, मृत्यु के बाद भी आपकी जो बची हुई संपत्ति है, जो स्वाभाविक रूप से आपके बेटे-बेटी को मिलनी चाहिए। वो भी आप नहीं दे पाओगे। आपने कितनी ही मेहनत करके इकट्ठा किया होगा। कांग्रेस वाले कहते हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वो भी डिब्बे में से गुल कर दिया जाएगा। ऑफिसियली कहते हैं आपकी कमाई का आधे से ज्यादा काँग्रेस अगर सरकार में आती है, तो ये सरकार छीन लेगी। इसके लिए कांग्रेस आप पर इनहेरिटेंस टैक्स-आपकी विरासत पर टैक्स लगाना चाहती है।

ये इनहेरिटेंस टैक्स से जुड़े जो तथ्य अब निकलकर सामने आ रहे हैं, वो देश की आंखे खोलने वाले हैं। जरा ध्यान से सुना जाए, आप भी ध्यान से सुन लें, देश के दिग्गज पत्रकार भी सुन लें, मीडिया वाले भी सुन लें। और उनकी इको सिस्टम है ना, जो हर रोज मोदी की बाल की खाल उतारने में लगी ही है। वो भी सुन ले जरा कान खोल कर देश के साथ कैसा-कैसा पाप हुआ है। एक और दिलचस्प तथ्य मैं देश को बताना चाहता हूं। जब देश की एक प्रधानमंत्री बहन इंदिरा जी नहीं रहीं, तो उनकी प्रॉपर्टी थी, वो उनकी संतानों को मिलनी थी। लेकिन पहले ऐसा ऐसा कानून था कि उनको मिलने से पहले एक हिस्सा सरकार ले लेती। कांग्रेस ने पहले ऐसा कानून बनाया था। तब चर्चा थी और व्यापक रूप से चर्चा थी कि जब

इंदिरा जी नहीं रहीं और उनके बेटे राजीव गांधी जी को ये प्रॉपर्टी मिलने की थी, लिख करके गई थी, तो सरकार को पैसा चला ना जाए, प्रॉपर्टी को बचाना था। तो इन्होंने उस प्रॉप्रर्टी को बचाने के लिए उस समय के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने पहले जो इनहेरिटेंस कानून था उसको समाप्त किया और खुद के पैसे बचा लिए। अपने पर बात आई तो कानून हटा दिया। और अब वहां मामला निपट गया तो आज फिर सत्ता पाने के लालच में ये लोग वही कानून ज्यादा कड़ाई से वापस लाना चाहते हैं। बिना टैक्स के अपने परिवार की 4-4 पीढ़ियों की अकूत धन-दौलत हासिल करने के बाद अब ये लोग आप जैसे सामान्य मानवी की विरासत, आपकी मेहनत की कमाई उस पर टैक्स लगा करके आधी संपत्ति लूटना चाहते हैं। इसलिए ही तो देश कह रहा है-कांग्रेस की लूट- जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी।

आपके साथ खिलवाड़ करने के उनके जो इरादे हैं। और काँग्रेस के इन खतरनाक इरादों के बीच आपके हकों की रक्षा के लिए मोदी दीवार बनकर खड़ा है। ये गाली गलौच इसलिए हो रहा है कि मोदी 56 इंच का सीना तान करके खड़ा हो गया है। इनके मंसूबे सफल नहीं होंगे- ये मोदी की गारंटी है। लेकिन इसमें आपकी भी बड़ी भूमिका है। जितनी ज्यादा संख्या में वोट मिलेंगे, मोदी उतना ही मजबूत होगा। आपका एक-एक वोट मोदी को जाएगा। कमल पर आप बटन दबाएंगे आपका वोट सीधा-सीधा मोदी को जाएगा और इसलिए मोदी आपसे आशीर्वाद मांगने आया है, मोदी आपसे कमल के निशान पर बटन दबाने की प्रार्थना करने के लिए आया है। इसलिए आप घर घर जाएंगे। मतदान करवाएंगे। हमारे साथियों को जिताएंगे। पोलिंग बूथ जीतेंगे, पक्का करेंगे। ▪

''मोदी की गारंटी'' से परिवारवादी और भ्रष्टाचारी बेचैन

- यह केवल एक सांसद चुनने का नहीं बल्कि देश के भविष्य को सुनिश्चित करने का चुनाव है।
- बीते दस वर्ष इस बात के गवाह हैं कि स्थिर सरकार ही देशवासियों के हित में काम करती है।
- हमारी सरकार ने देश को दुनिया में, हथियार आयातक से हथियार निर्यातक के रूप में खड़ा किया।
- गरीबों के साथ-साथ 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को भी मुफ्त इलाज की योजना का लाभ मिलेगा।
- हमने पांच साल के लिए मुफ्त राशन की सुविधा बढ़ाई, ताकि गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे।

2024 का ये चुनाव सिर्फ एक सांसद चुनने का चुनाव नहीं है, ये चुनाव देश का है। देश के भविष्य को सुनिश्चित करने का चुनाव है। आपकी आने वाली पीढ़ी के भाग्य को सुनिश्चित करने वाला ये चुनाव है। ये चुनाव आने वाले 5 साल में भारत को दुनिया की बड़ी शक्ति बनाने का चुनाव है। आप देख रहे हैं कि दुनिया में कैसे युद्ध के बादल छाए हैं। जब दुनिया में युद्ध का माहौल हो, घटनाएं घट रही हों तो भारत में युद्धस्तर पर काम करने वाली सरकार बहुत जरूरी है। ऐसे समय मजबूत सरकार होनी चाहिए। किसी भी परिस्थिति में भारत की रक्षा करे, ऐसी सरकार होनी चाहिए। और ये काम पूर्ण बहुमत वाली मजबूत भाजपा सरकार ही कर सकती है।

स्थिर सरकार कैसे देश और देशवासियों के हित में काम करती है, ये हमने बीते वर्षों में देखा है। कोरोना का इतना बड़ा संकट आया... पूरी दुनिया में हाहाकार मचा... मजबूत भाजपा सरकार पूरी दुनिया से हर भारतीय को सुरक्षित भारत वापस ले आई। भाजपा ने करोड़ों परिवारों को मुफ्त राशन की सुविधा दी। भाजपा सरकार ने करोड़ों भारतीयों को मुफ्त वैक्सीन लगाई। आज देश में वो भाजपा सरकार है, जो ना किसी से दबती है और ना ही किसी के सामने झुकती

आज दुनिया के कितने ही देशों की स्थिति बहुत खराब है, कई देश दीवालिया हो रहे हैं...हमारा एक पड़ोसी जो आतंक का सप्लायर था,

वो अब आटे की सप्लाई के लिए तरस रहा है..। ऐसे हालातों में हमारा भारत, दुनिया में सबसे तेजी से विकसित हो रहा है।

है। हमारा सिद्धांत है- **राष्ट्र प्रथम**। भारत को सस्ता तेल मिले, इसलिए हमने देशहित में फैसला लिया। भारत के किसानों को पर्याप्त खाद मिले, इसके लिए हमने देशहित में फैसला लिया।

आज दुनिया के कितने ही देशों की स्थिति बहुत खराब है, कई देश दीवालिया हो रहे हैं... हमारा एक पड़ोसी जो आतंक का सप्लायर था, वो अब आटे की सप्लाई के लिए तरस रहा है..। ऐसे हालातों में हमारा भारत, दुनिया

में सबसे तेजी से विकसित हो रहा है। आज जो भारत आगे बढ़ रहा है इससे गर्व होता है। आज दुनिया में हिंदुस्तान का डंका बज रहा है। आज अमेरिका में भी भारत की वाहवाही हो रही है। आज विश्व के हर देश में भारत का जय-जयकार हो रहा है। ये जो हुआ है न आपके एक वोट की ताकत के कारण हुआ है। ये आपने किया है। आपके एक वोट ने करके दिखाया है। आपका ये उत्साह साफ-साफ कह रहा रहा है- फिर एक बार... मोदी सरकार !

ये धरती शूरवीरों की धरती है, योद्धाओं की धरती है। मैं इस धरती के लोगों को इंडी गठबंधन की सच्चाई बताना चाहता हूं। दशकों तक, कांग्रेस ने भारत के डिफेंस सेक्टर को कमजोर बनाए रखा। ये लोग सेनाओं के लिए हथियार खरीदने में भी अपना स्वार्थ देखते थे। पूरे देश ने देखा है कि कैसे इन लोगों ने पूरी ताकत लगा दी कि हमारी वायुसेना सशक्त न हो, देश में राफैल लड़ाकू विमान ना आए और देश की वायुसेना मुसीबतों को झेलती रहे। कांग्रेस की सरकार रही होती तो भारत में बना तेजस फाइटर प्लेन भी आसमान की बुलंदियां नहीं देख पाता। ये भाजपा सरकार है जो हमारी सेनाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। भारत की पहचान अब दूसरे देशों को हथियार निर्यात करने वाले देश की बन रही है। इस साल ही भारत ने 21 हजार करोड़ रुपए के हथियार दूसरे देशों को बेचे हैं। अब हम ब्रह्मोस मिसाइल को भी एक्सपोर्ट कर रहे हैं। इस मिसाइल का पहला बैच फिलिपींस जा रहा है।

आप जरा याद कीजिए, 2014 से पहले देश में चारों तरफ निराशा का माहौल था। 2014 में मोदी आपके बीच एक उम्मीद लेकर आया था और आपने आशीर्वाद दिया। 2019 में मैं दोबारा आपके पास आया तो एक विश्वास लेकर आया था। और **आज 2024 में मोदी आपके पास गारंटी लेकर आया है। मोदी की गारंटी यानी, गारंटी पूरा होने की गारंटी! मोदी की गारंटी है कि गरीब, किसान, नौजवान और माताएं-बहनें, हर लाभार्थी को शत-प्रतिशत सुविधाएं मिलेंगी।** पिछले 10 वर्षों में MP के 40 लाख से ज्यादा परिवारों को पक्का घर मिला है। लेकिन जिनको अब भी पीएम आवास योजना के घर नहीं मिले है, उनका भी बीजेपी ने ख्याल रखा है। हमने संकल्प लिया है कि देश में 3 करोड़ नए आवास हम बनाएंगे और उसमें से जिनको घर नहीं मिला है, उनका घर पक्का हो जाएगा।

हर परिवार के लिए राशन और इलाज का खर्च मायने रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए, मोदी ने आने वाले 5 वर्ष तक मुफ्त राशन की सुविधा बढ़ा दी है। इन परिवारों को मुफ्त राशन इसलिए ताकि गरीब के घर का चूल्हा

जलता रहे। ये मुफ्त राशन इसलिए कि गरीब का बच्चा भूखे पेट सोने के लिए मजबूर न हो जाए। आयुष्मान योजना ने भी गरीबों के लाखों रुपए खर्च होने से बचाए हैं। अब मोदी ने गारंटी दी है कि गरीबों के साथ-साथ हमारे देश का कोई भी व्यक्ति जो 70 साल से ऊपर का है, मध्यम वर्ग का हो, उच्च मध्यम वर्ग का हो, घर में गाड़ी हो, कुछ भी हो, ऐसे 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को भी ये मोदी की तरफ से मुफ्त इलाज की योजना का लाभ मिलेगा।

हर घर जल और हर खेत में पानी, ये भी भाजपा का संकल्प है। बुंदेलखंड में पानी की समस्याओं का समाधान करने के लिए मोदी पूरी ईमानदारी से जुटा है। और इस काम में हमारे मुख्यमंत्री मोहन यादव जी और उनकी पूरी टीम प्रतिबद्धता से जुटे हुए हैं। पंचम नगर परियोजना से सिंचाई की जरूरतें पूरी हो रही हैं। हम 45 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करके केन-बेतवा लिंक नहर को तेजी से पूरा कर रहे हैं। हर घर जल अभियान के तहत, मध्य प्रदेश में करीब 70 लाख घरों तक पाइप से पानी पहुंचाया जा चुका है।

मोदी की गारंटी, मुफ्त बिजली और बिजली से कमाई की भी है। पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना से जो इस योजना का लाभ लेगा उसका बिजली का बिल जीरो हो जाएगा जीरो। और इसके लिए भाजपा सरकार बहुत मदद दे रही है। जिनके पास गारंटी देने के लिए कुछ नहीं है, उनकी गारंटी मोदी ने ली है। गरीब, दलित, पिछड़े, आदिवासी परिवार के युवा पहले कोई बिजनेस कर ही नहीं पाते थे। क्योंकि उनके पास बैंक को देने के लिए गारंटी नहीं होती थी। ब्याज से पैसे लाएं तो बाल ही न बचे ये हाल हो जाती थी। मोदी ने मुद्रा योजना के तहत ऐसे युवाओं को लाखों करोड़ रुपए का ऋण उपलब्ध कराया है। अब भाजपा ने अपने मेनिफेस्टो में घोषणा की है कि मुद्रा योजना के तहत मदद को बढ़ाकर अब 20 लाख कर दिया जाएगा। पहले रेहड़ी-ठेले-फुटपाथ पर काम करने वालों को भी कोई नहीं पूछता था। स्वनिधि योजना से ऐसे लाखों साथियों को पहली बार बैंक से मदद मिली है। अब गांव और कस्बों में फेरीवाले साथियों को भी स्वनिधि के दायरे में लाया जाएगा।

हम विकसित भारत के निर्माण के लिए नारीशक्ति को सशक्त कर रहे हैं। उज्जवला योजना की गैस हो...घर घर बने शौचालय हों... घर-घर पहुंची बिजली हो...जनधन योजना के बैंक खाते हों...इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी माताओं-बहनों-बेटियों को ही हुआ है। पहले हमारे देश में महिलाओं के नाम एक भी संपत्ति नहीं होती थी। दुकान खरीदी तो पुरुष के नाम...जमीन खरीदी तो पुरुष के नाम...गाड़ी खरीदी तो पुरुष के नाम...महिलाओं के नाम कोई संपत्ति नहीं होती थी। पहले पति के नाम होती थी और बाद में बेटे के नाम होती थी। महिला के नाम कुछ नहीं होता था मोदी ने तय किया कि पीएम आवास योजना की वजह से अब करोड़ों बहनों के नाम पहली बार कोई प्रॉपर्टी दर्ज हुई है। माताओं -बहनों के नाम संपत्ति आई है। पिछले 10 साल में 10 करोड़ बहनें सहायता समूहों से, वनधन केंद्रों से जुड़ी हैं। अभी तक 1 करोड़ बहनें ऐसी हैं जिनकी वार्षिक आय 1 लाख से

अधिक हो चुकी है। अब मोदी ने 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने की गारंटी दी है।

मोदी ये सब कुछ आपके लिए कर रहा है, आप ही मेरे परिवारजन हैं। मेरा भारत, मेरा परिवार है। इसलिए जो कुछ भी कर रहा हूं, आपके लिए कर रहा हूं। लेकिन परिवारवादी और भ्रष्टाचारी नेताओं को मोदी की गारंटी बेचैन कर रही है। वो कहते हैं कि तीसरी बार भाजपा सरकार बनी तो देश में आग लग जाएगी। इंडी-गठबंधन के लोग मोदी को आए दिन धमकियां दे रहे हैं। लेकिन मोदी इन धमकियों से ना पहले डरा है और ना कभी डर सकता है।

कांग्रेस और इंडी-गठबंधन वाले हमारी आस्था का अपमान करने में जुटे हैं। ये लोग कहते हैं कि हमारा सनातन डेंगू है, मलेरिया है। आपके आशीर्वाद से अयोध्या में जो राममंदिर बना है, उसके भी ये घोर विरोधी हैं। ये लोग भगवान श्रीराम की पूजा को पाखंड बताते हैं। और ये बयान तब दिया जाता है, जब अयोध्या में रामनवमी पर रामलला का सूर्यतिलक हो रहा था। यही लोग हैं, जो बुलाने के बाद भी अयोध्या में प्रभु राम के मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में नहीं गए, इतना ही नहीं उन्होंने निमंत्रण को ठुकरा दिया। और ये सारा वोट बैंक पालिटिक्स के लिए करते हैं।

अब आप सोचिए, आपने नाम सुना होगा अयोध्या में। एक अंसारी परिवार है, दो-दो पीढ़ी से ये अंसारी परिवार हिंदुओं के खिलाफ अदालत में जंग लड़ रहे थे। बाबरी मस्जिद के पक्ष में जंग लड़ रहे थे। ये इकबाल अंसारी और उनके पिता जी पूरा परिवार कितने ही दशकों से लड़ाई लड़ रहा था लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय किया ये हिंदुओं के पक्ष में जाएगा। तो इतने साल लड़ाई लड़ने के बावजूद भी उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत किया। जीवनभर लड़ाई लड़े थे। इतना ही नहीं जिस समय राम मंदिर के शिलान्यास का कार्यक्रम था। तो ये जो राम मंदिर के ट्रस्टी हैं। उन्होंने हरेक का गुनाह गलतियां माफ करके सबको प्यार से निमंत्रण दिया। और आपको जानकर खुशी होगी ये अंसारी स्वयं शिलान्यास के कार्यक्रम में मौजूद रहे। जीवन भर लड़ाई लड़े थे, मौजूद रहे। इतना ही नहीं अभी जब प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम था तो ट्रस्टियों ने उन्हें भी निमंत्रण दिया जैसे कांग्रेस के नेताओं को दिया था, सपा के नेताओं को दिया था, इंडी गठबंधन वाले सभी नेताओं को दिया था, अंसारी को भी दिया। जीवनभर हिंदुओं के खिलाफ कोर्ट में लड़ते रहे, बाबरी मस्जिद के लिए लड़ते रहे, राम मंदिर के विरुद्ध लड़ते रहे, लेकिन जब प्राण-प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिला तो वो हंसी खुशी के साथ आकर के सुप्रीम कोर्ट का सम्मान करते हुए इसके हिस्सेदार बने। एक तरफ एक छोटा सा व्यक्ति भाई अंसारी, सामान्य परिवार का है उसका व्यवहार देखिए और दूसरी तरफ ये कांग्रेस के नेताओं का व्यवहार देखिए, उन्होंने प्राण-प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को ठुकरा दिया। वोट बैंक के खातिर ये क्या करते हैं।

बीजेपी-एनडीए को दिया आपका वोट केंद्र में सरकार तो बनाएगा ही। BJP-NDA को दिया आपका वोट विकसित भारत बनाएगा।

ये चुनाव जीतना है लेकिन मुझे तो पोलिंग बूथ जीतना है। पहले से ज्यादा मतदान कराऐं। पोलिंग बूथ जीतेंगे। अपनी पूरी ताकत पोलिंग बूथ पर लगाएं। ▪

मोदी जी ने महिलाओं को सम्मान व अधिकार दिये हैं - विष्णुदत्त शर्मा

कांग्रेस ने न्याय-पत्र नाम से अपना जो चुनाव घोषणा-पत्र जारी किया वह कांग्रेस का 'न्याय-पत्र', न्याय नहीं अन्याय की गारंटी है। अन्यायी कांग्रेस को न्याय-पत्र जारी करने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस के न्याय-पत्र का मतलब असुरक्षित महिलाऐं, बेरोजगारी, किसानों पर कर्ज का बोझ, मजबूर और बेबस मजदूर, साथ ही वंचितों के साथ भेदभाव और शोषण तथा तानाशाही और दिखावे का लोकतंत्र है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का कार्य किया है।

मिस्टर बंटाढार के इशारे पर मिस्टर करप्शननाथ ने मध्यप्रदेश में अपने 15 माह के कुशासनकाल में मुख्यमंत्री प्रसूति सहायता योजना बंद कर गर्भवती महिलाओं को लड्डू खाने के लिए मिलने वाले रूपये डकार लिए थे। जिन कांग्रेसियों ने सरकार में रहते हुए बैगा-भारिया एवं सहरिया बहनों को अतिकुपोषण मिटाने के लिए मिलने वाले एक हजार रुपये पर डाका डाला हो, क्या वे महालक्ष्मी गारंटी और 1 लाख रूपये की सलाना सहायता महिलाओं को दे सकते हैं?

कांग्रेस वह पार्टी है जो सत्ता में रहते हुए घोटाले और भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बनाती है। जिन्होंने सरकार में रहते हुए पूरी आबादी का पूरा हक लूटा हो, वो आधी आबादी को-पूरा हक देंगे? कांग्रेस नेता स्व. राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए स्वयं कहा था कि कांग्रेस सरकार में गरीबों के लिए दिल्ली से एक रूपए भेजता हूं तो गरीबों को सिर्फ 15 पैसे ही मिल पाते हैं, बाकी 85 पैसे कांग्रेस के बिचौलिए ही खा जाते थे। जिस कांग्रेस के नेता आये दिन महिलाओं को लेकर अभद्र टिप्पणी, टंचमाल और आइटम जैसे निंदनीय शब्दों का प्रयोग कर नारी शक्ति का अपमान करते हों, वो नारी शक्ति का सम्मान क्या करेंगे ?

जिस कांग्रेस पार्टी के नेता महिलाओं को सजावट का सामान समझते हों, भरे मंच से अपनी पार्टी की महिला नेत्रियों को अपमानित करते हों वो किस तरह 'अधिकार मैत्री' के तहत महिलाओं को उनके हक के लिए जागरूक करेंगे? कांग्रेस का न्याय-पत्र एक झूठ के पुलिंदे से अधिक कुछ भी नहीं है। कांग्रेस पार्टी फिर एक बार जनता को छलने के लिए अपने झूठे वादों को न्याय-पत्र का नाम दे रही है। महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का कार्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार में हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नारी शक्तिवंदन अधिनियम को पारित कराकर देश की लोकसभा और प्रदेश की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून बनाया है। ▪

संकल्प पत्र युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान और गरीब को समर्पित है- नरेंद्र मोदी

- हमने बाबा साहेब को सिर्फ विचारों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि आधुनिक भारत में उनके योगदान को नई पहचान दी है। आप अपने फोन से जो पेमेंट करते हैं, वो BHIM यूपीआई बाबा साहब के नाम पर ही है।

- आजादी के अनेक दशक तक कांग्रेस के एक ही परिवार ने सीधे या रिमोट कंट्रोल से देश चलाया। इसी परिवार ने देश में आपातकाल लगाया। कांग्रेस ने देशभर में लोकतांत्रिक सरकारों को जब मर्जी तब गिराया। कांग्रेस ने अपने हिसाब से इतिहास लिखवाया, अपना ही महिमामंडन करवाया।

- कांग्रेस की मानें तो तब लोकतंत्र ठीक चल रहा था, फल-फूल रहा था लेकिन जैसे ही गरीब घर का बेटा प्रधानमंत्री बना तो कांग्रेस अफवाह फैलाने लगी कि संविधान और लोकतंत्र खतरे में आ गया। अब तो कांग्रेस का शाही परिवार धमकी दे रहा है कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बना, तो देश में आग लग जाएगी।

विपक्षी नेता सिर्फ देश में डर और भ्रम फैलाना चाहते हैं। आग देश में नहीं लगी, आग तो इन विपक्षी नेताओं के दिलों मे लगी है।

ये जलन इनके दिलो दिमाग में इतनी भर गई है कि ये उन्हें अंदर से जलाती जा रही है। ये जलन भी मोदी के कारण नहीं, 130 करोड़ देशवासियों के मोदी के प्रति प्रेम का कारण है।

- हताश कांग्रेस ऐसी घोषणाएं कर रही है, जो खुद कांग्रेस के नेताओं को ही समझ नहीं आ रही। कांग्रेस के शहजादे ने घोषणा की है कि वो एक झटके में देश से गरीबी हटा देंगे। ये बात सुनकर पूरा देश हैरान है। देश पूछ रहा है कि आखिर ये ''शाही जादूगर'' इतने बरसों तक कहां छुपा था।

- 50 साल पहले इनकी दादी ने देश से गरीबी हटाने की घोषणा की थी। 2014 से पहले 10 साल तक इन्होंने रिमोट से सरकार चलाई और कह रहे हैं कि अब बस इनको झटके वाला मंत्र मिल ही गया है। ऐसे दावे करते हैं, तभी ये देशभर में हंसी के पात्र बने हुए हैं।

- मध्य प्रदेश से उठी लहर पूरे देश में फैल चुकी है। पूरा देश आज फिर एक बार, मोदी सरकार के नारों से गुंजायमान हो उठा है। देश के संविधान निर्माता बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की जन्म स्थली महू में बाबा साहब अंबेडकर के घर से लेकर देश-विदेश में वो जहां-जहां भी रहे, भाजपा सरकार उन स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में स्थापित कर रही है।

डॉ. भीम राव अंबेडकर को जो सम्मान कांग्रेस ने कभी नहीं दिया, वह सम्मान करने का सौभाग्य मोदी सरकार

को मिला। कांग्रेस ने सदैव ही बाबा साहब अंबेडकर को अपमानित किया है। बाबा साहब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के कारण ही, गरीब मां का बेटा मोदी आपसे तीसरी बार सेवा का आशीर्वाद मांग रहा है। बाबा साहब के दिए हुए संविधान के कारण एक आदिवासी परिवार की बेटी आज देश की राष्ट्रपति बनी है। जिस समाज को सबसे अंत में रखकर, वंचित रखा गया, उस समाज की बेटी आज देश की प्रथम नागरिक है। भारतीय जनता पार्टी ने बाबा साहब को मात्र विचारों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि आधुनिक भारत में उनके योगदान को नई पहचान दी है। आज देश की जनता मोबाईल के माध्यम से जिस यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर रही है, उसका नाम बाबा साहब के सम्मान में भीम यूपीआई रखा गया है।

देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण में आदिवासी समाज का बहुत समृद्ध योगदान रहा है। मध्य प्रदेश की मिट्टी ने गौण वंश के राजा भभूति श्री के रूप में एक महान स्वतंत्रता सेनानी देश को दिया है। कांग्रेस ने आदिवासी समाज के योगदान को कभी भी स्वीकार नहीं किया। आजादी के अनेक दशक तक एक ही परिवार ने सीधे और रीमोट कंट्रोल से सरकार चलाई और उसी परिवार ने देश में आपातकाल की घोषणा भी की थी। कांग्रेस ने देशभर की लोकतांत्रिक सरकारों को पत्ते के महल की तरह गिराने का काम किया। कांग्रेस ने अपने हिसाब से इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा और मन-मुताबिक उसे लिखवाकर स्वयं का ही महिमामंडन करवाया। कांग्रेस के हिसाब से पहले लोकतंत्र ठीक चल रहा था लेकिन जब एक गरीब घर का बेटा प्रधानमंत्री बना, तो कांग्रेस ने अफवाह फैलानी शुरू कर दी कि मोदी आया है, संविधान और लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। शायद कांग्रेस को पता नहीं कि बाबा साहब भीम राव अंबेडकर जी के संविधान के कारण ही मोदी इस पद पर पहुंचा है। कांग्रेस का शाही परिवार धमकी दे रहा है कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बना तो देश में आग लग जाएगी। कांग्रेस नें 2014 और 2019 के चुनावों के साथ राम मंदिर उद्घाटन और धारा 370 के हटने पर भी देश में आग लगने की बात कही, मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ।

विपक्षी नेता सिर्फ देश में डर और भ्रम फैलाना चाहते हैं। आग देश में नहीं लगी, आग तो इन विपक्षी नेताओं के दिलों मे लगी है। ये जलन इनके दिलो दिमाग में इतनी भर गई है कि ये उन्हें अंदर से जलाती जा रही है। ये जलन भी मोदी के कारण नहीं, 130 करोड़ देशवासियों के मोदी के प्रति प्रेम का कारण है।

देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण में आदिवासी समाज का बहुत समृद्ध योगदान रहा है।

मध्य प्रदेश की मिट्टी ने गौण वंश के राजा भभूति श्री के रूप में एक महान स्वतंत्रता सेनानी देश को दिया है।

विपक्षी नेता ये प्रेम भी सहन नहीं कर पा रहे हैं। विपक्ष पिछले 10 वर्षों से सत्ता से बाहर है और इस समय में ये लोग ऐसे छटपटाए हैं जैसे इनका सब कुछ लुट गया हो। कांग्रेसी नेता अगर यही कारनामे करते रहेंगे, तो ये जलन उनको इतनी जला देगी कि ये देश आगे कभी उनको मौका नहीं देगा। आज विश्व में युद्ध, अराजकता और अनिश्चितता के कारण चारों तरफ एक धुंधला और आशंका का वातावरण बन गया है। कब क्या होगा और कौन सी मुसीबत आएगी, इस डर से विश्व थर-थर कांप रहा है।

इस समय ऐसी परिस्थितियों के लिए एक मजबूत और शक्तिशाली भारत बहुत आवश्यक है। आज भाजपा भारत को सशक्त और मजबूत बनाने के लिए ही देशसेवा में लगी हुई है। अस्थिर, कमजोर, भ्रष्ट और स्वार्थी नेताओं का इंडी गठबंधन देश को मजबूत नहीं बना सकता। जो पार्टी खुद को मजबूत नहीं बना सकती वो देश को क्या मजबूत बनाएगी। देश को शक्तिशाली, मजबूत, सामर्थ्यवान और समृद्ध निर्माण मोदी नहीं जनता का एक एक वोट बनाएगा।

भाजपा का संकल्प पत्र जारी होने के बाद इंडी गठबंधन की हालात खराब है। इंडी गठबंधन के नेता समझ नहीं पा रहे हैं कि घोषणापत्र देश की जनता के प्रति एक जिम्मेदारी होती है, इस गठबंधन के सभी साथी आपस में ही झगड़ रहे हैं और देश की दिशा ही तय नहीं कर पा रहे हैं। उनके वादों में कोई स्पष्टता नहीं दिखती है। इंडी गठबंधन के घोषणापत्र में एक से बढ़कर एक खतरनाक वादे हैं।

एक साथी के घोषणापत्र में तो देश को आर्थिक रूप से दिवालिया बनाने वाले वादे किए गए हैं और दूसरे साथी के घोषणापत्र में भारत से परमाणु हथियार खत्म करने का वादा है। परमाणु हथियार तो देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं, लेकिन परमाणु हथियार नष्ट कर ये लोग किसकी मदद करने की बात कर रहे हैं। जितनी घातक विपक्षी गठबंधन के नेताओं की सोच है, उतना ही घातक इनका घोषणापत्र है। भाजपा का संकल्प पत्र मोदी की गारंटी के रूप में जनता को समर्पित है।

भाजपा सरकार देश के हर गरीब का पक्के घर का सपना पूरा करेगी ये मोदी की गारंटी है। जिन लोगों तक अभी तक लाभ नहीं पहुंचे हैं, आने वाले दिनों में उनको भी लाभ पहुंचाया जाएगा। भाजपा ने 3 करोड़ नए घर बनाने का संकल्प लिया है। दिव्यांगजनों को भी आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि आने वाले पांच वर्षों में ये सम्मान निधि जारी रहेगी, आगामी पांच वर्षों तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत निःशुल्क राशन और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज मिलता रहेगा। हर वर्ग के 70 वर्ष से अधिक के व्यक्ति को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा। मोदी ने तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की गारंटी दी है। देश की महिलाओं का आशीर्वाद भाजपा के संकल्प को पूरा करने में सहायता करेगा।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब 20 लाख रुपए तक का ऋण बिना गारंटी के दिया जाएगा। इस योजना से ग्रामीण, दलित, वंचित, ओबीसी, आदिवासी वर्ग के युवाओं सहित देश के हर वर्ग के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। सरकार की होमस्टे के लिए दी गई आर्थिक सहायता का बड़ा लाभ आदिवासी महिलाओं को मिलेगा। ट्रक, टैक्सी और आटो चालकों को ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा। इसका लक्ष्य उनको भी बीमा और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना है। भाजपा सरकार 2025 में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जंयती होने के कारण 2025 को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। आदिवासी कला संस्कृति से जुड़ी विरासत को समृद्ध करने के लिए फंड में वृद्धि की जाएगी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए भाजपा सरकार हर जिले में समिति बनाएगी और उन समितियों में इन समाज के प्रतिनिधियों को जगह दी जाएगी। एकलव्य विद्यालयों की संख्या 750 तक पहुंचाने के लिए तेजी से काम किया जाएगा। पिछड़ी जनजातियों के कल्याण के लिए 24 हजार करोड़ रुपए की लागत से चलाई गई, प्रधानमंत्री जन मन योजना पर चल रहे काम को तेज गति से पूरा किया जाएगा। इन प्रयासों से मध्य प्रदेश सहित पूरे देश के अनुसूचित जाति, अनसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को आगे बढ़ने में बहुत मदद मिलेगी।

जहां दूसरों से उम्मीद खत्म हो जाती हैं वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है। इसलिए हताश कांग्रेस ऐसी घोषणाएं कर रही है, जो खुद कांग्रेस के नेताओं को ही समझ नहीं आ रही हैं। कांग्रेस के शहजादे ने एक झटके में देश की गरीबी हटाने की हास्यास्पद घोषणा की। देश पूछ रहा है आखिर ये शाही जादूगर इतने वर्षों तक कहां छुपा था।

50 वर्ष पहले इनकी दादी ने भी गरीबी हटाने की घोषणा की, 2014 से पहले 10 वर्षों तक इन्होंने रिमोट कंट्रोल से सरकार चलाई और ये लोग कह रहे हैं कि अब इन्हें एक झटके में गरीबी हटाने का मंत्र मिल गया है। ये गरीबों का अपमान है। ऐसे ही दावों के कारण ये लोग हंसी के पात्र बन जाते हैं और देश इनको गंभीरता से नहीं लेता है। जनता को विश्वास हो गया है कि **मोदी का अपना कोई सपना नहीं है, मोदी के लिए तो जनता का सपना ही संकल्प है।**

''मैं आपके लिए ही पैदा हुआ हूं, मेरा भारत ही मेरा परिवार है।'' इसीलिए आज चारों तरफ चौड़ी सड़कें बनाई जा रही हैं, रेल्वे स्टेशनों का आधुनिकीकरण हो रहा है और मेडिकल कॉलेज संख्या दो गुनी हुई है। भाजपा की कोशिश यही है कि जनता को मुश्किल या असुविधा न हो। लेकिन अभी तक किया काम तो ट्रेलर है, अभी तो मुझे बहुत कुछ करना है। देश को हमें नई ऊचाईं पर लेकर जाना है। भाजपा अन्नदाता को ऊँर्जादाता और उर्वरकदाता बनाना चाहती है। भाजपा सरकार जनता का बिजली का बिल शून्य और बिजली से कमाई करवाने के लिए प्रधानमंत्री सूर्य योजना घर-घर पहुंचाना चाहती है। भाजपा सरकार सौर ऊर्जा, जैविक खाद और इथेनॉल उत्पादन में पूरे देश के किसानों को पहले स्थान पर पहुंचाना चाहती है। दालों में आत्मनिर्भरता और मोटे अनाज (श्री अन्न) को विश्व के बाजारों तक पहुंचाना भाजपा की प्राथमिकता है। मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार भाजपा की सभी गारंटियों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। ▪

डॉ. भीमराव अंबेडकर को संसद जाने से रोकने वाले आज बाबा साहब के नाम पर वोट मांग रहे - डॉ. मोहन यादव

स्वयं के जीवन में कष्ट, परेशानी और मान-अपमान सहकर दलितों, शोषितों, वंचितों के हकों की लड़ाई लड़ते हुए उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने का कार्य बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने किया है। सभी वर्गों को साथ लेकर उनके हितों को ध्यान में रखकर बाबा साहब द्वारा बनाए संविधान की वजह से आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र गौरवान्वित हो रहा है। सामाजिक समरसता को कायम करने के लिए उन्होंने स्वयं के मान-अपमान को भूलकर कार्य किया है।

सबके हित और हक के लिए लड़ाई लड़ने वाले महामानव बाबा साहब को संसद जाने से रोकने का कार्य किया गया। बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि जिन लोगों ने बाबा साहब को संसद में जाने से रोकने का कार्य किया, आज वही लोग बाबा साहब के नाम पर वोट मांगने का कार्य कर रहे हैं। संविधान निर्माण के साथ सामाजिक समरसता के लिए बाबा साहब के अद्वितीय योगदान के लिए हम सभी लोग हमेशा-हमेशा उनका स्मरण करते रहेंगे। ▪

मोदी जी ने विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया

प्रबुद्धजनों से हुआ वार्तालाप पूरे समाज में प्रतिबिंबित होता है। कांग्रेस ने ऐसी मानसिकता बना दी थी, जहां लोगों को एहसास होने लगा कि अब कुछ नहीं होने वाला, देश ऐसे ही चलता रहेगा और कोई बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 10 साल के कार्यकाल में जन-जन के मन में ये विश्वास आया है कि देश में बदलाव हो सकता है, बदलाव हुआ है और आगे भी बदलाव होगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राजनीति की संस्कृति में परिवर्तन लाया है।

पहले जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण को ही चुनाव जीतने का मुख्य आधार माना जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद परिवारवाद, जातिवाद और तुष्टीकरण की राजनीति को समाप्त करके सिर्फ विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया गया है और इस तरह से सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 10 साल के कार्यकाल में जन-जन के मन में ये विश्वास आया है कि देश में बदलाव हो सकता है, बदलाव हुआ है और आगे भी बदलाव होगा।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राजनीति की संस्कृति में परिवर्तन लाया है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राजनीति की परिभाषा को पूरी तरह से बदल दिया है। कोविड महामारी शताब्दी की सबसे बड़ी महामारी थी और कोई अंदाजा नहीं लगा सकता था कि आगे क्या होने वाला है। सभी पश्चिमी देश अपनी अर्थव्यवस्था और मानवता के बीच एक को चुनने के लिए दुविधा में थे लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'जान है तो जहान है' का नारा देते हुए संपूर्ण देश में लॉकडाउन लगाने का कठोर निर्णय लिया। इस दौरान उन्होंने पूरे देश को तैयार किया और लॉकडाउन हटाकर देश को आगे बढ़ाते हुए अपने 'जान भी है और जहान भी है' के नारे को चरितार्थ किया। पूर्व की सरकारों के शासन में देश में टीबी और टिटनेस की दवा को आने में वर्षों लग गए, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में कोरोना का पहला मामला दर्ज होने के 9 महीने के भीतर दो वैक्सीन बन कर तैयार हो गईं। आज भारत मात्र दो वर्षों के समय में 220 करोड़ वैक्सीन डोज लगाकर आने वाले समय के लिए तैयार हो गया है। विपक्ष के नेता इस स्वदेशी वैक्सीन पर आक्षेप लगाकर जनता को गुमराह करते

थे, लेकिन वैक्सीन मैत्री के तहत यही वैक्सीन यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 100 देशों को पहुंचाई, जिनमें 48 देशों को मुफ्त में वैक्सीन दी गई।

कोविड और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद लगभग हर देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी परन्तु भारत एकमात्र देश है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने ब्राइट स्पॉट करार दिया है। जहां मॉर्गन स्टेनली और मूडीज जैसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार की प्रशंसा करते थक नहीं रही हैं, वहीं दूसरी ओर विपक्ष बेरोजगारी और मंहगाई जैसे आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। सत्य यह है कि विपक्ष बेरोजगार हो गया है। पूरे विपक्ष में जानकारी का अभाव है क्योंकि जहां रुस, तुर्की, अर्जेंटीना और जर्मनी की मंहगाई दर क्रमशः 6.3 प्रतिशत, 60 प्रतिशत, 93 प्रतिशत और 10 प्रतिशत है वहीं भाजपा शासन में भारत की मंहगाई दर मात्र 4.3 प्रतिशत है जो यूपीए शासन में कभी भी 10 प्रतिशत से नीचे नहीं आई। जीडीपी के आंकड़ों पर प्रकाश डालने पर पता चलता है कि चीन, फ्रांस, जर्मनी, यूके और अमेरिका की जीडीपी वृद्धि क्रमशः मात्र 4.6 प्रतिशत, 1 प्रतिशत, 5 प्रतिशत, 6 प्रतिशत, और 2.1 प्रतिशत है। वहीं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की जीडीपी वृद्धि दर सर्वाधिक 6.5 प्रतिशत है। आज भारत ब्रिटेन को पछाड़ कर 11वें स्थान से बढ़कर पांचवें स्थान की अर्थव्यवस्था बन गया है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में भारतीय अर्थव्यवस्था दो वर्षों के अंदर तीसरे स्थान पर आ जाएगी।

भाजपा शासन में प्रति व्यक्ति आय में दो लाख रुपए की वृद्धि हुई है। भारत का इलेक्ट्रिक उत्पादन 500 फीसदी तक बढ़ा है और इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 70 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। भारत में 2014 तक 92 प्रतिशत मोबाइल चीन निर्मित होते थे लेकिन आज 97 प्रतिशत मोबाइल भारत में बन रहे हैं और इन पर मेड इन इंडिया लिखा हुआ है। आज भारत विश्व में जापान को पछाड़ते हुए तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है और देश का फार्मास्यूटिकल्स निर्यात 138 प्रतिशत तक बढ़ गया है जिससे भारत दुनिया की डिस्पेंसरी बन गया है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की जन कल्याणकारी नीतियों के कारण आज 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार भारत में अतिगरीबी लगभग 1 प्रतिशत से भी कम पर बनी हुई है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी बुनियादी ढांचे में 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश कर रहे हैं जो देश में रोजगार सृजित करेगा और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएगा। आज भारत 5-जी सेवाएं रोलआउट करने में सबसे आगे है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आईआईएम 13 से बढ़कर 20 और एम्स 7 से बढ़कर 22 हो गए हैं। पहले चिकित्सक कहा करते थे कि देश में चिकित्सकीय सुविधाएं नहीं है और उन्हें शोध करने के लिए विदेश जाना पड़ेगा लेकिन आज चिकित्सक भारत के एम्स संस्थानों को विश्वस्तरीय बताते हुए उसमें कार्य करने का अवसर देने का आग्रह करते हैं। भाजपा शासन में आज देशभर में कुल 23 आईआईटी हैं, 390 नए विश्वविद्यालय और लगभग 5300 नए महाविद्यालय बने हैं। यूपीए शासन में शिक्षाविदों में वंदे मातरम के गायन को लेकर विवाद हुआ करता था, लेकिन आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की नीति का पालन करते हुए नई शिक्षा नीति को लागू किया है। भाजपा ने शिक्षा में विषय के चुनाव के विकल्प खोल दिए हैं।

क्वाड, जी-7, ब्रिक्स और एससीओ सहित सभी अंतरराष्ट्रीय संगठन अपने सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को निमंत्रण देकर भारत का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करते हैं। यही बदलते भारत की तस्वीर है। भारत की अध्यक्षता में देश के 100 शहरों में जी-20 के कार्यक्रमों का आयोजन हुआ और अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता का दर्जा नई दिल्ली में भारत की अनुशंसा पर मिला। साथ ही यूरोपियन-मिडिल ईस्ट इकॉनोमिक कॉरिडोर पर सहमति भी जी-20 के दौरान नई दिल्ली में बनी। विश्व में सहायता की दृष्टि से भारत सबसे आगे रहा है। पापुआ न्यू गिनी, मालदीव, श्रीलंका, नेपाल में जब कोई आपदा या समस्या आई तो भारत सबसे पहले पहुंचा। अफगानिस्तान से भारतीयों को लाने, यूक्रेन से बच्चों को लाने, यमन से नर्स बहनों को लाने में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सबसे आगे रहा।

दुनिया को जब भी दवा की आवश्यकता पड़ी तो भारत सबसे आगे रहा। पहले कोई भी अंतर्राष्ट्रीय नेता भारत की चर्चा बिना पाकिस्तान का नाम लिए नहीं करता था। मगर आज कोई भी भारत के साथ पाकिस्तान का नाम नहीं लेता, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ये बदलाव आया है।

पहले जब भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका जाते थे, तो चर्चा होती थी कि भारत में भुखमरी की समस्या है। लेकिन अब जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी अमेरिका जाते हैं तो स्पेस रिसर्च, टेक्नोलॉजी और भारत-अमेरिका कैसे मानवता के लिए साथ काम कर सकते हैं, जैसे विषयों पर चर्चा की जाती है।

आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा सरकार गांव, गरीब, दलित, शोषित, वंचित, महिलाओं, युवाओं और किसानों की बात करती है। आज 9 करोड़ से ज्यादा बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिले हैं। कांग्रेस ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का लाल किले से शौचालय की चर्चा करने को लेकर उपहास किया था, लेकिन 12 करोड़ शौचालय बनाकर भाजपा सरकार ने महिलाओं और उनके परिवार को सम्मानित जीवन देने का कार्य किया है। यूपीए की सरकार में 18 हजार गांव बिना बिजली के थे, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 1000 दिनों के भीतर सभी गांवों तक बिजली को पहुंचाया। मोदी सरकार ने 80 करोड़ जनता को निःशुल्क राशन देने और 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का कार्य किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को सहायता राशि प्रदान की गई। नारी शक्ति वंदन विधेयक के कारण 2028 में मध्य प्रदेश विधानसभा और 2029 में लोकसभा में 33 प्रतिशत महिलाएं प्रतिनिधित्व करेंगी।

इंडी गठबंधन भ्रष्टाचार करने वाले लोगों का जमावड़ा बन गया है। आज जनता को चुनाव करना होगा कि देश की राजनीति को किस दिशा में ले जाना है। एक तरफ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार भ्रष्टाचार पर कठोर कार्रवाई करने और देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन दूसरी तरफ परिवार को बचाने और भ्रष्टाचार से अपने आप को बचाने का प्रयास कर रहा इंडी गठबंधन है। जनता को इन दोनों के बीच में चुनना है। राहुल गांधी, सोनिया गांधी और केजरीवाल सहित विपक्ष के तमाम नेता या तो बेल पर हैं या जेल में हैं। फारुख, महबूबा, बादल, चौटाला, अखिलेश, ममता, लालू, केसीआर, स्टालिन, शरद और उद्धव सहित विपक्ष के तमाम नेता अपने परिवार को बचाने की राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस भी अब सिर्फ मां, बेटा और बेटी की पार्टी हो गई है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अखिलेश यादव और लालू यादव सहित इंडी गठबंधन के सभी नेताओं पर भ्रष्टाचार और घोटालों के मामले चल रहे हैं। ▪

भाजपा ने आदिवासियों को अधिकार दिलाया - डॉ. मोहन यादव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का नारा है कि वे देश के प्रति जबावदार हैं, गरीबों के लिए जबावदार हैं, ईमानदारों के लिए जबावदार हैं, लेकिन बेईमानों, भ्रष्टाचारियों के लिए कठोर हैं।

भाजपा सरकार हमेशा से आदिवासियों के हितों के लिए लड़ाई लड़ती रही है। हमारी सरकार ने तो पहली कैबिनेट की बैठक ही रानी दुर्गावती के नाम पर जबलपुर में की थी। रानी दुर्गावती वीर, साहसी थीं, जो मुगलों से भी नहीं डरीं, मुगलों में भी सबसे बड़े शासक अकबर थे। उनकी सत्ता को चुनौती देते हुए रानी दुर्गावती ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, लेकिन भारत की आन-बान शान को झुकने नहीं दिया। ऐसी ही एक और वीर, साहसी रानी थी अवंतीबाई लोधी, जो अंग्रेजों के सामने न झुकी, न रूकी। उन्होंने भी लड़ते-लड़ते अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

हम नवरात्रि में शक्ति की पूजा ऐसे ही नहीं करते। इसमें हमारी आस्था है, हमारी श्रद्धा है, हमारी भावना है। हम माता-बहनों को सदैव सिर झुकाकर प्रणाम करते हैं। ये भाजपा की संस्कृति है, लेकिन इसके उलटे कांग्रेस के लोग माता-बहनों को भोग विलास की वस्तु मानते हैं। उनके मुंह से निकलने वाली भाषा माता-बहनों को लजाती है। उनकी इज्जत कम करती है। कांग्रेस के एक बड़े नेता की 13 माह की सरकार में बड़ा आयोजन किया गया। मुंबई से बड़ी अभिनेत्रियां बुलाई गईं। हमारे यहां तो नवरात्रि का आनंद बनता है।

भगवान और माताजी के मंदिर सजते हैं, भगवा लहराता है। साल में दो बार जब नवरात्रि आती है तो पूरा देश शक्ति संचय करके नए छह माह बनाने के लिए आगे बढ़ता है। हम तो माताओं-बहनों को संस्कृति मानने वाले लोग हैं। दुनिया में कोई देश ऐसा नहीं है, सिर्फ भारत देश ही है, जहां भारत माता को पूजा जाता है। दुनिया में अमेरिका अपने को अमेरिका माता नहीं मानता, इंग्लैंड भी माता नहीं मानता। दुनिया के सैकड़ों देश हैं, लेकिन एकमात्र देश भारत है जो मातृ सत्ता की ताकत को मानता है और भारत माता की जय-जयकार करके अपनी मातृ संस्था में मातृशक्ति में विश्वास करता है। ये हमारी भावना है और कांग्रेस के लिए भोग-विलास की वस्तु है। अब जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि, उनकी दृष्टि उनको मुबारक।

यदि कांग्रेस के दिलों में माताओं-बहनों के लिए इज्जत होती तो वह दिखती भी। कांग्रेसी कहते हैं कि माता-बहनों की इज्जत करेंगे, लेकिन कैसे इज्जत करोगे। कदम-कदम पर उनकी इज्जत लजाते हो। भाजपा ने प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 6 सीटों पर बहनों को टिकट दिया है, लेकिन कांग्रेस ने केवल एक टिकट ही दिया।

कोई गरीब ही गरीब का दर्द समझ सकता है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी गरीबी देखी है, रेलवे स्टेशन पर चाय बेची है। मैं खुद भी किसान, मजदूर परिवार से आता हूं, मैंने भी गरीबी देखी है और आज भाजपा ने मुझे सेवा करने का मौका दिया है। जिनके घरों से हेलीकाप्टर उड़ रहे हैं वे क्या गरीबों का दर्द समझेंगे, लेकिन अब गरीबों के लिए भी हेलीकाप्टर की व्यवस्था देश और प्रदेश की भाजपा सरकार कर रही है। हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि यदि किसी गरीब को बीमार होने, एक्सीडेंट होने पर एयर एम्बुलेंस की जरूरत पड़ेगी तो उसे सरकार एयर एम्बुलेंस से बड़े शहर के अस्पताल में छोड़ेगी। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश की गरीब जनता को पक्का मकान बनाकर दे रहे हैं। अब तक 2 लाख से अधिक पक्के मकान बनाकर दे दिए हैं। हर गरीब को आयुष्मान कार्ड देकर निःशुल्क इलाज की सुविधाएं दे रहे हैं, महिलाओं की आंखें नहीं जले इसके लिए उन्हें गैस सिलेंडर दिए हैं। गरीबों का यह दर्द गरीबी देखने वाला ही समझ सकता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का नारा है कि वे देश के प्रति जबावदार हैं, गरीबों के लिए जबावदार हैं, ईमानदारों के लिए जबावदार हैं, लेकिन बेईमानों, भ्रष्टाचारियों के लिए कठोर हैं। जो भी बेईमानी करेगा, भ्रष्टाचार करेगा वह जेल की सलाखों में होगा। 56 इंच के सीने वाले हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जिनको चुनाव लड़ाया है उसमें न कोई उनका भाई है और न ही कोई रिश्तेदार है, लेकिन कांग्रेस में किसी का बेटा, किसी का भाई, किसी का रिश्तेदार चुनाव लड़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश बचाने के लिए और कांग्रेस के नेता अपने घरों को बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

भाजपा की प्रदेश सरकार हमारे केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में विकास के कई रिकार्ड बना रही है। आज देश पूरी तरह से मोदीमय और कमलमय बना हुआ है।

पहले अंग्रेजों ने हमारी संस्कृति पर कुठाराघात किया। हमारे पाठ्यक्रमों से भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण और जीवन का मार्गदर्शन करने वाले सभी पाठ्यक्रम हटा दिए। अंग्रेज तो चले गए, लेकिन फिर कांग्रेस ने भी हमारी संस्कृति पर कुठाराघात किया और 'ग' गणेश की जगह 'ग' से गधा पढ़वाया। हमारे प्रदेश की धरती पर जहां-जहां श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाएं हुईं हैं, जहां-जहां उनके पैर पड़े हैं वहां-वहां तीर्थ स्थल बनाए जाएंगे।

अब बहुत सारों ने मिलकर एक दल बनाया है। इस दल में शामिल एक नेता ने सनातन धर्म पर बुरा बोला, लेकिन सनानत धर्म पर कुठाराघात करने वालों पर माफी मांगने के लिए कांग्रेस ने अब तक कुछ नहीं किया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी 100 गालियां सुनीं थी, लेकिन 101वीं गाली पर उनकी उंगली उठ गई। इस बार आप सभी को भी कांग्रेस के अपराधों को खत्म करने के लिए अपनी उंगली उठानी है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को वोट देना है। लोकतंत्र में हमें हमारी ताकत का अहसास होना चाहिए। बदलते दौर के भारत में आज सबसे ज्यादा जरूरत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की है और अब वक्त आ गया है कि घमंडिया गठबंधन के लोगों को सबक सिखाना है। ▪

भाजपा कार्यकर्ताओं में जीत का आत्मविश्वास

भाजपा के कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। भाजपा कार्यकर्ताओं को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 400 पार करने का रिकॉर्ड बनाना है।...

आज भारतीय जनता पार्टी के अलावा कोई भी पार्टी अपने विचारों पर नहीं टिकी रही है।

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बहुत भाग्यशाली है क्योंकि ये उस राजनैतिक दल के कार्यकर्ता हैं, जिसके चेहरे पर चुनाव में उतरने से पहले ही जीत का आत्मविश्वास साफ झलक रहा है। भाजपा ने वो समय भी देखा है जब नामांकन पत्र भरते समय ही प्रत्याशियों के मन में अपनी जीत को लेकर संदेह रहता था और आज वो समय भी देख रहे हैं जब जीत की नहीं अपितु वोटों के अंतर की बात कर रहे हैं। हर कार्यकर्ता कह रहा है कि 'फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार'। इस सफलता के पीछे चार-चार पीढ़ियां खप गई हैं, उनका तप और परिश्रम है जिसका फल आज के कार्यकर्ताओं को मिल रहा है। भाजपा ने वो समय भी देखा है जब लोग हार निश्चित होते हुए भी अपनी जमीनें बेचकर तब के जनसंघ की दीप को जलाए रखने के लिए चुनाव लड़ते थे और आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन ही अन्य पार्टियों की जनसभाओं से बड़ा होता है।

भाजपा के कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। भाजपा कार्यकर्ताओं को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 400 पार करने का रिकॉर्ड बनाना है। आज भारतीय जनता पार्टी के अलावा कोई भी पार्टी अपने विचारों पर नहीं टिकी रही है। सोशलिस्ट पार्टी कैपिटलिस्ट बन गई, मध्यमार्गी लोग दक्षिणमार्गी हो गई लेकिन अकेली भारतीय जनता पार्टी है जिसने अगर अपनी उत्पत्ति के समय ही कहा था कि एक देश में दो निशान, दो विधान नहीं रहेंगे तो भाजपा ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह की रणनीति के तहत 2019 में धारा 370 खत्म कर उसे पूरा भी किया है। ये भाजपा का वैचारिक प्रतिष्ठान है। भाजपा की राम मंदिर बनाने की प्रतिज्ञा का उपहास उड़ाया जाता था, लेकिन 22 जनवरी 2024 को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की और भव्य राम मंदिर सबके सामने बन कर तैयार है।

भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के नेतृत्व में एकात्म मानववाद की विचारधारा

का सृजन किया था। उसका भी उपहास उड़ाया गया, लेकिन 2014 में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने पर ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' की नीति पर चलते हुए अंत्योदय लागू कर एकात्म मानववाद को चरितार्थ किया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा 'GYAN' को लेकर आगे बढ़ी है। G अर्थात गरीब, Y अर्थात युवा, A अर्थात अन्नदाता और N अर्थात नारी शक्ति। भाजपा ने तीन तलाक को समाप्त कर मुस्लिम बहनों को न्याय दिलाया और उन्हें समाज के मुख्य धारा मे शामिल किया। तीन दशक से नारी शक्ति वंदन विधेयक संसद में रुका हुआ था, जिसे भाजपा ने संसद में तीन दिन में पास कराया। 2029 में 33 प्रतिशत बहनें संसद में और 2028 में मध्यप्रदेश की विधानसभा में चुन कर के आएंगी।

भाजपा 18 करोड़ लोगों की पार्टी है, लगभग 1 लाख 16 हजार शक्ति केंद्र हैं। लगभग 6 लाख 40 हजार बूथ की समिति है। किसी राजनीतिक दल के पास इतनी ताकत नहीं है। 2024 में भाजपा अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर 400 से अधिक सीटों पर जीत के आएगी। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, जिसके 94 एमपी राज्यसभा में, 1500 विधायक और 200 मेयर हैं। आज भारत यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो आने वाले समय में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। स्टील के उत्पादन में देश तीसरे नंबर पर, मोबाइल के उत्पादन में सबसे आगे है। ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में तीसरे नंबर पर है, ये आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की ताकत है। भारत सौभाग्यशाली है कि देश के पास नेता, नीति, नीयत और निर्णय लेने की ताकत है। भाजपा 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस और रिपोर्टकार्ड' को लेकर आगे चलती है।

सभी कार्यकर्ताओं को जीत के अंतर को बढ़ाने की अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाना है। कार्यकर्ताओं को सुनिश्चित करना है कि बूथ पर कोई नवमतदाता, बुजुर्ग कार्यकर्ता और लाभार्थी मतदान से वंचित न रह जाए। पन्ना प्रमुख, घर-घर जाकर भाजपा के संदेश एवं भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ को पहुंचाने और हर बूथ प्रमुख से अपने बूथ पर सर्वाधिक मतदाता जुटायें साथ ही, जीत का बड़ा अंतर करने में ही कार्यकर्ताओं का पुरुषार्थ निहित है। ▪

आए जिस-जिस की हिम्मत हो -अटल बिहारी वाजपेयी

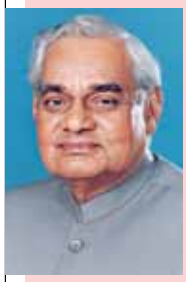

हिन्दु महोदधि की छाती में धधकी अपमानों की ज्वाला,
और आज आसेतु हिमाचल मूर्तिमान हृदयों की माला।

सागर की उत्ताल तरंगों में जीवन का जी भर क्रन्दन,
सोने की लंका की मिट्टी लख कर भरता आह प्रभंजन।

शून्य तटों से सर टकरा कर पूछ रही सरयू की धारा,
सगर-सुतों से भी बढ़ कर मृत आज हुआ क्या भारत सारा?

सरयू कहती राम कहाँ है? यमुना कहती कृष्ण कहाँ हैं?
व्यथित गण्डकी पूछ रही है चन्द्रगुप्त बलधाम कहाँ है?

अर्जुन का गाण्डीव किधर है, कहाँ भीम की गदा खो गई?
किस कोने में पांचजन्य है, कहाँ भीष्म की शक्ति सो गई?

अगणित सीताएँ अपहृत हैं, महावीर निज को पहिचानो,
अपमानित द्रुपदाएँ कितनी, समरधीर शर को संधानो।

अलक्षेन्द्र को धूलि चटाने वाले पौरुष फिर से जागो,
क्षत्रियत्व विक्रम के जागो, चणकपुत्र के निश्चय जागो।

कोटि-कोटि पुत्रों की माता अब भी पीड़ित, अपमानित है,
जो जननी का दुख न मिटाएँ उन पुत्रों पर भी लानत है।

लानत उनकी भरी जवानी पर जो सुख की नींद सो रहे,
लानत है, हम कोटि-कोटि हैं, किन्तु किसी के चरण धो रहे।

अब तक जिस जग ने पग चूमे आज उसी के सम्मुख नत क्यों?
गौरव-मणि खो कर भी मेरे सर्पराज आलस में रत क्यों?

गत गौरव का स्वाभिमान ले वर्तमान की ओर निहारो,
जो जूठा खा कर पनपा है उसके सम्मुख कर न पसारो।

पृथ्वी की संतान भिक्षु बन परदेशी का दान न लेगी,
गोरी की सन्तति से पूछो क्या हमको पहिचान न लेगी?

हम अपने को ही पहिचानें, आत्मशक्ति का निश्चय ठानें,
पड़े हुए जूठे शिकार को सिंह नहीं जाते हैं खाने।

एक हाथ में सृजन, दूसरे में हम प्रलय लिए चलते हैं,
सभी कीर्ति-ज्वाला में जलते, हम अँधियारे में जलते हैं।

आँखों में वैभव के सपने, पग में तूफानों की गति हो,
राष्ट्रभक्ति का ज्वार न रुकता, आए जिस-जिस की हिम्मत हो।

"विकसित भारत" के संकल्प को पूरा करेंगे

कांग्रेस ने 55 वर्षों तक राम मंदिर के मुद्दे को लटकाया, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने कार्यकाल में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर 500 वर्षों की प्रतीक्षा को खत्म किया है।

लोकसभा चुनाव में एक ओर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए है, वहीं दूसरी तरफ परिवारवाद एवं भ्रष्टाचार वाला इंडी गठबंधन है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का उद्देश्य गरीब, आदिवासी और पिछड़े समाज के प्रत्येक व्यक्ति का उत्थान करना है, जबकि विपक्षी गठबंधन एवं कांग्रेस पार्टी का एक मात्र लक्ष्य परिवार को आगे बढ़ाना है।

जब 2014 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सत्ता में आते ही गरीब, दलित और पिछड़ों के विकास का संकल्प लिया था और मीडिया ने इस संकल्प पर कटाक्ष किए। लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। भाजपा सरकार ने मध्यप्रदेश में 95 लाख किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ दिया है, 70 लाख महिलाओं के घर में नल से जल पहुंचाया है, 4 करोड़ गरीबों का 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराया है, 80 लाख घरों में शौचालय बनाए है, 83 लाख महिलाओं को गैस सिलेंडर दिया है और 42 लाख गरीबों को आवास दिया है। भाजपा सरकार ने पूरे देश में 80 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत निःशुल्क खाद्यान्न प्रदान किया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गरीब कल्याण के अनेक काम किए हैं।

कांग्रेस ने 55 वर्षों के शासन में जनजातीय समुदाय के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पहली बार एक आदिवासी महिला को देश का राष्ट्रपति बनाकर सम्मान दिया। कांग्रेस ने जनजातीय समुदाय के साथ सिर्फ धोखा किया है, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की भाजपा सरकार में पहली बार जनजातीय मंत्रालय का गठन किया गया और उसके बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बिरसा मुंडा जयंती को ''आदिवासी गौरव दिवस'' के रूप में मनाना शुरू किया। भाजपा सरकार ने पेसा अधिनियम को सबसे पहले मध्य प्रदेश में धरातल पर लागू किया है। भाजपा सरकार ने सैकड़ों एकलव्य विद्यालय बनाए हैं, आदिवासी क्षेत्र के विकास के लिए लगभग एक लाख करोड़ रुपए डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड के रूप में आवंटित किए हैं। कांग्रेस ने ''डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड'' की जगह ''डायनेस्टी मैनेजमेंट फंड'' बनाया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी चाहते हैं कि देश आगे बढ़े, लेकिन इंडी गठबंधन के नेता चाहते हैं उनके बेटे-बेटी आगे बढ़ें। ममता बनर्जी, शरद पवार, स्टालिन और सोनिया सहित इंडी गठबंधन के तमाम नेता

अपने बेटे-बेटी को सत्ता तक पहुंचाना चाहते हैं। सिर्फ अपने परिवार का भला सोचने वाले नेता कभी देश के गरीब, युवा, वंचित और महिला के हित कभी नहीं सोच सकते। देश के गरीब, युवा, वंचित और महिला के हित में सिर्फ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ही सोच सकते हैं। भाजपा सरकार ने अपने सभी वादे पूरे किए हैं। भाजपा सरकार में देश की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर पहुँच गयी है। भाजपा सरकार वर्ष 2027 तक भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाएगी।

कांग्रेस ने 55 वर्षों तक राम मंदिर के मुद्दे को लटकाया, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने कार्यकाल में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर 500 वर्षों की प्रतीक्षा को खत्म किया है। भाजपा सरकार में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल कॉरिडोर, सोमनाथ मंदिर नवीनीकरण और महाकाली मंदिर की पुर्नस्थापना सहित अनेक मंदिरों की पुर्नस्थापना की गई है। कांग्रेस नेता कश्मीर को भारत के अन्य राज्यों से जोड़ने पर सवाल उठाते हैं, लेकिन कांग्रेस ये भूल गई की माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने धारा 370 हटाकर कश्मीर को हमेशा के लिए भारत का एक अटूट हिस्सा बना दिया है। कांग्रेस शासन में आतंकवाद और नक्सलवाद पूरे देश को डस रहा था, लेकिन यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मध्य प्रदेश सहित पूरे देश से नक्सलवाद लगभग समाप्त कर दिया है।

कांग्रेस शासन में आए दिन देश में आतंकवादी हमले होते थे, लेकिन कांग्रेस आतंकवादियों पर कोई कार्रवाई नहीं करती थी। लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने पाकिस्तान में घुस कर सर्जिकल और एयर स्ट्राइक करके आतंकवादियों का सफाया किया। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला देश बना और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसका नाम शिव-शक्ति पॉइंट रखा, जिसे पूरे विश्व में सराहा गया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने जी-20 का सफल आयोजन कर पूरे विश्व में अपना कूटनीतिक परचम लहराया है।

भारतीय जनता पार्टी के शासन में मध्यप्रदेश में 906 किमी का नर्मदा एक्सप्रेसवे, 3000 करोड़ की लागत से रेलवे लाइन और आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया गया। इसके अलावा जनजातीय कृषि उपज जैसे कोदो, कुटकी, रागी, मक्का को मिलेट के नाम से दुनिया भर में प्रसिद्धि दिलाई, हेलन सिंचाई परियोजना के तहत 12 हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचित किया, चिंकी बोरास बराज बहुउद्देशीय परियोजना, सिवनी में 210 करोड़ का राजमार्ग, छिंदवाड़ा, सिवनी और मंडला में मेडिकल कॉलेज बनवाए। कांग्रेस ने 70 वर्षों तक पूरे देश को जातिवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार में बांटे रखा, लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश में से जातिवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म कर दिया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश में सिर्फ चार जातियां मानी हैं जो गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति हैं।

कांग्रेस ने देश में 12 लाख करोड़ रुपए के घोटाला किए और जब उनके ऊपर कार्रवाई हो रही है, तो उन्हें समस्या हो रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हर भ्रष्टाचारी को जेल में डालने और जनता को उनकी पाई-पाई लौटाने का संकल्प लिया था, जिसे वे आज चरितार्थ भी कर रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने अपने 10 वर्ष के शासन में मध्यप्रदेश को मात्र 1 लाख 99 हजार करोड़ रुपए आवंटित किया, लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में 7 लाख 74 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री को एक बार फिर से देश के प्रधानमंत्री बनाना जरुरी है। देश की माताओं-बहनों को संसद में 33 प्रतिशत का आरक्षण देकर महिलाओं को सशक्त बनाने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जनता का आशीर्वाद जरूर मिलना चाहिए। ▪

भाजपा बाबा साहब के संविधान की रक्षक है - हितानंद जी

हम एक विचार, एक लक्ष्य को लेकर चलते हैं। वर्ष 1952 में जनसंघ के गठन के साथ हम पहचान के लिए लड़ते थे, दूसरी पीढ़ी ने दूसरे स्थान पर आने के लिए लड़ाई लड़ी, तीसरी पीढ़ी ने सत्ता में आकर सेवा करने के लिए लड़ाई लड़ी, और अब चौथी पीढ़ी भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए लड़ाई लड़ रही है।

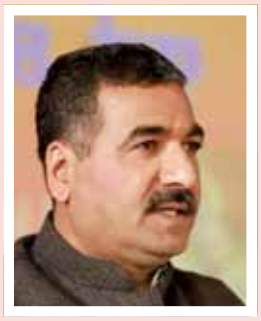

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भारत को विकास के पथ पर आगे ले जाने का कार्य कर रहे हैं। 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने से पहले भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें स्थान पर थी। श्री नरेन्द्र मोदी जी के दस वर्षों में किए गए विकास कार्यों से भारत आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जिस गति से देश का चहुंमुंखी विकास कर रहे हैं, उसी रफ्तार से देश का विकास होता रहा तो आने वाले कुछ वर्षों में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। इसके लिए जरूरी है कि श्री नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत से प्रधानमंत्री बनें। भारतीय जनता पार्टी ने आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का गौरव हासिल किया है तो वह सभी देवतुल्य निष्ठावान कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से ही संभव हुआ है।

हम एक विचार, एक लक्ष्य को लेकर चलते हैं। वर्ष 1952 में जनसंघ के गठन के साथ हम पहचान के लिए लड़ते थे, दूसरी पीढ़ी ने दूसरे स्थान पर आने के लिए लड़ाई लड़ी, तीसरी पीढ़ी ने सत्ता में आकर सेवा करने के लिए लड़ाई लड़ी, और अब चौथी पीढ़ी भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए लड़ाई लड़ रही है। यह लोकसभा चुनाव साधारण चुनाव नहीं है। यह लोकसभा चुनाव भारत को भव्य बनाने और परम वैभव पर ले जाने के लिए चुनाव है। श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा हर बूथ पर 370 नए मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने का जो मंत्र दिया गया है, उसे प्राप्त करने के लिए सभी कार्यकर्ता प्राणपण से जुट जाएं। 22 जनवरी को देश के कोने कोने के हर एक गांव में भगवा झंडा लहराया है। यह सनातन की शक्ति है। भाजपा जिस संकल्प के साथ आगे बढ़ी, वह सभी काम भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में पूरे किए हैं। ▪

श्रीरामलला के गर्भगृह में मुस्कुराने का चुनाव है - डॉ. मोहन यादव

यह चुनाव सामान्य चुनाव नहीं है। यह चुनाव यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश को आगे बढ़ाने का चुनाव है, देश की खुशहाली का चुनाव है, श्रीरामलला के गर्भगृह में मुस्कुराने का चुनाव है, गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं सहित देश की जनता को उनका अधिकार दिलाने का चुनाव है। प्रधानमंत्री ने पिछले 10 वर्षों में मध्यप्रदेश को कई सौगातें दीं। मध्यप्रदेश में विकास की गंगा बहाई गई। मां नर्मदा सबका जीवन धन्य करने वाली जीवंत नदी हैं, जो बरगी बांध से रीवा में सोन नदी से मिलने के लिए बढ़ रही है, ये केवल भाजपा की सरकार में हो सकता था। भाजपा सरकार द्वारा लगातार नदियों को जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है।

कांग्रेस ने देश-प्रदेश में 60 वर्षों से अधिक समय तक राज किया। इनके नेता आदिवासियों, गरीबों, महिलाओं को आश्वासन देकर उनका इस्तेमाल सिर्फ वोट बैंक के लिए करते रहे। आदिवासियों, गरीबों को पक्का मकान तक बनाकर नहीं दे सके। यदि गरीबों, आदिवासियों को पक्की छत किसी ने दी है तो वो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने दी है। प्रधानमंत्री ने सिर्फ पक्के मकान ही नहीं, बल्कि गांव-गांव तक सड़कों का जाल, घर-घर तक पानी की टोंटी, 24 घंटे बिजली देने का काम भी किया है।

भाजपा तो राजनीति ही सेवा करने के लिए करती है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संकल्प ही देश और देशवासियों की सेवा करने का है। उनके संकल्प को हम सब भी मिलकर पूरा करने का काम कर रहे हैं। पहले वन्य ग्रामों, आदिवासी अंचलों में रहने वाले लोग अपने गांव एवं जंगल से बाहर नहीं निकल पाते थे, लेकिन उनके जीवन को भी बदलने का कार्य हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। आदिवासियों के बच्चे अब बड़े-बड़े शहरों में एवं विदेशों में भी पढ़ाई के लिए जा रहे हैं। उनका जीवन स्तर भी पूरी तरह बदल गया है।

भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण का जीवन हमें जीने की कला सिखाता है। भगवान श्रीराम एक आदर्श बेटे, आदर्श पति, आदर्श भाई और आदर्श स्वामी के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने भी कठिन से कठिन दौर देखे। जब वे 14 वर्षों

अयोध्या में श्रीरामलला विराजमान हो गए हैं। वे गर्भ गृह में मुस्कुरा रहे हैं। अब अयोध्या के बाद चित्रकूट धाम का ही नंबर आ रहा है।

अब दुनिया जैसे ही अयोध्या से निकलेगी तो उसकी दृष्टि चित्रकूट में ही पड़ेगी। चित्रकूट का जब आनंद बढ़ेगा तो यहां का नजारा ही कुछ और होगा। चित्रकूट में विकास के कार्यों की कोई कमी नहीं होगी। यहां पर विकास की गंगा बहाएंगे।

के लिए अयोध्या से निकले तो उनके लिए सबसे अच्छा समय इस विंध्य की धरती पर ही रहा। चित्रकूट सहित विंध्य की धरती पर वे लंबे समय तक रहे। हमारी भाजपा सरकार ने निर्णय लिया है कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के मध्यप्रदेश में जहां-जहां चरण पड़े, जहां-जहां उनकी लीलाएं हुईं, उन प्रत्येक स्थान को तीर्थ के रूप में विकसित करेंगे।

कांग्रेस के लोगों ने भगवान श्रीराम के मामले में हमेशा से अड़ंगे लगाए। उन्होंने कोर्ट में भी भगवान श्रीराम के बारे में प्रश्न चिन्ह खड़े किए। अगर राम को गायब कर दोगे, तो शबरी माता का किस्सा कहां से आएगा? कांग्रेस ने हमारे देवी-देवताओं को नकारने का काम किया। 22 जनवरी 2024 के दिन मंदिर बनाने वालों ने कांग्रेस के सारे पाप माफ कर दिए, लेकिन नहीं आने वालों में एकमात्र पार्टी कांग्रेस का नाम है। जो भगवान श्रीराम को ठुकराएंगे, जनता उन्हें ठुकराएगी, आप हमारे भगवान का अपमान करोगे और फिर हमसे वोट की कामना करोगे। ये दोनों बातें नहीं चलेगी। इस पाप के लिए कांग्रेस और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष माफी मांगे कि हमने भगवान श्रीराम का निमंत्रण ठुकराकर गलती की थी।

हमारी सरकार आते ही हमने निर्णय किया कि मोटे अनाज कोदो-कुटकी में 1000 रुपए क्विंटल की वृद्धि करके 3000 रुपए के बजाय 4000 रुपए प्रति क्विंटल का भाव देंगे। आने वाले समय में इसे और आगे बढ़ाते जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सभी मोटे अनाज कोदो-कुटकी, ज्वार, बाजरा को 'श्री अन्न' नाम दिया। भाजपा की सरकार ने 5 साल का संकल्प पत्र भी दिया है। हमने संकल्प पत्र में कहा था कि गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रुपए प्रति क्विंटल करेंगे। अभी हमारी सरकार के 3 महीने हुए हैं।

हमने 2275 रूपए समर्थन मूल्य एवं 125 रूपए बोनस देकर 2400 रूपए में किसानों का गेहूं खरीदा है और आने वाले पांच वर्षों में गेहूं का समर्थन मूल्य 3 हजार रूपए प्रति क्विंटल तक किया जाएगा। अब कांग्रेस के सीने में सांप लोट रहे हैं। हमने निर्णय लिया है जैसे अन्न खरीदने के लिए बोनस देते हैं, वैसे ही दुग्ध उत्पादन पर भी सरकार बोनस देगी। कांग्रेसी बोल रहे थे कि लाड़ली बहना योजना बंद हो जाएगी, लेकिन उन्हें ये नहीं पता है कि ये भाजपा की सरकार है। भाजपा की सरकार योजनाएं शुरू करती हैं, इन्हें बंद करने का काम तो कांग्रेस करती है। भाजपा सरकार में शुरू की गई कोई भी योजना को बंद नहीं किया जाएगा। लाड़ली बहना योजना भी चलती रहेगी और माताओं-बहनों के खातों में राशि पहुंचती रहेगी।

यह चुनाव ईमानदार और बेईमानों के बीच का चुनाव है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ईमानदारी से काम कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने बेइमानों को उनके स्थानों पर पहुंचा दिया। अब कोई बेईमान जेल में है तो कोई जमानत पर बाहर हैं। अब सभी बेईमान एक साथ हो गए हैं। कोई ऐसा नेता बता दो जो भ्रष्टाचारी है और उस पर मुकदमा नहीं चल रहा हो। चाहे सोनिया गांधी हों, राहुल गांधी हों, प्रियंका गांधी हों, लालू प्रसाद यादव सहित कई अन्य नेता तो जमानत पर बाहर हैं और अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्री तो जेल में ही हैं। यह धन से ज्यादा नैतिकता का चुनाव है। ईमानदार और बेईमानों के बीच का चुनाव है। इस चुनाव में कांग्रेस को जीरो मिलना चाहिए।

जब देश में मनमोहन सिंह की सरकार आई तो वे रामसेतु को तोड़ने चले। मोहम्मद गजनबी ने सोमनाथ का मंदिर तोड़ा था, लेकिन उस सोमनाथ के मंदिर को सरदार वल्लभ भाई पटेल ने बनवाने का बीड़ा उठाया था और सोमनाथ का मंदिर बनवाया था। नेहरू परिवार ने इस कार्य में भी अड़ंगे लगाए थे।

अयोध्या में श्रीरामलला विराजमान हो गए हैं। वे गर्भ गृह में मुस्कुरा रहे हैं। अब अयोध्या के बाद चित्रकूट धाम का ही नंबर आ रहा है। अब दुनिया जैसे ही अयोध्या से निकलेगी तो उसकी दृष्टि चित्रकूट में ही पड़ेगी। चित्रकूट का जब आनंद बढ़ेगा तो यहां का नजारा ही कुछ और होगा। चित्रकूट में विकास के कार्यों की कोई कमी नहीं होगी। यहां पर विकास की गंगा बहाएंगे। विकास के मामले में मध्यप्रदेश कभी पीछे नहीं रहेगा। अब हमारा अगला पड़ाव मथुरा की ओर होने वाला है। ये हमारा देश भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण का देश है, लेकिन कांग्रेस ने इसे लगातार लज्जित करने का प्रयास किया है। पहले भगवान श्रीराम के प्रमाण पूछे, लेकिन उनके निमंत्रण को ठुकरा दिया। ▪

स्थापना दिवस के शुभ अवसर भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा जी ने ध्वजारोहण किया

श्री नड्डा जी ने केन्द्रीय कार्यालय में जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी और जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं भाजपा के संस्थापक अध्यक्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

भारतीय जनता पार्टी के 45वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर पार्टी अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने केन्द्रीय कार्यालय परिसर में पार्टी के झंडे का ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात श्री नड्डा जी ने केन्द्रीय कार्यालय में जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी और जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं भाजपा के संस्थापक अध्यक्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

भाजपा अध्यक्ष ने भाजपा के स्थापना दिवस पर पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आगामी लोकसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की विजय का संकल्प लेने का आव्हान किया। संगठन की प्रेरक यात्रा हमारे वरिष्ठ नेताओं व कोटिश: कार्यकर्ताओं के तप, त्याग व समर्पण से ही संभव हुआ है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में धारा 370 धाराशायी हुआ, श्री राम जन्मभूमि पर राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई, तीन तलाक समाप्त हुआ। एकात्म मानववाद के बाद अंत्योदय और अंत्योदय के बाद सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ समावेश किया गया। भारतीय जनता पार्टी एक कैडर बेस्ड पार्टी है। आज लगभग 8.40 लाख बूथों पर बूथ समितियां काम कर रही है। निवर्तमान लोकसभा में भाजपा के 303 सांसद हैं। राज्यसभा में भाजपा के 94 सदस्य हैं। देश में भाजपा के 1500 विधायक हैं। लगभग 150 मेयर हैं। हजारों की संख्या में जिला परिषद में अध्यक्ष और सदस्य हैं। जनता के प्रतिनिधित्व में भी भारतीय जनता पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आगामी लोकसभा चुनाव में 400 पार का संकल्प लेकर काम करने में जुट जाएं।

इसके लिए हर कार्यकर्ता हरेक बूथ पर घर-घर जाकर संपर्क करें और हर व्यक्ति से संपर्क कर पार्टी की विचारधारा एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संदेश पहुंचाएं - फिर एक बार मोदी सरकार। यह मोदी की गारंटी है कि जो गारंटी के भी पूरा होने की गारंटी है। आगामी चुनाव में पूरी ताकत से लग कर 400 पार के संकल्प को पूरा करें। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी जिस मुकाम पहुंची है, उसके लिए कई पीढ़ियों के कार्यकर्ताओं ने अपना सर्वस्व बलिदान दिया है। इन कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों ने इस वैचारिक अनुष्ठान के लिए अपना खून पसीना एक कर दिया और कार्यकर्ताओं के इस तप एवं योगदान के कारण ही आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। 'अंत्योदय' के हमारे संकल्प और सेवा, सुशासन एवं गरीब-कल्याण का मंत्र लोगों के जीवन में प्रभावी परिवर्तन लेकर आया है। भाजपा के कार्यकर्ता 'विकसित भारत निर्माण' का संकल्प लेकर आगामी चुनाव में अभूतपूर्व विजय के ध्येय प्राप्ति हेतु कटिबद्ध हैं। ▪

जनता ने ठाना- एक बार फिर मोदी सरकार

कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन के युद्ध के बाद अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, आईएमएफ ने इस बारे में कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था एक "ब्राइट स्पॉट' है।...

भारत अर्थव्यवस्था में विश्व में 11वें स्थान पर था, लेकिन अब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था बन चुका है।

जनता का उमंग, उत्साह देखकर यह भरोसा होता है कि जनता ने मन बना लिया है - एक बार फिर मोदी सरकार बनेगी और प्रचंड बहुमत से 400 पार सीट जीतेगी। मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव के दौरान जनता को विश्वास हो गया था, 'एमपी के मन में मोदी हैं, और मोदी के मन में एमपी है,' और अब आगामी लोकसभा चुनाव में भी जनता का भरोसा हो गया है, 'मोदी के मन में देश हैं, देश के मन में मोदी है।' पहले राजनीति जाति के आधार पर होती थी, कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करती है, और जब सरकार किसी जाति, वर्ग और समुदाय के आधार पर रहती थी तब संपूर्ण भारत के विकास के लिए कार्य नहीं करती थी, मगर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 10 वर्षों में राजनीति की परिभाषा बदल डाली है, अब वोट बैंक की राजनीति नहीं रिपोर्ट कार्ड की राजनीति होती है।

कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन के युद्ध के बाद अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, आईएमएफ ने इस बारे में कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था एक 'ब्राइट स्पॉट' है। भारत अर्थव्यवस्था में विश्व में 11वें स्थान पर था, लेकिन अब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था बन चुका है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री चुने जाएंगे और 2027 तक भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। ऑटोमोबाइल उद्योग में, भारत जापान को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर आ गया है। 10 वर्ष पहले, मोबाइलों पर 'मेड इन चाइना' लिखा जाता था, लेकिन आजकल 'मेड इन इंडिया' लिखा जाता है। भारत अब दुनिया की डिस्पेंसरी बन चुका है, और यहां सबसे सस्ती और प्रभावी दवाइयां उत्पन्न हो रहीं हैं और दुनिया के अन्य देशों में निर्यात भी हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप 138 प्रतिशत दवाइयां उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो गई है। पहले के समय में भगवान की मूर्तियां और बच्चों के खिलौने चीन से आते थे, लेकिन आज भारत यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में खिलौने उत्पादन में भारत ढाई गुना बढ़ गया है। भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, हाइवे, इंटरनेट, रेलवे, और एयरवेज (HIRA) के माध्यम से पूर्वोत्तर के विकास के लिए आगे बढ़ रही है। 10 वर्षों में 1 लाख 65 हजार किलोमीटर नेशनल हाईवे देश में बन गया है, गांव में इंटरनेट सुविधा पहुंचाने के लिए ऑप्टिकल फाइबर की सुविधा पहुंच गई है। भारत के विकास के लिए हर दृष्टि से कार्य किया गया हैं, मध्य प्रदेश में रेलवे में 24 गुना बजट में बढ़ोत्तरी हो गई है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश पूरी तरह सुरक्षित है। कांग्रेस के शासन में पहले हर दिन पाकिस्तान से आतंकवादी आकर बम धमाके करते थे लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमने एयर स्ट्राइक और सर्जिकल

स्ट्राइक कर के पाकिस्तान के घर में घुस कर उन्हें मुंह तोड़ जवाब दिया है। आज सुरक्षा की दृष्टि से भी हमारा देश मजबूत हो रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछले 10 वर्षों में ग्रामीण, गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ित, दलित, युवा, महिला और किसान की चिंता की है और इन्हें मुख्य धारा में जोड़ा है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत गांव-गांव तक पक्की सड़क पहुंच गई है। उज्ज्वला योजना के तहत माताओं बहनों को गैस सिलेंडर मुहैया करवाया जा रहा है। जल जीवन मिशन के तहत 11 करोड़ 30 लाख घरों तक नल से जल पहुंच रहा है जिसमें से 55 लाख घर मध्य प्रदेश के हैं। लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ पक्के घरों का निर्माण किया गया है।

मध्य प्रदेश में 47 लाख पक्के मकान बने है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने संकल्प लिया है कोई भी भारत का नागरिक कच्चे मकान में नहीं रहेगा बल्कि सबको पक्का मकान आवंटित किया जाएगा। विपक्षी पार्टी के कार्यकाल में जनता अपने इलाज के लिए अपने जमीन को बेच देती थी, लेकिन यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने भारत के 55 करोड़ गरीब लोगों को आयुष्मान भारत की सुविधा प्रदान की जिससे गंभीर बीमारियों से लड़ने के लिए इलाज की व्यवस्था हुई है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत,11 करोड़ 78 लाख किसानों को केंद्र सरकार से 6000 मिलते हैं, और मध्य प्रदेश में अतिरिक्त 80 लाख किसानों को राज्य सरकार से हर चार महीने में 2000 मिलते हैं, इस तरह मध्य प्रदेश में हर किसानों को प्रति वर्ष 12000 की राशि प्राप्त होती है। एमपी के मन में मोदी हैं, और मोदी के मन में एमपी है, यह केवल नारा नहीं हैं। आज मध्य प्रदेश का बजट टैक्स डिवोल्यूशन में चार गुना बढ़ा दिया है। वंदे भारत या अमृत भारत के तहत स्टेशन निर्माण में विकास को तेजी से बढ़ने का कार्य कर रही है। लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत बहनों को मजबूती से आगे बढ़ने का कार्य कर रहे है। आचार संहिता लगने से पहले सिंचाई की योजना के अंतर्गत 1000 करोड़ रुपए मध्य प्रदेश को प्रदान कर दिए गया है।

घमंडिया गठबंधन के नेताओं को आगामी चुनावों में अपनी स्पष्ट हार से हताशा के कारण माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का सहारा लेना पड़ रहा है। राजद नेता और लालू यादव की बेटी के एक चौंकाने वाला बयान दिया, जिसमें कहा है कि यदि उनकी सरकार सत्ता में आती है, तो वे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जेल भेज देंगे। श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री और 12 वर्षों तक मुख्यमंत्री के रूप में ईमानदारी के साथ कार्य किया है, भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं लगा है उन पर। इसके बावजूद मीसा भारती ने उनके खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। लालू यादव और राबड़ी देवी जमानत पर हैं। इनके ऊपर चारा घोटाले और नौकरी के बदले जमीन घोटाले जैसे कई मामले चल रहे हैं। इसके बावजूद मीसा भारती देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल करती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं भ्रष्टाचार हटाओ और दूसरी ओर इंडी गठबंधन के नेता कहते हैं भ्रष्टाचारियों को बचाओ। 'एक पंख वाले पक्षी एक साथ झुंड में आते हैं,' - ऐसा ही हाल इंडी गठबंधन के नेताओं का है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, सशस्त्र बलों के लिए वन रैंक वन पेंशन की लंबे समय से चली आ रही मांग, जिसे पिछली सरकारों ने नजरअंदाज कर दिया था, उनके कार्यकाल के दूसरे वर्ष में लागू किया गया था।

गरीब कल्याण योजना के तहत 80 करोड़ जनता को 5 किलो गेहूं, चावल और 1 किलो दाल निःशुल्क प्रदान करने का कार्य किया है जिसके द्वारा आज भारत में 25 करोड़ गरीबी रेखा से रहने वाले लोग ऊपर उठ गए हैं।

कांग्रेस सीडब्ल्यूजी, कोयला, 2जी-3जी, अगस्ता वेस्टलैंड, चावल, चीनी, पनडुब्बी जैसे कई घोटालों में शामिल रही है। कांग्रेस ने कोई भी क्षेत्र नहीं छोड़ा है बल्कि उन्होंने जमीन से लेकर आसमान और यहां तक कि पाताल, तीनों लोक में घोटाले किये हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव गोमती रिवरफ्रंट परियोजना, लैपटॉप वितरण घोटाला और अलकतरा घोटाले से जुड़े मामलों में फंसे हुए हैं। राजद नेता लालू यादव पर नौकरियों के बदले जमीन, चारा घोटाले से संबंधित आरोप हैं। शिक्षकों की भर्ती से जुड़े घोटाले में टीएमसी नेता फंसे हुए हैं, अशोक गहलोत की सरकार पर भर्ती घोटाले में शामिल होने का आरोप है, बीआरएस के नेता के. कविता पर शराब घोटाले में शामिल होने का आरोप है। आप नेता अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले और दवा घोटाले से जुड़े आरोपों से जुड़े हैं। हेमंत सोरेन पर जमीन घोटाले का आरोप है। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, पी. चिदम्बरम, कार्ति चिदम्बरम, लालू यादव, संजय सिंह, यह सभी नेता जमानत पर बाहर हैं। इसके अलावा दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन और आजम खान जेल में हैं। इंडी गठबंधन के अधिकतर नेता या तो जमानत पर हैं या जेल में हैं।

इंडी गठबंधन के नेता उमर अब्दुल्ला, अखिलेश यादव, लालू यादव, ममता बनर्जी, स्टालिन, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और गांधी परिवार - ये सब परिवारवादी और वंशवादी हैं। भाजपा एकमात्र पार्टी है जो लोकतंत्र का पालन करती है। देश का मूड 'अबकी बार 400 पार' का है - इस बार मध्य प्रदेश की सभी सीटों पर कमल खिलेगा। ▪

प्रधानमंत्री जी गरीबों की जिंदगी बदल रहे हैं - विष्णुदत्त शर्मा

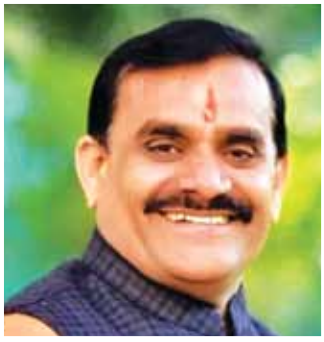

बाबा साहब ने अपने जीवन में व्यक्तित्व व कृतित्व से देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने के लिए सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर संकल्प लेते हैं कि बाबा साहब के बनाए संविधान और सामाजिक समरसता के सूत्र को लेकर कार्य करते रहेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सामाजिक समरसता के सूत्र वाक्य को साकार करते हुए सबका साथ, सबका विकास को लेकर कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने सामाजिक समरसता के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए गरीब कल्याण की योजनाएं बनाई और गरीबों की जिंदगी बदलने के लिए कार्य कर रहे हैं। ▪

विकास का रॉकेट और ऊंचाई पर ले जाना है

- मोदी को रोकने के नाम पर इकट्ठा हुए इंडी अलायंस के लोगों का असल मकसद देश के विकास को रोकना है।
- हमारी ही सरकार ने पहली बार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत की।
- भाजपा ने समाज के उस दलित-पिछड़ा-आदिवासी वर्ग को सम्मान दिया है, जिसे पिछली सरकारों ने पहचान से भी वंचित रखा था।

4-5 महीने पहले विधानसभा चुनाव में सब लोगों ने मिलकर के कांग्रेस को पूरी तरह साफ कर दिया। अब लोकसभा चुनाव में तो कांग्रेस के लोग, भाजपा से नहीं लड़ रहे हैं, एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। इसलिए कोने-कोने से आवाज आ रही है-

फिर एक बार, मोदी सरकार!
फिर एक बार, मोदी सरकार!
फिर एक बार, मोदी सरकार!

2024 का लोकसभा चुनाव 21वीं सदी के भारत का बहुत अहम् चुनाव है। ये सिर्फ चुनाव नहीं है, कौन एमपी बने, कौन नहीं बने, इतने भर का ये चुनाव नहीं है। नए भारत के निर्माण का मिशन है। ये विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला चुनाव है। जब जी-20 में दुनिया के बड़े-बड़े फैसले, असंभव लगने वाले फैसले भारत में लिए जाते हैं, तो हर देशवासी को लगता है उसकी ताकत बढ़ गई है।

जब अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक भारत का डंका बजता है, तो हर देशवासी को लगता है कि उसका अपना सम्मान बढ़ा है। कभी कांग्रेस सरकार अपनी शिकायतें लेकर दूसरे देशों के पास जाती रहती थी। लेकिन, आज वक्त बदल चुका है। दुनिया के बड़े-बड़े देश, आपस में युद्ध कर रहे देश, भारत से अपने मुद्दों पर बात करने के लिए आते हैं। अपने देश का ये रुतबा देखकर हर हिंदुस्तानी का हौसला बुलंद हो जाता है। ये चुनाव देश के इसी बदलाव को नई बुलंदी देने का चुनाव है।

आजादी के बाद दशकों तक कांग्रेस बहुत ही पुरानी सोच पर चली। एक तो उनके मन में आजादी के आंदोलन का अहंकार भरा पड़ा था और सामान्य मानवी ने जो आजादी के आंदोलन में त्याग किया, तपस्या की, बलिदान किया, उसको उन्होंने सत्ता में आते ही नकार दिया। और एक छोटी सी कोटरी, छोटे सा

2024 का लोकसभा चुनाव 21वीं सदी के भारत का बहुत अहम् चुनाव है। ये सिर्फ चुनाव नहीं है, कौन एमपी बने, कौन नहीं बने, इतने भर का ये चुनाव नहीं है। नए भारत के निर्माण का मिशन है।

ये विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला चुनाव है। जब जी-20 में दुनिया के बड़े-बड़े फैसले, असंभव लगने वाले फैसले भारत में लिए जाते हैं, तो हर देशवासी को लगता है उसकी ताकत बढ़ गई है। जब अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक भारत का डंका बजता है, तो हर देशवासी को लगता है कि उसका अपना सम्मान बढ़ा है।

परिवार का कुनबा हावी हो गया। और उसी की सोच देश को पिछड़ेपन की तरफ धकेलती गई। कांग्रेस सोचती थी कि हम तो गरीब देश हैं और गरीब देश को आधुनिक सड़कों की, आधुनिक रेल की, नए एयरपोर्ट की क्या जरूरत है। कांग्रेस के बड़े नेता जिन दो-तीन बड़े शहरों में रहते थे, वहां अपने लिए ये सुविधाएं जुटाकर, ये लोग देश के दूसरे शहरों को भूल जाते थे। सबका साथ-सबका विकास के मंत्र पर चल रही बीजेपी सरकार, देश के हर शहर को, देश के हर गांव को प्राथमिकता दे रही है।

हमारी सरकार देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर लाखों करोड़ रुपए खर्च कर रही है। आधुनिक सुविधाओं पर इतना पैसा देश की किसी सरकार ने आज तक खर्च नहीं किया है। आज चाहे सिवनी-नागपुर के बीच फोरलेन हाईवे हो, गोंदिया-बालाघाट-सिवनी हाइवे हो, नर्मदा प्रगतिपथ- विंध्य प्रगतिपथ हो, आधुनिक वंदे भारत ट्रेन हों, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मध्य प्रदेश के 80 स्टेशनों का विकास हो, बीजेपी सरकार, एमपी का कायाकल्प कर रही है। बालाघाट से गोंदिया वाली जिस ब्रॉडगेज रेलवे लाइन की नींव करीब तीस साल पहले रखी गई थी, उसे भी ये मोदी ने आकर के पूरा किया है। बालाघाट की वारासिवनी हैंडलूम साड़ियों को ''जीआई टैग'' मिले, बनारसी साड़ियों की तरह उनकी भी धूम मचे, बीजेपी सरकार इसके लिए भी काम कर रही है। यही विकसित मध्यप्रदेश से विकसित भारत की मोदी की गारंटी है। ये बदलाव केवल 10 वर्षों की मेहनत का परिणाम है। इतना सारा हुआ है, लेकिन **मोदी का तो यही कहना है कि ये तो अभी ट्रेलर है। अभी तो बहुत कुछ करना है, देश को बहुत आगे लेकर जाना है।**

आप मेरी जिंदगी को जानते हैं। बहुत बारीकी से आपने मुझे बराबर देखा है, तराशा है। और आपने देखा है कि मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ है। मोदी मेहनत करता है, क्योंकि उसके लक्ष्य बहुत बड़े हैं। देश के लिए हैं। आपके लिए हैं। आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हैं और ये मेहनत इसलिए कर रहा है। जब इतना सारा काम हुआ तो लोग कहते हैं मोदी जी आप इसको ट्रैलर क्यों कहते हैं। इतना सारा कर लिया।

अब मैं गांव की भाषा में अगर समझाना है तो मैं ये ही कहता हूं कि आपने देखा होगा कि गांव में दीवाली के दिनों में बड़ा रॉकेट छोड़ना है, बहुत ऊंचे जाने वाला रॉकेट छोड़ना है तो बच्चे क्या करते हैं। पहले वो फुलझड़ी, फुलझड़ी होती हैं न उसको जलाते हैं। फिर दूर से फुलझड़ी से उस रॉकेट को अग्नि देते हैं। और फिर रॉकेट उड़ता है। अब फुलझड़ी को देखकर भी लगता तो है वाह-वाह बहुत बढ़िया पटाखे फूट रहे हैं। लेकिन उसका लक्ष्य तो रॉकेट को ऊपर ले जाना होता है। वैसे ही मोदी ने अब तक जो काम किया है ना वो तो फुलझड़ी है, फुलझड़ी। अभी तो विकास का रॉकेट और ऊंचे ले जाना है। भारत के पूरे सामर्थ्य से असली दीवाली मननी ये तो अभी बाकी है।

आज भाजपा सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए काम कर रही है। भाजपा ने समाज के उस दलित-पिछड़ा-आदिवासी वर्ग को सम्मान दिया है, जिसे पिछली सरकारों ने पहचान से भी वंचित रखा था। आज बीजेपी सरकार जरूरतमंदों को मुफ्त राशन दे रही है। ये राशन पाने वाले बहुत बड़ी संख्या में इसी वंचित समाज से आते हैं।

एक समय था जब अधिकांश आदिवासी इलाकों में पानी की सप्लाई की सुविधा तक नहीं थी। हमने इतने कम समय में घरों में नल से जल की सुविधा पहुंचा दी है। आज किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है।

कॉंग्रेस ने हमारे आदिवासी भाई-बहनों को जल-जंगल-जमीन के अधिकारों से भी वंचित रखा था। आज एक करोड़ से ज्यादा जनजातीय समाज के लोग पेसा कानून का लाभ ले रहे हैं। लाखों आदिवासी भाइयों-बहनों को वन-अधिकार का पट्टा भी भाजपा सरकार ने ही दिया है। दूसरी ओर कॉंग्रेस है, जो अभी भी अपनी पुरानी मानसिकता में जकड़ी हुई है। भाजपा जब देश में पहली महिला, आदिवासी महिला राष्ट्रपति के लिए आगे बढ़ी, तब कॉंग्रेस ने उन्हें हराने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। कॉंग्रेस ने कभी आदिवासी विरासत का सम्मान भी नहीं किया। कॉंग्रेस ने तो गोविंद गुरु जैसे क्रांतिकारियों को स्वतन्त्रता सेनानी का दर्जा तक नहीं दिया था।

कॉंग्रेस आजादी का श्रेय किसी आदिवासी को नहीं अपने शाही परिवार को देना चाहती है। ये हमारी सरकार है जिसने गोविंद गुरु को स्वतन्त्रता सेनानी का दर्जा दिया। ये हमारी सरकार ने टंट्या मामा को सम्मान दिया। ये हमारी ही सरकार ने पहली बार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जन-जातीय गौरव दिवस की शुरुआत की। आप मुझे बताइये, इस कॉंग्रेस को क्या एक भी सीट पर मौका मिलना चाहिए क्या? एक पर भी मिलना चाहिए क्या पूरी तरह क्लीन करना चाहिए कि नहीं करना चाहिए।

कॉंग्रेस ने अब आजकल एक इंडी अलायंस बनाकर देश के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है। ये लोग, आपस में एक दूसरे से झगड़ते हैं लेकिन कहते हैं कि मोदी को रोकने के लिए साथ आए हैं। लेकिन, असल में इन्हें मोदी को नहीं रोकना है। इंडी गठबंधन वालों को मोदी को रोकना नहीं है, देश के विकास को रोकना है। इसलिए ये लोग मोदी को गालियां दे रहे हैं, मोदी को धमकियां दे रहे हैं। मैं अपना सब कुछ छोड़कर देश-सेवा के मिशन पर चला हूँ। मोदी के लिए, मेरा भारत ही मेरा परिवार है। जो लोग अपनी तिजोरियाँ भरने राजनीति में आए हैं, वो मोदी को धमकी न दें।

मोदी तो अपनी कमाई भी देश के काम लगा देने की आदत रखता है। मैं बताना चाहता हूँ, **मोदी भक्त है- महाकाल का! मोदी झुकता है तो या तो जनता जनार्दन के सामने, या महाकाल के सामने! मैंने महाकाल से देश-सेवा के लिए गालियां और अपमान को बर्दाश्त करना सीखा है। और मैंने देश विरोधी ताकतों को अंजाम तक पहुंचाना भी सीखा है।** मोदी इनकी गीदड़ भभकियों से डरने वाला नहीं है।

ये इंडी गठबंधन मुझसे कितना चिढ़े हुए हैं, ये पूरा देश देख रहा है। मोदी देश की सुरक्षा की गारंटी देता है, तो ये लोग मोदी को गाली देते हैं। मोदी कश्मीर से 370 को हटाने की गारंटी पूरी करता है, तो ये लोग पाकिस्तान की भाषा बोलने लग जाते हैं। मोदी गरीब कल्याण की गारंटी देता है, माताओं बहनों के लिए इज्जतघर बनाने की बात करता है, तो ये लोग मोदी का मजाक उड़ाते हैं। रामलला की जब प्राण-प्रतिष्ठा होती है, तो ये लोग मोदी को गाली देते हैं। और, केवल मोदी को गाली दें तो समझ आता है। इंडी अलायंस के लोग सनातन धर्म को नष्ट करने की सौगंध खाकर इस चुनाव में उतरे हैं।

मुझसे इनकी एक और बड़ी दुश्मनी है। बीजेपी सरकार आज भ्रष्टाचार के एक-एक रास्ते को बंद कर रही है। बीजेपी सरकार गरीबों के हक का पैसा सीधे गरीबों के खाते में भेज रही है। जिन्होंने देश का पैसा लूटा है, अब उनके ऊपर कानून का शिकंजा भी कसा जा रहा है। परिवारवादी पार्टियों के नेताओं के पास से खुलेआम सैकड़ों करोड़ रुपये बरामद हो रहे हैं। नोट गिनने वाली मशीनें थक जाती हैं। बिगड़ जाती हैं। खराब हो जाती हैं। लेकिन, कॉंग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन के लोग बिना किसी शर्म के खुलेआम भ्रष्टाचारियों पर कार्यवाई रोकने के लिए रैलियाँ कर रहे हैं। मैं कहता हूं- भ्रष्टाचार हटाओ, वो कहते हैं-भ्रष्टाचारी बचाओ। इंडी अलायंस में इकट्ठा हुये इन लोगों की मुझसे यही दुश्मनी है। लेकिन मैं आपको गारंटी देता हूँ। भ्रष्टाचार का पैसा जिस-जिस तिजोरी में गया है, उसे मैं बाहर निकाल के रहूंगा। अगले 5 साल ये काम और तेजी से होगा।

तीसरे कार्यकाल में देश बड़े और ऐतिहासिक फैसले ले सके, इसके लिए मुझे आपका भरपूर आशीर्वाद चाहिए। ▪

मेवाड़ के अपराजित योद्धा महाराणा प्रताप

राजपूताने की वह पावन बलिदान, भूमि विश्व में इतना पवित्र बलिदान स्थल कोई नहीं। इतिहास के पृष्ठ रंगे हैं उस शौर्य एवं तेज की भव्य गाथा से।

भीलों का अपने देश और नरेश के लिये वह अमर बलिदान, राजपूत वीरों की वह तेजस्विता और महाराणा का वह लोकोत्तर पराक्रम इतिहास का वीरकाव्य का वह परम उपजीव्य है। मेवाड़ के उष्ण रक्त ने श्रावण संवत 1633 वि. में हल्दीघाटी का कणकण लाल कर दिया। अपार शत्रु सेना के सम्मुख थोड़े से राजपूत और भील सैनिक कब तक टिकते महाराणा को पीछे हटना पड़ा और उनका प्रिय अश्व चेतक उसने उन्हें निरापद पहुँचाने में इतना श्रम किया कि अन्त में वह सदा के लिये अपने स्वामी के चरणों में गिर पड़ा।

महाराणा चित्तौड़ छोड़कर वनवासी हुए। महाराणी, सुकुमार राजकुमारी और कुमार घास की रोटियों और निर्झर के जल पर किसी प्रकार जीवन व्यतीत करने को बाध्य हुए। अरावली की गुफाएँ ही आवास थीं और शिला ही शैया थी। दिल्ली का सम्राट सादर सेनापतित्व देने को प्रस्तुत था। उससे भी अधिक वह केवल चाहता था प्रताप अधीनता स्वीकार कर लें, उसका दंभ सफल हो जाय। हिंदुत्व पर दीनइलाही स्वयं विजयी हो जाता। प्रताप राजपूत की आन का वह सम्राट हिंदुत्व का वह गौरव सूर्य इस संकट, त्याग, तप में अडिग रहा।

धर्म के लिये, आन के लिये यह तपस्या अकल्पित है। कहते हैं महाराणा ने अकबर को एक बार सन्धिपत्र भेजा था पर इतिहासकार इसे सत्य नहीं मानते। यह अबुल फजल की गढ़ी हुई कहानी भर है। अकल्पित सहायता मिली, मेवाड़ के गौरव भामाशाह ने महाराणा के चरणों में अपनी समस्त संपत्ति रख दी। महाराणा इस प्रचुर संपत्ति से पुनः सैन्य संगठन में लग गये। चित्तौड़ को छोड़कर महाराणा ने अपने समस्त दुर्गों का शत्रु से उद्धार कर लिया।

उदयपुर उनकी राजधानी बना। अपने 24 वर्षों के शासन काल में उन्होंने मेवाड़ की केशरिया पताका सदा ऊँची रखी।

महाराणा की प्रतिज्ञा

प्रताप को अभूतपूर्व समर्थन मिला। यद्यपि धन और उज्जवल भविष्य ने उसके सरदारों को काफी प्रलोभन दिया, परन्तु किसी ने साथ नहीं छोड़ा। जयमल के पुत्रों ने उसके कार्य के लिये

इतिहासकारों का कहना है कि न केवल महाराणा के काल में, बल्कि उसके बाद भी चावंड में ललितकलाएँ और साहित्य फूले-फले। उसका ऐसा दीर्घकालीन प्रभाव पड़ा कि राजधानी बनी रहने के दो शताब्दियों बाद तक चावंड साहित्य एवं कलाओं का केन्द्र बना रहा।

अपना रक्त बहाया, प्रताप के वंश धरों ने भी ऐसा ही किया और सलूबर के कुलवालों ने भी चूण्डा की स्वामी-भक्ति को जीवित रखा। इनकी वीरता और स्वार्थ त्याग का वृतान्त मेवाड़ के इतिहास में अत्यन्त गौरवमय समझा जाता है। उसने प्रतीज्ञा की थी कि वह माता के पवित्र दूध को कभी कलंकित नहीं करेगा।

इस प्रतिज्ञा का पालन उसने पूरी तरह से किया। कभी मैदानी प्रदेशों पर धावा मारकर जनस्थानों को उजाड़ना तो कभी एक पर्वत से दूसरे पर्वत पर भागना और इस विपत्ति-काल में अपने परिवार का पर्वतीय कन्दमूल फल द्वारा भरण-पोषण करना और अपने पुत्र अमर का जंगली जानवरों और जंगली लोगों के मध्य पालन करना, अत्यन्त कष्टप्रद कार्य था। इन सबके पीछे मूल मंत्र यही था कि बप्पा रावल का वंशज किसी शत्रु अथवा देशद्रोही के सम्मुख शीश न झुकाएं। यह असंभव बात थी। कायरों के योग्य इस पापमय विचार से ही प्रताप का हृदय टुकड़े-टुकड़े हो जाता था। तातार वालों को अपनी बहन-बेटी समर्पण कर अनुग्रह प्राप्त करना, प्रताप को किसी भी दशा में स्वीकार्य न था। चित्तौड़ के उद्धार से पूर्व पात्र में भोजन,शैय्या पर शयन दोनों मेरे लिये वर्जित रहेंगे। महाराणा की प्रतिज्ञा अक्षुण्ण रही और जब वे (वि. सं.1653 माघ शुक्ल 11)29 जनवरी सन 1597 में परमधाम की यात्रा करने लगे उनके परिजनों और सामन्तों ने वही प्रतिज्ञा करके उन्हें आश्वस्त किया।

अरावली के कण-कण में महाराणा का जीवन चरित्र अंकित है । शताब्दियों तक पतितों, पराधीनों और उत्पीड़ितों के लिये वह प्रकाश का काम देगा। चित्तौड़ की उस पवित्र भूमि में युगों तक मानव स्वराज्य एवं स्वधर्म का अमर सन्देश झंकृत होता रहेगा।

माई एहड़ा पूत जण, जेहड़ा राणा प्रताप।
अकबर सूतो ओधकै, जाण सिराणै साप।

कठोर जीवन निर्वाह

चित्तौड़ के विध्वंस और उसकी दीन दशा को देखकर भट्ट कवियों ने उसको आभूषण रहित विधवा स्त्री की उपमा दी है। प्रताप ने अपनी जन्मभूमि की इस दशा को देखकर सब प्रकार के भोग-विलास को त्याग दिया, भोजन-पान के समय काम में लिये जाने वाले सोने-चाँदी के बर्तनों को त्यागकर वृक्षों के पत्तों को काम में लिया जाने लगा, कोमल शैय्या को छोड़ तृण शैय्या का उपयोग किया जाने लगा।

उसने अकेले ही इस कठिन मार्ग को नहीं अपनाया अपितु अपने वंश वालों के लिये भी इस कठोर नियम का पालन करने के लिये आज्ञा दी थी कि जब तक चित्तौड़ का उद्धार न हो तब तक सिसोदिया राजपूतों को सभी सुख त्याग देने चाहिए। चित्तौड़ की मौजूदा दुर्दशा सभी लोगों के हृदय में अंकित हो जाये, इस दृष्टि से उसने यह आदेश भी दिया कि युद्ध के लिये प्रस्थान करते समय जो नगाड़े सेना के आगे-आगे बजाये जाते थे, वे अब सेना के पीछे बजाये जायें। इस आदेश का पालन आज तक किया जा रहा है और युद्ध के नगाड़े सेना के पिछले भाग के साथ ही चलते हैं। ▪

वीर योद्धा छत्रसाल

महाराज का एक-एक शब्द अनपुंज की भाँति छत्रसाल के रोम-रोम में स्फूर्त-संचार करती गयी।

उसने बुंदेल को स्वतंत्र करने का वीर-संकल्प लिया। तत्पश्चात महाराज से विदाई लेकर वह सीधा बुंदलेखंड को वापस गया।

बुंदेलखंड का स्वातंत्र्य भी छीना गया था। वहाँ का प्रमुख राजा चंपतराय औरंगजेब के साथ लड़ते-लड़ते मारा गया था। चंपतराय की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी खड्ग से अपना सिर कटवा कर मर गयी। चंपतराय का पुत्र छत्रसाल एक तेजस्वी राजकुमार था, बुंदेलखंड की स्वाधीनता का सपना उसकी पलकों में फुदक रहा था। तथापि उसे किस प्रकार पूरा करना है, यह उस कच्ची उम्र वाले छत्रसाल को पता नहीं था। आसपास का माहौल भी उसके विरोध में ही था। शेष सब हिंदू राजा परकीयों की गुलामी करने की होड़ में ही व्यस्त थे। यह सब देखकर छत्रसाल की आत्मा विद्रोह पर उतारू हो जाती थी। परंतु मार्ग पता न होने से वह छटपटा रहा था। उसी मनःस्थिति में वह राजा जयसिंह के आश्रय में आकर उसकी सेना में भर्ती हुआ था। उसने वहाँ अतुल पराक्रम दिखाया, लेकिन उसकी ओर किसी ने आँख उठाकर भी नहीं देखा। तभी उसे परकियों की चाकरी क्या चीज होती है, इसका मजा चखने को मिला। छुटपन से ही छत्रसाल के कानों में शिवाजी का नाम तथा कारनामों की बातें आती थी। उनका साहस, स्वातंत्र्य समरों की स्फूर्ति गाथा सुन कर वह रोमांचित हो उठा था। इसी कारण, चाकरी करनी ही हो तो स्वधर्म स्वराज्य के संरक्षक उस शिवाजी के चरणों का दास बनना पसंद करूंगा, विधर्मी, अत्याचारी औरंगजेब का गुलाम कतई नहीं बनूँगा ऐसा उस नवयुवक ने अपने मन में ठान लिया था।

औरंगजेब ने दिलेर खान तथा बहादुर खान को फिर एक बार शिवाजी पर हमला करने भेज दिया। तब छत्रसाल भी उनके साथ था। दक्खन में आने के बाद, एक दिन उसने दिलेर खान के पास जाकर शिकार खेलने जाने की इजाजत माँगी। अनुमति मिलते ही, फौज की छावनी से अपनी पत्नी तथा साथियों के साथ निकल पड़ा। गिरि कंदराओं के अपरिचित राहों पर दिनरात दौड़ते-हाँफते उसने भीमा, कृष्णा आदि नदियों को पार किया। अंत में, स्वराज्य की सीमा में महाराज के सेना शिविरों में पहुँच गया। बुंदेलखंड का राजकुँवर छत्रसाल अपने परिवार के साथ अपनी ओर आ रहा है, यह समाचार गुप्तचरों द्वारा शिवाजी महाराज तक पहले ही पहुँच चुका था। महाराज ने उनके स्वागत की उत्कृष्ट व्यवस्था की थी। फिर भी उन्हें अचंभा, यह नवतरूण इस तरह क्यों दौड़कर आ रहा हैं।

अपने डेरे में छत्रसाल प्रवेश कर ही रहा था कि महाराज ने खड़े होकर प्रेम भरे स्वर में, आइए, वीर योद्धा छत्रसालजी ऐसा कहकर स्वागत किया। स्वतंत्र महाराष्ट्र ही मानो खड़ा होकर स्वाधीनता के उत्सुक बुंदेल का स्वागत कर रहा था। इतना मनोभावन, अपूर्व दृश्य था वह। राजपुरूष शिवाजी को देखने वह कितनी लालसा, कितनी परेशानियों परिश्रम, कितनी पहाड़ों, नदियों को पार कर दौड़-धूप करके आया था। आखिर अपनी प्राणों की आस सफल हुई, यह देखकर छत्रसाल का हृदय पुलकित हो उठा। महाराज ने उस वीर किशोर को परम वात्सल्य से अपने पास बुलाकर बैठा लिया। 'बताइए, अब सब कुछ, ऐसा बड़ी आत्मीयता से पूछा। छत्रसाल ने अपने जीवन की पूरी रामकहानी बतायी। अंत में, महाराज से आश्रय की याचना की। स्वराज्य के एक सेवक के नाते अपना स्वीकार हो, इस व्यथा के साथ उसने प्रार्थना की।

छत्रसाल के एक-एक शब्दों में स्फुटित हो रही उसके अंतःकरण की वेदना, तिलमिलाहट, आकांक्षाएँ देखकर महाराज का हृदय भी उमड़ आया। उन्होंने अपनी भावपूर्ण ओजस्वी वाणी में कहा, छत्रसाल, आप क्षात्रकुल के मुकुटमणि हैं। आप बुंदेलखंड वापस चले जाइए। उसे मुक्त करिए। तुर्क हाथी के समान होंगे, लेकिन आप सिंह हो। आप भी अपनी सेना खड़ी करिए, लड़िए, शत्रु को भगाइए। बुंदेल को स्वतंत्र बनाइए। चिन्ता मत करो, आप विजयी होंगे। हम दोनों के एक साथ रहकर लड़ने से बेहतर होगा कि अलग-अलग जगहों पर संघर्ष करें। रणनीति की दृष्टि से दो-दो मोर्चों पर औरंगजेब का दमछाक करना उचित तथा आसान होगा। मेरे पास सेवक बनकर रहने से आपके सब पराक्रम का श्रेय भी मुझे ही मिलेगा। वैसा न हो। आप एक स्वतंत्र राजा के नाते झलकते रहें, यही मेरी इच्छा हैं। तुम्हारी विजय-दुंदुभी शीघ्र ही हमारे कानों में आ जाये।

महाराज का एक-एक शब्द अग्निपुंज की भाँति छत्रसाल के रोमरोम में स्फूर्ति संचार करती गयी। उसने बुंदेल को स्वतंत्र करने का वीर संकल्प लिया। तत्पश्चात् महाराज से विदाई लेकर वह सीधा बुंदलेखंड को वापस गया। आखिर छत्रसाल ने महाराज के आदेशानुसार अतुल पराक्रम से बुंदेलखंड को स्वतंत्र किया। यमुना से नर्मदा तक, चंबल से टास तक फैला है उसके तेग का तेज, ऐसा भूषण कवि ने उसके बारे में अपने काव्य में वर्णन किया है। आगे छत्रसाल के वृद्ध होने पर, मोहमद बंगशाह ने बुंदेलखंड पर आक्रमण किया।

तब छत्रसाल ने पहले बाजीराव पेशवा से सहायता की याचना की। बाजीराव ने शिवाजी की परंपरा को ही आगे बढ़ाते हुए दौड़ते जाकर उसकी मदद की। खुद के व्यक्तिगत बड़प्पन की किंचित मात्र भी कल्पना रखने वाला कोई भी हो, छत्रसाल जैसा महापराक्रमी हिंदू राजा को अपने पास सरदार की हैसियत से रखे बिना नहीं रह पाता। तथापि, विशाल राष्ट्रीय दृष्टि होने के कारण ही शिवाजी महाराज ने छत्रसाल को वैसी स्वतंत्र प्रेरणा देकर भेज दिया। तब शिवाजी के पास था केवल हथेली भर राज्य। परंतु, उनकी दृष्टि हिंदुस्थान की पूरी लंबाई-चौड़ाई पर दौड़ती थी। ▪

लोकमाता महारानी अहिल्याबाई

भारत वर्ष में वीरांगनों के बलिदान और उत्कर्ष का समृद्ध इतिहास है। इतिहास की एक ऐसी ही अद्वितीय वीरांगना थी अहिल्या बाई होल्कर। मर्यादित व्यवहार और आदर्श आचरण की पर्याय अहिल्या बाई ने तीस वर्षों तक होल्कर राज्य का कुशल संचालन किया। न्यायप्रिय रानी ने सुशासन की मिसाल कायम की। उनके समय में होल्कर राज्य समृद्धि के चरम पर था। उन्होंने एक ऐसे लोक मंगलकारी राज्य की स्थापना की जहां पर सबके लिए न्याय, समदृष्टि और बराबरी का स्थान था। न्यायोचित व्यवस्था और आदर्श भाव के कारण ही अहिल्या बाई को लोकमाता से संबोधित किया गया। अहिल्या बाई अपने जीवन काल में ही किंवदती बन चुकीं थीं। राज्य को जनता की धरोहर मानते हुए उन्होंने जन कल्याण की भावना से शासन का संचालन किया। राज्य की रक्षा के लिए अहिल्या बाई युद्ध के मैदान में उतरीं और लड़ाईयाँ लड़ीं। मंदसौर में उनका संघर्ष बहुत चर्चित रहा। वहाँ उन्होंने दुश्मनों से लोहा लेकर जीत हासिल की थी।

अहिल्याबाई होल्कर का जन्म महाराष्ट्र में औरंगाबाद जिले के पाथर डीना गाँव में हुआ था। गाँव के पटेल मनकोजी शिन्दे के यहाँ 17 मई 1725 में जन्मी अहिल्याबाई का कण्ठ अत्यन्त मधुर था। बाल्यकाल में ही मनकोजी ने अपनी पुत्री को अनेक धर्मग्रन्थों के ज्ञान से समृद्ध किया और अनेक स्त्रोत और भजन याद करवा दिए। पाथर डीना गाँव की बच्ची अहिल्या बाई के जीवन में बड़ा बदलाव तब आया जब 1737 में इन्दौर नरेश मल्हार राव होल्कर ने पूना से इन्दौर लौटते समय रास्ते में पाथर डीना के पास पड़ाव डाला। शाम को भगवान त्रयंबकेश्वर के दर्शन करने पहुँचे। वहाँ उन्हें शिव आराधना के स्त्रोत की शास्त्रोक्त उच्चारण सहित मधुर ध्वनि सुनाई दी। मधुर गायन से मुग्ध मल्हार राव ने आरती के बाद कन्या से नाम पूछा वह अहिल्या बाई थी।

मल्हार राव ने मंदिर के पुजारी से अहिल्या बाई के घर परिवार की जानकारी ली और उसके घर पहुँचे। अहिल्या बाई के पिता मनकोजी से अपने पुत्र खाण्डेराव के लिए अहिल्या बाई का हाथ मांगा। मनकोजी स्तब्ध थे। होना ही था कहाँ एक साधारण पटेल की बेटी अहिल्या और कहाँ इन्दौर नरेश का बेटा राजकुमार खाण्डेराव। भगवान त्र्यंबकेश्वर की कृपा पाकर वे धन्य हो गये। जल्द ही विवाह संपन्न हुआ, अहिल्या बाई मल्हारराव की पुत्रवधू बन इन्दौर के राजमहल आ गई। अहिल्या बाई की विनयशीलता, सेवा भाव, शान्त मृदु स्वभाव ने उन्हें सबका विशेष बना दिया।

मल्हार राव अहिल्या बाई की विलक्षण प्रतिभा को समझते थे इसीलिए उन्होंने अपनी पुत्रवधू को हाथी, घोड़े की सवारी तथा शस्त्र संचालन का प्रशिक्षण दिया और राजकाज के कार्यों में सलाह मशवरा भी करने लगे। पति खाण्डेराव भी सर्वगुण संपन्न पत्नी पाकर संतुष्ट थे। विवाह के दसवें वर्ष में खाण्डेराव के यहाँ पुत्र मालेराव और तेरवें वर्ष में पुत्री मुक्ताबाई का जन्म हुआ।

होल्कर कुमार खाण्डेराव वीर और साहसी थे, उन्होंने युद्ध कार्य का संचालन आरंभ कर दिया था जब युद्ध अभियानों को विजित कर खाण्डेराव वापस आते तो, अहिल्या बाई अति अभिमान के साथ पति की आरती उतारती। नियती चक्र में दोनों के सुखी दांपत्य जीवन को कुछ और ही स्वीकार्य था। सन् 1754 में जब राजपूत रजवाड़ों ने विद्रोह किया तो खाण्डेराव दमन अभियान पर चल दिये। युद्ध में खाण्डेराव वीरगति को प्राप्त हुए।

अहिल्या बाई पति के साथ सती होना चाहती थीं परन्तु मल्हार राव होल्कर को अपनी पुत्रवधु अहिल्या बाई की बुद्धिमता और धर्मनिष्ठा पर पूर्ण विश्वास था इसलिए उन्हें सती होने से रोक दिया गया। 20 मई 1766 को मल्हार राव होल्कर चल बसे। 23 जुलाई 1766 को अहिल्या बाई के पुत्र मालेराव गद्दी पर बैठे लेकिन वे भी लंबे समय तक जीवित नहीं रहे। 13 मार्च 1767 को मालेराव की मृत्यु होने के बाद अहिल्या बाई होल्कर राज्य की बागडोर संभालने आगे आयीं। हालांकि एक महिला का राज्य संचालन करना अपने आप में एक बड़ी चुनौती थी लेकिन इसमें अहिल्या बाई पूर्ण रूपेण सफल रहीं। अहिल्या बाई के पुत्र मालेराव की मृत्यु हो जाने के बाद मल्हार राव के दीवान गंगाधर ने राधौबा दादा को अपनी ओर मिलाकर एक षडयंत्र रचा जिसमें उसने राधौबा को लालच दिया कि आपके प्रयत्न से अहिल्या बाई मेरे किसी पुत्र को गोद ले लेंगी तो मैं आपको एक बड़ी रकम नजर करूँगा। रुपयों के लालच में राधौबा ने अहिल्या बाई पर गोद लेने के लिए दबाव डाला परन्तु अहिल्या बाई ने गोद लेना कबूल नहीं किया। फलस्वरूप राधौबा ने इन्दौर पर चढ़ाई करने की योजना बनायी।

अहिल्या बाई ने राधौबा को कहलवाया कि तुमको एक स्त्री के साथ युद्ध नहीं करना चाहिए, यदि इस युद्ध में तुहारी पराजय हुई तो सच मानो तुम संसार में मुँह ऊँचा करने के लायक भी नहीं रहोगे। राधौबा की सेना भी इस कार्य से प्रसन्न न थी। युद्ध के लिये सिंधिया और भौंसले की सहमति भी नहीं थी। युद्ध प्रारंभ होने से पूर्व ही माधवराव पेशवा का पुत्र राधौबा के पास पहुँचा और कहा कि वे अहिल्या बाई से युद्ध न करें। इस तरह यह युद्ध टल गया। इसके बाद अहिल्या बाई होल्कर राज्य की उत्तराधिकारी बनीं और महेश्वर को नई राजधानी बनाया। तुकोजी राव होल्कर सेनापति बनाए गए।

सन् 1767 से 1795 तक के अपने शासनकाल में अहिल्या बाई ने सारे भारत में दानधर्म की गंगा प्रवाहित कर दी। होल्कर राज्य तथा देश के अन्य भागों में अहिल्या बाई ने अनेक मंदिर, घाट, कुएँ, बावड़ियाँ, धर्मशालाएँ, तालाब आदि का निर्माण करवाया। महारनी अहिल्या बाई प्रजा की खुशहाली के लिए समर्पित रहीं। उनके तीस वर्षों का शासनकाल होल्कर राज्य के उत्कर्ष का प्रमाण है। ▪

मल्हार राव अहिल्या बाई की विलक्षण प्रतिभा को समझते थे इसीलिए उन्होंने अपनी पुत्रवधू को हाथी, घोड़े की सवारी तथा शस्त्र संचालन का प्रशिक्षण दिया और राजकाज के कार्यों में सलाह मशवरा भी करने लगे। पति खाण्डेराव भी सर्वगुण संपन्न पत्नी पाकर संतुष्ट थे।

सच्चे राष्ट्रवाद की ज्योति प्रज्जवलित की महान वीर सावरकर ने

कुछ व्यक्ति जन्म से ही महान होते हैं। कुछ महान बनाये जाते हैं। किन्तु कुछ ऐसे होते हैं जिनकी महानता उनके जीवनकाल में स्वीकारी नहीं जाती। विनायक दामोदर सावरकर इस तीसरी श्रेणी में आते हैं। उनकी महानता इसी बात में हैं कि अपने ही लोगों से अनदेखी व अपमान झेलते हुए भी उन्होंने सच्चे राष्ट्रवाद की ज्योति प्रज्जवलित रखी। दुर्भाग्य से वे हिन्दू जनसाधारण को स्वीकार्य नहीं थे क्योंकि वे जन्म से ब्राह्मण पुराणमतवाद के घोर शत्रु रहे। इसीलिये एक विचित्र विरोधाभास यह रहा कि दकियानूसी ब्राह्मण उनके अस्पृश्यता के विरोध में उनके तीव्र व स्पष्ट दृष्टिकोण के कारण उन्हें 'अछूत तात्या' (तात्या उनको प्यार से पुकारते थे) कहकर उनका तिरस्कार करते थे। परन्तु इस कारण वे अछूतों के लिये, हिन्दू समाज के लिये, निचले तबके के लिये अपने आप स्वीकार्य नहीं बन गये।

बड़े विचित्र व स्वार्थी कारणों से ब्राह्मणेतर नेता और दलित वर्ग के नेता भी, निजी तौर पर यह स्वीकारते हुए भी कि सावरकरजी ने हिन्दू समाज से अस्पृश्यता व दूसरी सामाजिक बुराईयाँ दूर करने में क्रान्तिकारी योगदान दिया था, उस कार्य को लोगों की नजरों में लाने में बड़ी आनाकानी की। यह भी सच है कि 13 वर्ष की लंबी अवधि के लिये 1911 से 1923 तक वे अन्दमान की सैल्युलर जेल में भारत भूमि से दूर कष्ट झेलते रहे और जब उन्हें वापस लाया गया तो उन्हें रत्नागिरी में १४ वर्षों तक स्थानबद्ध रखा गया इसीलिये उनके क्रियाकलाप (जो केवल सामाजिक हो सकते थे)उसी स्थान तक सीमित रहे। फ्रान्स के समुद्र तट के पास पानी में छलांग लगाकर उन्होंने अपनी जो अखिल भारतीय प्रतिमा बनाई थी वह धीर-धीरे जनता की स्मृति से ओझल हो गई, और जब 1937 में उन्हें राजनीति में सक्रिय होने की छूट मिली तो, जैसा कि हम पहले ही देख चुके है, उन्हें हिन्दू राष्ट्रवाद का झंडा उठाने के सिवाय दूसरा पर्याय नहीं था व हिन्दू जनता की नजरों में उसका अर्थ ब्राह्मणवाद का समर्थन होता था।

जब 1947 में देश स्वाधीन हुआ तब हिन्दू समाज के आराध्य महात्मा गांधी की हत्या हिन्दू राष्ट्रवाद को बचाने की बात कहकर की गई जिससे की मतलबी लोगों को सावरकर तथा उनके हिन्दुत्व दर्शन पर आघात करने का मौका मिला। डॉ. के.बी.हेडगेवार द्वारा 1925 में हिन्दू समाज की जैविक एकता वापस लाने हेतु स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी उस मामले में घसीटा गया व उस पर पाबन्दी लगाई गई। कठिन सत्व परीक्षा के बाद पाबन्दी हटाई गई। गांधी हत्या मुकदमे से सावरकर भी निर्दोष मुक्त हुए। किन्तु जिस कारण सावरकर व संघ दोनों को ही इस मामले में घसीटा गया था, वह उद्देश्य सफल रहा। हिन्दू राष्ट्रवाद जो विभाजन के बाद के वातावरण में फलता फूलता उसे गहरा आघात पहुँचा। सावरकर ब्राह्मण थे। संघ के अधिकतर कार्यकर्ता भी ब्राह्मण दकियानूसी से करके दोनों को हिन्दू जनता की नजरों में बदनाम किया जा सका। डॉ. के.बी.हेडगेवार हिन्दू संगठन की उनकी कार्य प्रणाली तथा उनके द्वारा एकत्रित किया गया निष्ठावान स्वयंसेवकों का समूह इनकी जितनी प्रशंसा की जाये उतनी थोड़ी है क्योंकि 1948 के भयंकर आघात के पश्चात् भी संघ न केवल अस्तित्व में रहा बल्कि फलता फूलता गया और न केवल भारत में बल्कि सारे विश्व में फैल गया।

सावरकर हिन्दू महासभा के नेता थे तथा संघ एक सामाजिक व सांस्कृतिक संघठन होने के नाते हिन्दू महासभा से अलग ही रहता था।

परन्तु दोनों ही हिन्दुत्व के दर्शन को स्वीकारते थे और भारतीय जनता पक्ष जो नि:संदिग्ध रूप से हिन्दू राष्ट्रवाद का पक्षधर हैं, एक अर्थ से वीर सावरकर का कार्य ही आगे बढ़ा रहा है...

हिन्दू राष्ट्रवाद को सांप्रदायिक कहकर उसका अस्तित्व मिटाने के प्रयासों का उल्टा असर पड़ा। यह तथ्य कि हिन्दू राष्ट्रवाद धीरे-धीरे व निश्चित रूप से हिन्दू समाज में मान्यता प्राप्त कर रहा हैं, इस बात का द्योतक है कि जो पैंतरा सावरकर जी ने 1937 में लिया था वह सही था तथा हिन्दू समाज उन्हें हिन्दू राष्ट्रवाद के महापुरूष के रूप में स्वीकार करता है। यह सही है कि संघ सावरकर की बुद्धि की उपज नहीं थी। सावरकर हिन्दू महासभा के नेता थे तथा संघ एक सामाजिक व सांस्कृतिक संघठन होने के नाते हिन्दू महासभा से अलग ही रहता था। परन्तु दोनों ही हिन्दुत्व के दर्शन को स्वीकारते थे और भारतीय जनता पक्ष जो नि:संदिग्ध रूप से हिन्दू राष्ट्रवाद का पक्षधर हैं, एक अर्थ से वीर सावरकर का कार्य ही आगे बढ़ा रहा है।

इस प्रकार सामाजिक व राजनीतिक क्रान्तिकारी के रूप में सावरकर जी की महानता धीरे-धीरे हिन्दू समाज में स्वीकारी जा रही है। अब तो उस पक्ष के नेता ब्राह्मणों समेत सभी के लिये न्याय व समान बर्ताव की मीठीमीठी बातें करते हैं। यह सद्भाव व सहकार की भावना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि वीर सावरकर की चेतना हिन्दू समाज में जीवित है व बढ़ रही हैं। इसका प्रकटीकरण अयोध्या आंदोलन के समय हुआ तथा कांग्रेसी नेता भी जो अपने आपको हिन्दू कहलवाना टालते थे अब उस बात पर गर्व करने लगे हैं। एक प्रमुख कांग्रेसी नेता व एक समय के पक्ष के महासचिव ने सुझाव दिया था कि कांग्रेस की कार्यक्रम सूची में हिन्दुत्व का होना उपयोगी रहेगा, वे नेता थे स्वर्गीय श्री व्हि.एन.गडगिल। ▪

संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है

पं. दीनदयाल उपाध्याय

आम लोगों ने यहां संघ कार्य के अनेक रूपों का विचार किया होगा। एक प्रश्न हमारे सामने यह भी आता है कि समय-समय पर हम कहते हैं कि हमारा कार्य सांस्कृतिक अधिष्ठान पर खड़ा है। इस दृष्टि से यह जिज्ञासा होना स्वाभाविक ही है कि वह संस्कृति क्या है? संघ की प्रतिज्ञा में भी हम ऐसा कहते हैं, 'हिंदू धर्म, हिंदू संस्कृति की रक्षा कर हिंदू समाज की सर्वांगीण उन्नति करने के लिए हम संघ के घटक बने हैं।' बिना संस्कृति संरक्षण के राष्ट्र की उन्नति नहीं हो सकती, यह भी हम स्वीकारते हैं।

आखिर संस्कृति है क्या? हम यह भी देखते हैं कि संस्कृति के नाम पर आज देश में बहुत से कार्य प्रारंभ हो गए हैं। हर कहीं हम Cultural progress का नाम सुनते हैं। हमारे कलाकार सांस्कृतिक शिष्टमंडलों के रूप में विदेश जाते हैं, अन्य देशों से हम संस्कृति का संबंध जोड़ते हैं आदि। कहने का तात्पर्य यह कि हम नाच-गान को ही संस्कृति मान बैठते हैं।

भारत के विचारकों के समक्ष यह प्रश्न उपस्थित होता है कि क्या गाना, नाचना, नाटक खेलना मात्र ही संस्कृति है। यदि यही संस्कृति की परिभाषा है तो इसका प्रचार हमारे पूर्वज ऋषियों, विद्वानों, स्वामी विवेकानंद जैसे लोगों द्वारा न होकर फिल्म अभिनेता तथा अभिनेत्रियों द्वारा ही होगा।

संस्कृति शब्द को आज गलत अर्थ ही दिया गया है। यह अज्ञानवश हो सकता है और जानबूझकर भी। जानबूझकर इसलिए कि अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए वे संस्कृति शब्द का उपयोग उन लोगों में गलत धारणा पैदा करके अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं। जैसे डालडा को घी की संज्ञा देने से यह बात स्पष्ट है। घी शब्द के बारे में लोगों की धारणा अच्छी है। इसलिए डालडा के साथ साफ किया हुआ तेल-ऐसा न जोड़कर घी शब्द जोड़ दिया गया है। कुछ समय उपरांत लोग इस डालडा को ही वास्तविक घी समझकर इसका उपयोग करने में लज्जा महसूस नहीं करेंगे। ठीक यही बात संस्कृति के संबंध में है। संस्कृति के प्रति जिनकी श्रद्धा है, उन्हें गलत रास्ते पर डालने के लिए इस नवीन संस्कृति का प्रचार किया जा रहा है। राष्ट्रीयता के संबंध में भी यही बात हुई । हमें Indian Nationalism की भ्रांत धारणा दी गई और कहा गया कि मुसलमान, ईसाई सभी यहां के राष्ट्रीय हैं। सिक्खों को यह गलत धारणा दी गई कि वे हिंदू नहीं हैं आदि।

आज सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में इसी कारण लोगों की कल्पना नाचने-गाने की ही हो गई है। एक व्यक्ति ने पूछा कि आप कहते हैं कि हमारा कार्य सांस्कृतिक है, परंतु हमें तो ऐसा दिखाई नहीं देता, क्योंकि वहां तो नाच-गाना होता नहीं। फिर मैंने व्यंग्य कसते हुए कहा कि जिस प्रकार नाचने-गाने में वे स्वर-ताल का ध्यान रखते हैं, इसी प्रकार संघ के कार्यक्रमों में एक कहने पर बायां पैर और दो कहने पर दायां पैर निकलता है और एक ताल के अनुसार कार्य होता है, इसलिए यह भी सांस्कृतिक हुआ।

आज सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में इसी कारण लोगों की कल्पना नाचने-गाने की ही हो गई है।

एक व्यक्ति ने पूछा कि आप कहते हैं कि हमारा कार्य सांस्कृतिक है, परंतु हमें तो ऐसा दिखाई नहीं देता, क्योंकि वहां तो नाच-गाना होता नहीं।

संस्कृति के पीछे क्या भाव है, यह समझना कुछ कठिन है। संस्कृति शब्द का प्रयोग वेदों को छोड़कर अन्य प्राचीन वाङ्मय में नहीं हुआ। संस्कृति को धर्म के अंतर्गत ही मान लिया गया था, परंतु आज संस्कृति शब्द का व्यापक प्रचार होने के कारण लोग इस शब्द को सुनकर चौंकते नहीं। कुछ लोगों ने इसे Culture के अनुवाद के रूप में स्वीकार किया है।

यह भी संभावना हो सकती है कि यह शब्द स्वतंत्र रूप से विकसित हुआ हो। संस्कृति से मिलता-जुलता संस्कार शब्द हमारा पूर्व परिचित शब्द है। हमारे यहां सोलह संस्कार होते हैं, संस्कारों से मनुष्य बनता है, बिना संस्कार के वह पशु समान है-ऐसा बराबर सुनने में आता है। साधारणतया हम कह सकते हैं कि जो बाह्य वातावरण है, उसका मनुष्य पर जो परिणाम होता है, उसे हम संस्कार (Impression) कह सकते हैं।

परंतु संस्कार अच्छे और बुरे दोनों हो सकते हैं। किसी को चोरी की आदत लग जाए तो हम कहेंगे, उस पर बुरे संस्कार पड़े हैं। परंतु जब हम संस्कार कहते हैं तो उससे हमारा अभिप्राय अच्छे संस्कार से ही होता है। बुरे संस्कारों के लिए हम कुसंस्कार शब्द का प्रयोग करेंगे। जैसे चरित्रवान कहने से हमारा आशय अच्छे चरित्र वाले व्यक्ति से होता है, जबकि बुरे चरित्र वाले व्यक्ति के लिए हम चरित्रहीन शब्द का प्रयोग करते हैं।

अतः संस्कृति का अर्थ हुआ, अच्छे संस्कारों का परिणाम (प्रभाव)। मलयालम भाषा में हिंदू संस्कृति के लिए हिंदू संस्कार शब्द का प्रयोग होता है। स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि किन संस्कारों को हम अच्छा कहेंगे और किनको बुरा। इसकी व्याख्या करना सरल नहीं। पर एक छोटी सी कसौटी तो है। वह यह कि समाज के ध्येय के लिए जो पोषक है, वह अच्छा और जो बाधक है, वह बुरा। जैसे यदि हमारा लक्ष्य दिल्ली जाना है, तो जो रेलगाड़ी या मोटरगाड़ी उधर ले जाने में सहायक हो, वह अच्छी और जो विपरीत दिशा में ले जानेवाली है, वह बुरी।

परंतु दूसरा प्रश्न उत्पन्न होता है कि ध्येय क्या है? इस संबंध में हम इतना जानते हैं कि हमारी जो एकात्मकता है, एकीकरण है, इसकी अनुभूति ही हमारा ध्येय है। जब सब लोग एकता का अनुभव करें, तभी समाज अथवा राष्ट्र बनता है। यदि हम राष्ट्र के नाते जीवित रहना चाहते हैं तो एकात्मकता की अनुभूति जिससे होगी, वही हमारा ध्येय होगा।

यदि पांव में कांटा चुभ जाए और पता न लगे कि कहां चुभा है तो चिंता होने लगती है। शरीर के कण-कण की जब तक ठीक अनुभूति रहती है, तब तक ठीक है, परंतु जब बेहोशी आदि में शरीर का ज्ञान नहीं रहता, क्रियाओं, चेष्टाओं का ज्ञान नहीं रहता तो वह स्थिति चिंताजनक होती है और सारा शरीर गया, ऐसा लगने लगता है। जैसे लकवे में, हाथ होते हुए भी हाथ की क्रिया रुक जाती है, हाथ की अनुभूति नहीं होती। जब तक शरीर में चेतना है, अंगों का संबंध बराबर बना रहता है। तभी तक हममें सामर्थ्य है, जीवन है। इसी प्रकार राष्ट्र रूपी शरीर में चेतना बनाए रखना आवश्यक है। अतः जिन कारणों से राष्ट्र में चेतना का निर्माण होता है, वे अच्छे और दूसरे बुरे।

प्रत्येक राष्ट्र में राष्ट्रीयता की भावना जिससे बनी रहे, वही संस्कृति का आधार माना जाता है। संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है। आत्मा निकल जाने के पश्चात जैसे सब अंग-प्रत्यंग निश्चेष्ट हो जाते हैं। उसी प्रकार की अवस्था संस्कृति का लोप हो जाने से राष्ट्र की होती है। जैसे यूनान और मिस्र का प्राचीन राज्य समाप्त हो गया। इसका यह अर्थ तो नहीं कि वहां की भूमि, नदियां, पर्वत, व्यक्ति आदि नष्ट हो गए। ये वस्तुएं तो ज्यों-की-त्यों बनी रहती हैं, परंतु व्यक्ति को एकसूत्र में बांधने की जो शक्ति संस्कृति में है, वह शक्ति समाप्त हो जाती है।

लकड़ियों को सूत के धागे से बांधा जा सकता है परंतु व्यक्ति-व्यक्ति को बांधने वाला सूत्र संस्कृति ही है। यह सूत्र वर्तमान प्राणियों के अतिरिक्त हमारा संबंध हमारे पूर्वजों अर्थात् राम, कृष्ण, शिवा, प्रताप, गोविंद सिंह आदि से तथा आगे जन्म लेने वालों से भी जोड़ देता है। इसी के बूते पर राष्ट्र टिक सकता है। अतः राष्ट्र रूप में जीवित रहने के लिए यही संस्कृति प्राप्तव्य है। अतः सिद्ध हुआ कि सारे समाज को आपस में जोड़ने वाला नाता संस्कृति है। जिन कार्यक्रमों से यह नाता जुड़ता है, वह संस्कार तथा जिन कार्यों से यह नाता टूटने लगता है, वे कुसंस्कार।

डाकुओं में जो स्वार्थ के कारण एकता है, क्या उसे भी संस्कृति मानें? उत्तर मिलेगा- 'नहीं।' कुछ देशों की संस्कृति का आधार यद्यपि यह भी है। जैसे अरब में मुसलमानों का संगठन लूट-खसोट के आधार पर ही किया इसी प्रकार इंग्लैंड भी सामूहिक स्वार्थ के नाम पर ही खड़ा हुआ।

परंतु हमने स्वार्थ के आधार पर एकता खड़ी नहीं की। यही हमारी और दूसरों की संस्कृति में अंतर है। जैसे मां से प्रेम करने के भिन्न-भिन्न आधार हो सकते हैं। इसी प्रकार विवाह के भी भिन्न आधार हो सकते हैं। एक यह कि विवाह दो प्राणियों का एकात्मकता के नाते आगे बढ़ना इसलिए है कि घर की देखभाल के लिए पत्नी मिल जाएगी। इसी प्रकार परिवार में हमारे माता-पिता भी शामिल होंगे। परंतु यूरोप में परिवार में मां-बाप नहीं होते।

जीवन में सभी चीजों की ओर देखने की हमारी दृष्टि कुछ भिन्न है। कुछ राष्ट्रों में ईमानदारी को व्यापार के लिए सर्वोत्तम नीति माना जाता है, परंतु हम इसे व्यापार की नीति के रूप में नहीं अपितु जीवन की नीति के रूप में अपनाना चाहते हैं। प्रत्येक व्यक्ति की अलग-अलग रुचि होती है। यह रुचि भिन्नता मूलतः सब प्राणियों में विद्यमान है। इसी प्रकार राष्ट्रों में भी रुचि भिन्नता है, अपनी-अपनी विशेषता है। सबके आधार भिन्न-भिन्न रहते हैं। इसके कारण हमारे देश में भी कुछ चीजें हमें रंजित करती हैं और कुछ नहीं। हमारी विशेष प्रवृत्ति है, जिसके आधार पर हम संगठन करते हैं। वह प्रवृत्ति स्वार्थ की नहीं, निःस्वार्थ भाव की है। ▪

(राष्ट्र जीवन की दिशा से साभार)

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बालाघाट में जनसभा को सम्बोधित किया।

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मुरैना में आयोजित जनसभा को सम्बोधित किया।

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बैतूल लोकसभा में जनसभा को सम्बोधित किया।

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भोपाल में भव्य रोड शो किया।

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सागर लोकसभा में आयोजित विशाल रैली को सम्बोधित किया।

» प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जबलपुर लोकसभा में विशाल रोड शो किया।

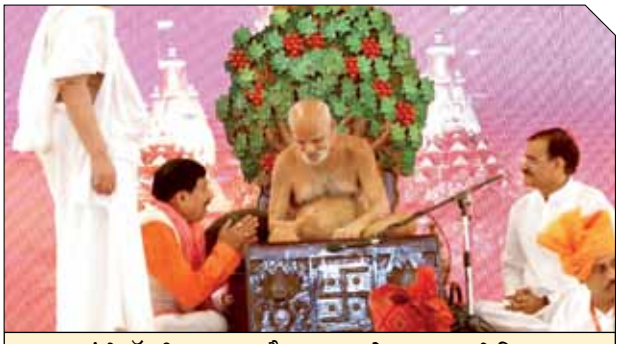

» मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा कुण्डलपुर में आचार्य पदारोहण महामहोत्सव में शामिल हुए।

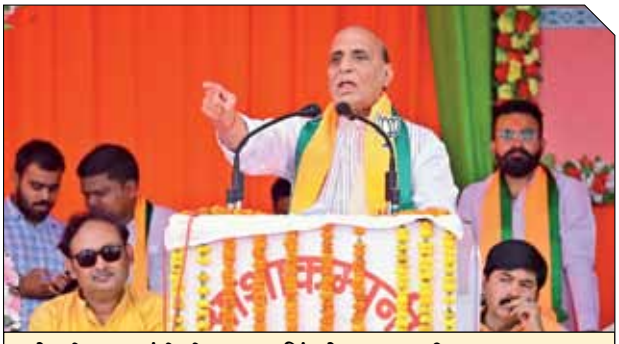

» केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने जनसभा को संबोधित किया।

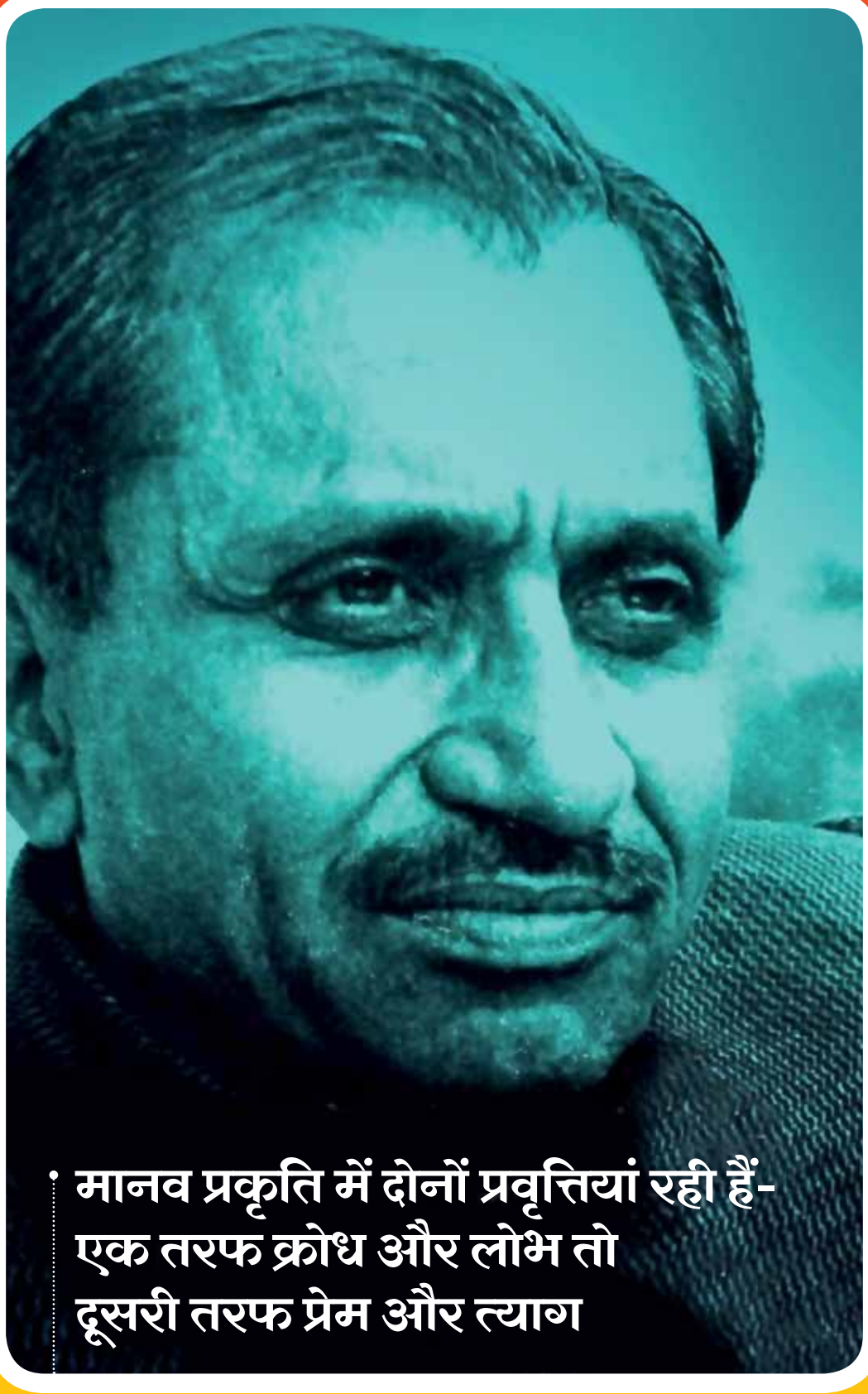

मानव प्रकृति में दोनों प्रवृत्तियां रही हैं-
एक तरफ क्रोध और लोभ तो
दूसरी तरफ प्रेम और त्याग